जबलपुर
रविवार, 12 मई 2024
वैशाख मास शुक्ल पक्ष-4
वर्ष : 19, अंक : 12
पृष्ठ : 14 मूल्य : 3 .00 रुपये

मौसम
अधि. 39
न्यून. 27

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

हैप्पी मदर्स-डे

चुनाव प्रचार खत्म होने के बाद सीएम डॉ. यादव का सबसे 'बेबाक' साक्षात्कार

पीएम का 10 साल का काम ही इतना अपार है कि उनके 'नाम' से ही मिल जाता है 'अपार समर्थन'

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से हरिभूमि व आईएनएच न्यूज चैनल के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी का 'चुनावी संवाद'

inh न्यूज विशेष

चुनाव बाद टीम में परिवर्तन की संभावना से इंकार नहीं

चुनाव के बाद स्वाभाविक रूप से परिवर्तन होता है तो यहां भी ऐसे परिवर्तन की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। चुनाव परिणाम आने के बाद तय करेंगे क्या करना है। मंत्रिमंडल के साथ और भी कई नियुक्तियां होनी हैं।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

सीएम डॉ. मोहन यादव। चुनाव तक आते-आते डॉ. यादव के 100 दिन में कमाल के 100 काम रहे हैं। तीन-तीन विश्वविद्यालयों की स्थापना। एयर एंबुलेंस एग्रीमेंट, एयर टैक्सी लगाना और धार्मिक स्थलों पर सुगमता से पहुंचने के लिए हेलिकॉप्टर की सुविधा। दस हजार लोगों को नियुक्ति पत्र देना और एमपी-पीएससी से चयनित 800 लोगों को एक साथ नियुक्ति दिलाना। खुले में मांस-मछली बेचने पर प्रतिबंध और ध्वनि प्रदूषण के नियंत्रण के लिए सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन का पालन कराना।

यह भी बोले डॉ. यादव

- *राहुल गांधी, मणिशंकर अय्यर जैसे नेता पाकिस्तान की बात करते हैं। जब जनता घेरती है तो दोष भाजपा पर मढ़ने की कोशिश करते हैं।*
- *अयोध्या के राम मंदिर को लेकर कांग्रेस ने जो स्टैंड लिया है वो कांग्रेस के लिए आत्महत्या जैसा है। इसे कोई पसंद नहीं कर सकता है।*
- *मप्र सरकार ने 100 दिन में सौ से अधिक ऐसे फैसले लिए, जिनको जनता ने स्वीकार किया*

उनसे सीधी बात

सवाल : आप पहले के चुनाव में और अब के चुनाव में क्या अंतर देख रहे हैं?

जवाब : पहले जनता का समर्थन जुटाना बहुत कठिन होता था। इसके लिए बहुत ज्यादा मेहनत करना पड़ती थी इस बार के चुनाव में केवल पीएम नरेंद्र मोदी का नाम ही काफी है। उन्होंने बीते 10 सालों में इतना ज्यादा काम किया है कि उनका नाम लेते ही अपार जनसमर्थन मिल जाता है। जब हम उनकी बात करते हैं तो उनके इतने सारे काम हैं कि उसमें से क्या बताएं और क्या छोड़ें यही तय करना मुश्किल हो जाता है। जहां तक कांग्रेस की बात है तो वो हारी हुई लड़ाई लड़ रही है। राहुल गांधी, मणिशंकर अय्यर जैसे नेता पाकिस्तान की बात करते हैं। जब जनता घेरती है तो दोष भाजपा पर मढ़ने की कोशिश करते हैं।

सवाल: कहा जा रहा है कि पीएम मोदी संविधान बदलना चाहते हैं इसलिए 400 पार का नारा दिया?

जवाब : यदि संविधान बदलना था तो बीते दस साल में बदल देते। एनडीए को मिलाकर लगभग 4 सौ सीटें तो थीं ही। हमें 370 हटाना थी हटा दी। ये सब बहुमत के चलते ही संभव हुआ है। अब मध्य प्रदेश में भी इस बार पूरी 29 की 29 लोकसभा सीटें जीत रहे हैं।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

सुप्रीम कोर्ट ने 21 दिन दिए हैं। मैं पूरे देश में घूमूंगा। मेरे खून का एक-एक कतरा देश के लिए

वार : तिहाड़ जेल से बाहर आते ही सीएम अरविंद केजरीवाल ऐसे हुए हमलावर

शाह को बनाया जाएगा प्रधानमंत्री योगी को हटाने की हो रही साजिश

शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल को 1 जून तक अंतरिम जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया था

◆ केजरीवाल ने कहा कि पीएम मोदी ने एक खतरनाक मिशन शुरू किया है और वो है-वन नेशन वन लीडर। भाजपा ने अपने नेताओं का सफाया किया है।

आप कार्यालय में सीएम केजरीवाल ने मीडिया को संबोधित किया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रेस कांफ्रेंस कर कहा कि सबको मेरा प्रणाम। 50 दिन बाद सीधा जेल से आपके पास आया हूं, अच्छा लग रहा है। बजरंगबली की कृपा है। आप के शीर्ष नेताओं को जेल भेजा गया। आप कुचलने में पीएम ने कसर नहीं छोड़ी।

मेरे को इन्होंने जेल भेज दिया। सबसे भ्रष्ट लोगों को इन्होंने अपनी पार्टी में शामिल कर लिया। केजरीवाल ने कहा कि मैं 140 करोड़ लोगों का साथ चाहता हूं। इस देश को बचाना है। मैं लोकतंत्र को बचाना चाहता हूं। मैं मंत्री, मुख्यमंत्री बनने नहीं आया नौकरी छोड़कर यहां आया हूं। मेरा देश के लिए सब कुछ कुर्बान है। ये इंडिया गठबंधन से पूछते हैं कि प्रधानमंत्री कौन होगा? मैं भाजपा से पूछता हूं कि इनका प्रधानमंत्री कौन होगा?

भ्रष्टाचार से लड़ाई लड़नी है तो केजरीवाल से सीखो

केजरीवाल ने कहा कि भ्रष्टाचार से लड़ाई लड़नी है तो केजरीवाल से सीखो। मैंने अपने नेता को भ्रष्टाचार के खिलाफ सीबीआई को सौंप दिया था। हमारा देश 4000 हजार साल पुराना है। जब भी देश में किसी ने तानाशाही की कोशिश की है। जनता ने उसे बाहर कर दिया। मैं उनके खिलाफ लड़ रहा हूं। देश के 140 करोड़ लोगों से भीख मांग रहा हूं। देश को बचा लो। सुप्रीम कोर्ट ने 21 दिन दिए हैं।

पीएम मोदी ही आगे देश का नेतृत्व करते रहेंगे इसमें कोई शंका नहीं

पलटवार : ये भाजपा के सविधान में कहीं नहीं लिखा है कि 75 साल के बाद पीएम नहीं बन सकते

शाह ने दिया जवाब, बोले-75 साल का रिटायरमेंट प्रधानमंत्री मोदी के लिए नहीं

दक्षिण भारत में कर्नाटक, आंध्र , तेलंगाना, तमिलनाडु और केरल में सबसे बड़ा दल भाजपा बनकर उभरेगी

◆ मैं अरविंद एंड कंपनी और पूरे इंडी अलायंस को कहना चाहता हूं कि पीएम मोदी 75 साल के हो जाएं इससे आपको आनंदित होने की जरूरत नहीं है

एजेंसी ▶▶ हैदराबाद

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के बयान पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि पीएम मोदी ही देश का नेतृत्व करेंगे। गृह मंत्री ने कहा कि 75 साल का रिटायरमेंट पीएम मोदी के लिए नहीं है। केजरीवाल सिर्फ 1 जून तक प्रचार के लिए बाहर हैं।

कांग्रेस पार्टी आज तुष्टीकरण की राजनीति करने के इस कगार पर पहुंच गई

दावा: तीन चरण में एनडीए के सभी साथी दल 200 सीटों के आंकड़े के करीब

शाह ने हैदराबाद में प्रेस कांफ्रेंस कर दावा किया कि तीन चरण में भाजपा के नेतृत्व में एनडीए के सभी साथी दल 200 सीटों के आंकड़े के करीब पहुंच गए हैं। चौथे चरण में एनडीए को सबसे ज्यादा सफलता मिलेगी। शाह ने कहा कि एनडीए 400 पार से और आगे बढ़ेंगे। चौथे चरण में आंध्र और तेलंगाना में एनडीए कपलीट स्वीप करने जा रही है। 4 जून को लोकसभा चुनाव के परिणाम आएंगे तो दक्षिण भारत में कर्नाटक, आंध्र , तलंगाना, तमिलनाडु और केरल में सबसे बड़ा दल भाजपा बनकर उभरेगी। सबसे ज्यादा सीट भाजपा को मिलेगी। तेलंगाना नें 10 से ज्यादा सीट मिलेगी।

सीएम यादव ने कहा- केजरीवाल अभी वेंटीलेटर पर... उन्हें तो अब तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए

भोपाल। अंतरिम जमानत पर जेल से बाहर आए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की बयानबाजी को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल अभी वेंटीलेटर पर हैं, उन्हें मुख्यमंत्री पद से तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्हें दिल्ली की जनता से माफी मांगनी चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव केजरीवाल के बयान पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे थे। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट, सुप्रीमकोर्ट, जिला कोर्ट सभी जगह से बेल करने के लिए लालायित थे, उन पर हर तारीख पर कोर्ट ने टिप्पणियां की हैं।

कभी भी पीओके से अपना अधिकार जाने नहीं देंगे

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी आज तुष्टीकरण की राजनीति करने के इस कगार पर पहुंच गई है कि उसके दो सहयोगी नेता मणिशंकर अय्यर और फारुख अबदुल्ला पाकिस्तान के पास परमाणु बम है ऐसा कहकर पीओके को ताक पर रखने की बात कर रहे हैं। भाजपा मानती है कि कभी भी पीओके से अपना अधिकार जाने नहीं देंगे। वे कह रहे हैं कि पीएम मोदी को अगर 400 सीटें मिलीं तो पीएम मोदी को समाप्त कर देंगे।

खबर संक्षेप

एनआईए ने जम्मू में ली छह स्थानों पर तलाशी

नई दिल्ली। एनआईए ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद फैलाने की पाकिस्तान समर्थित साजिश मामले में जम्मू में छह स्थानों पर तलाशी ली। जम्मू और कश्मीर में 'स्टिकी' बम, आईईडी और छोटे हथियारों आदि के साथ हिंसक हमले करने के लिए प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों और उनकी अनुषंगी शाखाओं की तलाशी ली।

चुनाव : तीसरे चरण में 65.68 प्रतिशत मतदान

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने शनिवार को तीसरे चरण में मतदान का अपडेट आंकड़ा जारी किया। इसके तहत इस चरण में कुल 65.68 प्रतिशत मत पड़े थे, जबकि 2019 के चुनाव के तीसरे चरण में मतदान प्रतिशत 68.4 था। आयोग ने तीसरे चरण के मतदान के एक दिन बाद गत आठ मई को भी इसी तरह का आंकड़ा जारी किया था।

चौथे चरण का प्रचार थमा 96 सीटों पर होगी वोटिंग

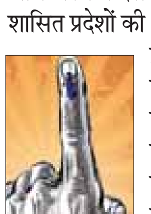

नई दिल्ली। लोक सभा चुनाव के चौथे चरण में दस राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों की 96 सीटों पर प्रचार अभियान शनिवार छह बजे थम गया। चौथे चरण का मतदान सोमवार को कराया जाएगा जिसमें 1717 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला होगा। चौथे चरण के मतदान के साथ आंध्र प्रदेश और तेलंगाना सहित 18 राज्यों और चार केंद्र शासित प्रदेशों में वोटिंग होगी।

प्रेशर बम की चपेट में आने से युवती की मृत्यु

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में प्रेशर बम की चपेट में आने से एक युवती की मृत्यु हो गयी। जिले के गंगालूर थाना क्षेत्र के अंतर्गत मल्लूर गांव के जंगल में प्रेशर बम की चपेट में आने से तेंदूपत्ता संग्राहक शांति पुनेम (25) की मृत्यु हो गई। पुलिस ने बताया कि तेंदूपत्ता तोड़ रही थी तभी हादसा हुआ।

बदला कोरोना का नया टीका

ये ओमिक्रॉन वैरिएंट से भी बचाएगा आपातकालीन इस्तेमाल की अनुमति

अमेरिका में नैदानिक परीक्षण और प्री-क्लीनिकल अध्ययन की रिपोर्ट भी साझा की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पुणे स्थित सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) ने हाल ही में इस नए अपडेट टीके को भारत में बिक्री और वितरण की अनुमति मांगी थी। साथ ही कंपनी ने अमेरिका में चल रहे नैदानिक परीक्षण और प्रीक्लीनिकल अध्ययन की रिपोर्ट भी साझा की, जिसके आधार पर समिति ने निर्णय लिया। नए फॉर्मूले पर बने कोरोना रोधी टीके को भारत में आपातकालीन इस्तेमाल की अनुमति देने का प्रस्ताव मंजूर कर लिया गया है। यह पहला ऐसा टीका है जो कोरोना वायरस के ओमिक्रॉन और एक्सबीबी स्वरूप से बचाव करने में सक्षम है।

बीते सप्ताह केंद्र सरकार की विशेषज्ञ कार्य समिति (एसईसी) ने कुछ शर्तों के साथ एडजुवेंटेड 2023-2024 फॉर्मूले पर आधारित इस टीके को अनुमति देने की सिफारिश की है। दरअसल, कुछ समय पहले अमेरिकी कंपनी नोवा वैक्स के कोरोना टीके को भारत में आपातकालीन इस्तेमाल की अनुमति मिली। इसका उत्पादन भारत में सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) ने किया और पूरी दुनिया में करीब 200 करोड़ खुराक उपलब्ध कराईं।

देश में चौथे चरण का अध्ययन करेगी कंपनी

विशेषज्ञ कार्य समिति (एसईसी) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि टीके को लेकर अंतिम फैसला केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) के जरिए होगा। फिलहाल कंपनी से देश में चौथे चरण का अध्ययन कराने के लिए कहा है जिसकी रिपोर्ट तीन माह के भीतर समिति के आगे पेश करनी होगी। बूस्टर यानी ऐहतियाती खुराक के लिए इस टीका का इस्तेमाल 18 वर्ष या उससे अधिक आयु की आबादी में किया जा सकता है। समिति ने यह भी शर्त रखी है कि जो स्वास्थ्य कर्मचारी यह टीका लगाने वाले हैं उन्हें फैक्टशीट और मार्गदर्शन मिलना बहुत जरूरी है।

राष्ट्रपति कोटे से राज्यसभा सीट दिलाने के नाम पर वसूली 2 करोड़ की रकम

ठग हुआ गिरफ्तार खुद को बताता था प्रोटोकॉल ऑफिसर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पुलिस ने एक ठग को गिरफ्तार किया है। ठग ने एक व्यक्ति से दो करोड़ रुपये की वसूली की थी और उसे राष्ट्रपति कोटे से राज्यसभा सीट दिलाने का वादा किया था। पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और इसके बाद आरोपी को पुलिस ने फर्जी दस्तावेजों के साथ गिरफ्तार कर लिया। 25 अप्रैल 2024 को दिल्ली के किशनगढ़ इलाके के रहने वाले नरेंद्र सिंह ने पास के पुलिस स्टेशन में धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज करवाई थी।

पेट में छिपाए थे ड्रग्स के 110 कैप्सूल एयरपोर्ट पर जाल में फंस गया तस्कर

10 करोड़ रुपए की कोकीन जब्त

मुंबई एयरपोर्ट पर एक ब्राजीलियाई नागरिक के पास से यह जब्ती

एजेंसी ▶▶ मुंबई

राजस्व खुफिया निदेशालय ने देश में ड्रग्स की तस्करी करने वाले रैकेट का खुलासा किया है। ड्रग्स को लेकर हुई एक बड़ी कार्रवाई में डीआरआई ने मुंबई एयरपोर्ट पर अपने पेट में ड्रग्स छिपाकर ड्रग्स ला रहे ब्राजीलियाई नागरिक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पेट से 110 कैप्सूल निकले हैं, जिनसे 975 ग्राम कोकीन मिला है। इस ड्रग्स की अंतराष्ट्रीय मार्केट में कीमत 10 करोड़ बताई जा रही है।

भोपाल में भी बारिश का अलर्ट, 14 तक ऐसा ही रहेगा मौसम

आधा दर्जन से अधिक जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी

धार, रीवा-सतना में गिरा पानी, भोपाल सागर व जबलपुर में आज होगी बारिश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

प्रदेश में पिछले पांच दिनों से आंधी-बारिश का दौर जारी रहा। दोपहर में धार, रीवा और सतना जिलों में बारिश हुई। भोपाल में तेज धूप के साथ बादल भी छाए रहे। मौसम विभाग ने शनिवार रात में भोपाल, सीहोर में भी बादल-आंधी चलने का अलर्ट जारी किया है।

आसपास के एक दर्जन जिलों में भी बादल छाए रहेंगे। कहीं-कहीं बारिश भी हो सकती है। प्रदेश में 14 मई तक मौसम ऐसा ही बना रहने का अनुमान लगाया जा रहा है। राजगढ़, बैतूल, नर्मदापुरम, छिंदवाड़ा, बालाघाट, मंडला, दमोह और कटनी में ऑरेंज जारी किया गया है।

◆ नरसिंहपुर रहा सबसे गर्म, पारा 42 डिग्री

प्रदेश के कई शहरों में गर्मी का असर भी देखने को मिला। नरसिंहपुर में तापमान सबसे ज्यादा 42 डिग्री रहा। जबकि शुक्रवार को गुना में सबसे ज्यादा गर्मी रही थी। नौगांव, रायसेन, उज्जैन, शाजापुर, गुना, खजुराहो, टीकमगढ़, मंडला, धार, खंडवा और रतलाम में पारा 40 डिग्री से अधिक दर्ज किया गया।

क्यों बिगड़ा मौसम का मिजाज?

मौसम वैज्ञानिक वेदप्रकाश सिंह ने बताया कि तीन पश्चिमी विक्षोभ के एक साथ सक्रिय होने से हवा का रुख बदला हुआ है। प्रदेश के कुछ जिलों में बारिश का दौर चल रहा है। ऐसे में आंधी के साथ बिजली गिरने का भी अनुमान है।

पाकिस्तान बम बेचने के लिए खरीदार तलाश रहा, पोखरण में परमाणु परीक्षण कर भाजपा ने देशहित को सर्वोपरि रखा

पीएम मोदी ने शनिवार को ओडिशा के कंधमाल में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस और उनके नेता मणिशंकर अय्यर पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने पोखरण के परमाणु परीक्षण का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि 26 साल पहले आज ही के दिन अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने पोखरण में परमाणु परीक्षण किया था। भाजपा देश की सुरक्षा के लिए संकल्पित

मणिशंकर के परमाणु बम वाले बयान पर पीएम की दो टूक

एजेंसी ▶▶ कंधमाल

पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को ओडिशा के कंधमाल में सार्वजनिक बैठक को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस और उनके नेता मणिशंकर अय्यर पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने पोखरण के परमाणु परीक्षण का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि 26 साल पहले आज ही के दिन वाजपेयी सरकार ने पोखरण में परमाणु परीक्षण किया था और हमने ये दिखा दिया था कि देशभक्ति से ओत-प्रोत सरकार देशहित के लिए, देश की सुरक्षा के लिए, देश के लोगों को आशा-अपेक्षा के लिए कैसे काम करती है। भारत ने दुनिया को अपने सामर्थ्य से परिचित कराया था।

कांग्रेस बार-बार देश को डराने की कोशिश करती है।वह कहती है कि 'संभल कर चलो, पाकिस्तान के पास एटम बम है। पाकिस्तान की हालत ऐसी है कि उन्हें नहीं पता कि इसे कैसे रखा जाए और वे अपने बम बेचने के लिए खरीदार की तलाश कर रहे हैं। कोई भी उन्हें खरीदना नहीं चाहता, क्योंकि लोग उनकी गुणवत्ता के बारे में जानते हैं।

संभल कर चलो पाकिस्तान के पास एटम बम है...

कांग्रेस ने आतंक के सरपरस्तों पर कार्रवाई नहीं की

कांग्रेस के इसी कमजोर रवैये के कारण जम्मू-कश्मीर के लोगों ने 60 साल तक आतंक भुगता है। देश ने कितने आतंकी हमले झेले हैं। देश भूल नहीं सकता कि आतंकियों को सबक सिखाने के बजाए ये लोग आतंकी संगठनों के साथ बैठकें करते थे। 26/11 के मुंबई हमले के बाद इन लोगों की हिम्मत नहीं पड़ी कि आतंक के सरपरस्तों पर कार्रवाई करें।

'विकास भी और विरासत भी' हमारा मंत्र

उन्होंने कहा कि भाजपा 'विकास भी और विरासत भी' के मंत्र के साथ देश को आगे बढ़ा रही है। भाजपा सरकार में देश का 500 साल का इंतजार पूरा हुआ। राम मंदिर का निर्माण हुआ। यहां राज्य भाजपा भी उड़िया भाषा और उड़िया संस्कृति के प्रति समर्पित है। ऐसा कोई बेटा या बेटी जो ओडिशा की मिट्टी से निकला हो, यहां की संस्कृति को समझता है, उसका भाजपा का मुख्यमंत्री बनना तय है। 7 दशक पहले श्री जगन्नाथ मंदिर के प्रबंधन के लिए नियम बनाए गए थे। मंदिर के सोना चांदी, सारी चल-अचल संपत्ति का रिकॉर्ड मेंटेन किया जाएगा।

कांग्रेस को शहजादे की उम्र जितनी सीटें भी नहीं मिलेंगी

पीएम मोदी ने कहा कि पिछले 25 सालों में ओडिशा को बीजेडी की सरकार गरीबी से बाहर नहीं निकाल पाई और इसीलिए राज्य के लोगों में बीजू जनता दल के खिलफ बहुत गुस्सा है। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस और इंडी गठबंधन सरकार बनाने का दावा कर रही हैं। इनको नहीं मालूम कि कांग्रेस को उनके शहजादे की उम्र के बराबर भी लोकसभा सीटें नहीं मिलने वाली हैं।

आपका हर वोट समृद्ध भारत के लिए अहम

पीएम मोदी ने चुनावी जनसभा में कहा कि यह चुनाव ओडिशा के लोगों के लिए बहुत खास महत्व रखता है। आपका हर वोट ओडिशा के विकास और समृद्ध भारत के लिए महत्वपूर्ण है। आपका एक वोट भाजपा सरकार को सक्षम बनाएगा।

आंध्र प्रदेश में विपक्ष पर भड़के राहुल गांधी

वाईएसआरसीपी, टीडीपी और जनसेना भाजपा की बी-टीम

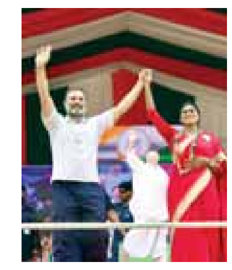

कडप्पा। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने आंध्र प्रदेश के कडप्पा में चुनाव प्रचार में मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी और अन्य विपक्षी पार्टियों पर जमकर निशाना साधा। कांग्रेस नेता ने इस दौरान भाजपा को भी घेरा। उन्होंने कहा कि भाजपा का मतलब बाबू (टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू), जगन और पवन (जनसेना संस्थापक पवन कल्याण) है। रैली को संबोधित करते हुए राहुल ने आरोप लगाया कि तीनों नेताओं का रिमोर्ट कंट्रोल पीएम मोदी के पास है।

प्रियंका ने पीएम मोदी पर किया हमला

राजनीति का इस्तेमाल केवल सत्ता हासिल करने के लिए कर रहे

नंदूरबार। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने पीएम मोदी के चुनावी भाषणों को खोखली बातें करार दिया और आरोप लगाया कि वे राजनीति का इस्तेमाल केवल सत्ता हासिल करने के लिए कर रहे हैं, न कि लोगों की सेवा के लिए। वे कांग्रेस उम्मीदवार गोवाल पाडवी के समर्थन में यहां एक जनसभा को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि मुझे पीएम मोदी की किसी आदिवासी के घर जाकर उनकी समस्याएं समझने की एक तस्वीर दिखाइए। आपकी संस्कृति और परंपरा का सम्मान करना राजनीतिक नेताओं का कर्तव्य है।

राणा ने ओवैसी पर साधा निशाना

सुन लो...राम भक्त हर जगह हैं

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी की उम्मीदवार नवनीत राणा ने एक बार एआईएमआईएम के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी पर निशाना साधा है। राणा ने एक चुनावी सभा के दौरान कहा कि मैं ओवैसी को चुनौती देती हूं कि जब मैं हैदराबाद आऊं तो वो मुझे रोक कर दिखाएं। राणा ने कहा कि आज देश भर में हर जगह राम भक्त घूम रहे हैं। बता दें कि नवनीत राणा का बयान ओवैसी के उस बयान के बाद आया है जिसमें उन्होंने अपने छोटे भाई को तोप बताया था।

आतंकवाद के प्रति कांग्रेस पार्टी का रवैया हमेशा रहा नरम

अचानक आंध्र प्रदेश भवन पहुंचीं सीतारमण

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के बीच निर्मला सीतारमण ने दिल्ली में आंध्र प्रदेश भवन का दौरा किया। सीतारमण ने लोगों से बातचीत की। वे इस बार लोकसभा चुनाव नहीं लड़ रही हैं। इससे पहले आज कांग्रेस पर निशाना साधते हुए निर्मला सीतारमण ने कहा था,आपने कांग्रेस के दस साल के शासनकाल में देखा कि कैसे आतंकी हमलों को बर्दाश्त किया जाता था, उचित जवाब नहीं दिया जाता था। वे पाकिस्तान को डोजियर भेजने में विश्वास करते थे। आतंकवाद के प्रति कांग्रेस पार्टी का रवैया और दृष्टिकोण हमेशा कमजोर और नरम रहा है। इस दौरान कई चुनावी मुद्दों पर चर्चा की।

लालू-तेजस्वी की गैरहाजिरी में इंडी गठबंधन की प्रेसवार्ता

खरगे बोले- मोदी के लिए सरकार बना पाना अत्यंत मुश्किल

पटना। बिहार में इंडी एलायंस के बैनर तले पटना में जुटान हुआ। इस दौरान कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सिंह और कांग्रेस के वरीय नेता अजीत शर्मा ने पटना एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया। होटल मौर्या में प्रेस वार्ता आयोजन किया गया। राष्ट्रीय जनता दल की ओर पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव और बेटे तेजस्वी यादव नहीं शामिल हुए। राजद से मनोज झा और वामदल से दीपांकर भट्टाचार्य, कांग्रेस की वरीय नेत्री मीरा कुमार समेत कई दिग्गज शामिल हुए। पत्रकारों से बातचीत के दौरान कांग्रेस के खरगे ने पीएम मोदी और एनडीए सरकार पर जमकर हमला बोला।

खबर संक्षेप

'बहुसंख्यक आबादी घटी' बेखौफ रहें अल्पसंख्यक

नई दिल्ली। देशभर में प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की रिपोर्ट को लेकर चर्चाएं हो रही हैं।

इस रिपोर्ट को लेकर केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर का कहना है कि देश में अल्पसंख्यकों को चिंतित होने की कोई आवश्यकता नहीं है। वह भी तब जब, उनकी आबादी में 43.15 फीसदी की बढ़ोतरी देखने को मिली है और वे भी सरकार की योजनाओं का लाभ समान रूप से लाभ ले रहे हैं।

दूल्हे के फूफा ने चढ़ा दी बारातियों पर कार

बदायूं। यहां के उझानी में बरात चढ़त के दौरान रिश्तेदार से कहासुनी के बाद दूल्हे का फूफा

गुस्सा हो गया। उसने बरातियों पर कार चढ़ा दी। बरात में शामिल बच्चों समेत 11 लोग घायल हो गए। बरातियों की भीड़ ने कार घेरने की कोशिश की तो वह हाईवे की ओर कार दौड़ा ले गया। घटना से काफी देर तक अफरातफरी का माहौल रहा। परिजन ने घायलों का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर उपचार कराया।

शिमला में बारिश, 8 जिलों में ऑरेंज अलर्ट

शिमला। राजधानी शिमला में झमाझम बारिश दर्ज की गई। दोपहर करीब 2:30 के बाद शहर में कुछ

देर के लिए मूसलाधार बारिश हुई। प्रदेश के अन्य कई भागों में भी मौसम खराब है। प्रदेश के 8 जिलों में अंधड़ चलने और ओलावृष्टि का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। 12 व 13 मई को भी कई स्थानों पर बारिश, अंधड़ का येलो अलर्ट जारी किया है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु का प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिल्ली के सीएम पर पलटवार

केजरीवाल अब शीला,शिबू, सोनिया और लालू के 'जेल रिटर्न क्लब' में शामिल हुए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली की कथित शराब नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सुप्रीम कोर्ट से 10 मई को अंतरिम जमानत मिलने के बाद अरविंद केजरीवाल जेल से बाहर आ गए हैं। जेल से बाहर आने के बाद केजरीवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए भाजपा और पीएम मोदी पर निशाना साधा।

भाजपा ने पलटवार करते हुए कहा कि केजरीवाल की अंतरिम जमानत का मतलब है कि वह अब 'जेल रिटर्न क्लब' का हिस्सा बन गए हैं। भाजपा ने आप के राष्ट्रीय संयोजक केजरावील की तुलना उन कुछ अन्य राजनेताओं से की जो जेल गए और जमानत पर बाहर आए। भाजपा ने याद दिलाया कि कैसे केजरीवाल सोनिया गांधी और दिल्ली की पूर्व सीएम शीला दीक्षित सहित कांग्रेस नेताओं के खिलाफ बयान देते थे, लेकिन अब उसी कांग्रेस के साथ मिलकर चुनाव लड़ रहे हैं।

ये भी बोले- अंतरिम जमानत क्या मिली? इनके तो सुर ही बदल गए

भाजपा का दिल्ली सीएम पर बड़ा **हमला**

वे शीला और सोनिया को जेल भेज रहे थे...

भाजपा सांसद और पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि केजरीवाल बाहर आ गए हैं और जश्न मना रहे हैं, लेकिन वो आखिरकार लालू प्रसाद यादव, जयललिता और शिबू सोरेन की तरह 'जेल रिटर्न क्लब' का हिस्सा बन गए हैं। जो कहते थे कि वह शीला दीक्षित और सोनिया गांधी को जेल भेजेंगे, वह अब इंडी गठबंधन का हिस्सा हैं, क्योंकि वे सभी (पीएम नरेंद्र) मोदी के खिलाफ हैं।

जयललिता और करुणानिधि भी अछूते नहीं

सुधांशु ने कहा कि 1997 में बिहार के तत्कालीन सीएम लालू यादव को इसकी सदस्यता मिली थी, इसके बाद तमिलनाडु की जयललिता को 1996 में, 2000 में तमिलनाडु के करुणानिधि इस क्लब के सदस्य बने। जो शख्स शीला दीक्षित और सोनिया गांधी को जेल भेजने की बात करते थे, तिहाड़ से लौटने के बाद उनके सुर बदल गए हैं।

केजरीवाल ने कनॉट प्लेस स्थित हनुमान मंदिर में किए दर्शन

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल शनिवार को सबसे पहले परिवार और पंजाब के सीएम भगवंत मान के साथ कनॉट प्लेस स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर में पूजा अर्चना की। इस दौरान सांसद संजय सिंह, मंत्री आतिशी और सौरभ भारद्वाज और बड़ी संख्या में पार्टी समर्थक मौजूद थे।

महरौली में किया रोड शो

केजरीवाल ने महरौली में रोड शो किया। उनके साथ सीएम

भगवंत मान भी थे। रोड शो के दौरान केजरीवाल हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन करते हुए नजर आ रहे थे। केजरीवाल की जेल से रिहाई के बाद यह पहला रोड शो है। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधा।

अमरोहा में आफत से परिवार गमगीन

शादी से पहले दुल्हन की मौत बुआ भी नहीं रहीं, 2 और मरे

बग्गी चालक को भी आया हार्ट अटैक

अमरोहा। सेहरा बांधे दूल्हा बग्गी पर बैठा तथा बराती गानों की धुन पर नाच रहे थे। तभी अचानक ऐसा हुआ कि शादी की खुशी थम गई। बग्गी चालक अचानक बेहोश होकर गिर गया। अस्पताल पहुंचने से पूर्व उसकी मौत हो चुकी थी। चिकित्सकों ने हार्टअटैक से मौत होना बताया। अमरोहा नगर के मुहल्ला बेगम सराय में बुआ-भतीजी की मौत भी हार्टअटैक से हुई है।

यासीन ने अपनी बेटी फरहीन की शादी दिल्ली में तय की थी। एक महीना बाद फरहीन की बारात आनी थी। घर में शादी की तैयारी चल रही थी। शुक्रवार दोपहर फरहीन घर में प्याज काट रही थी। अचानक बेहोश हो गई। स्वजन चिकित्सक के पास ले गए तो उसकी मौत हो चुकी थी। चिकित्सक ने मौत का कारण हार्टअटैक बताया है। सुबोधनगर कालोनी में भी युवक की मौत हुई है। हार्टअटैक से 4 मौत होने का मामला जिले में चर्चा में है।

भतीजी के गम में फूफी की मौत

भतीजी की मौत की सूचना मिलने पर फरहीन की बुआ फूल बी नहटौर से दफीने में शामिल होने आई थीं। घर में पहुंचते ही फूल बी भी बेहोश होकर गिर पड़ीं। अभी स्वजन उन्हें चिकित्सक के पास ले जा रहे थे कि उनकी भी मौत हो गई। उधर हार्टअटैक से चौथी मौत नगर से सटे मुहल्ला सुबोधनगर कालोनी की है। यहां पर रहने वाले सौरभ शर्मा हरियाणा में एक कंपनी में नौकरी करते थे। शनिवार सुबह वह कांठ में रहने वाली अपनी बहन के घर गए थे। वहां तबीयत बिगड़ी तो स्वजन उन्हें लेकर मुरादाबाद पहुंचे। वहां चिकित्सकों ने सौरभ शर्मा को हार्टअटैक के चलते मृत घोषित कर दिया। चार लोगों की मौत से लोग दहशत में हैं।

गैंगरेप में 3 एफआईआर दर्ज

प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ सामने आई एक और महिला

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

जेडीएस सांसद प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ यौन उत्पीड़न से जुड़ी तीसरी एफआईआर दर्ज हो गई है। एक महिला ने सीआईडी के साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में उनके खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई है। सूत्रों का कहना है कि महिला ने आरोप लगाया है कि प्रज्वल ने कई बार उसके साथ रेप किया।

शिकायतकर्ता एक वायरल वीडियो में भी सामने आई थी। आईपीसी की धारा 376(2)(एन), 376(2)(के), 354(ए), 354(बी), 354(सी) और 506 के तहत मामला दर्ज किया गया है। ये मामले बार-बार बलात्कार, ताक-

झांक, फिल्मांकन, यौन संबंधों की मांग, कपड़े खींचने, छेड़छाड़ और धमकी देने से संबंधित हैं। हालांकि एसआईटी ने शिकायतकर्ता महिला की पहचान उजागर करने से इनकार कर दिया। विशेष जांच दल (एसआईटी) के सूत्रों के अनुसार प्रज्वल के खिलाफ 8 मई को बेंगलुरु में प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

दिल्ली पर आफत बन टूटा तूफान, कई जगहों पर गिरे पोस्टर

3 लोगों की मौत, 23 घायल और सैकड़ों पेड़ उखड़े

राजधानी और आसपास के शहरों में भारी नुकसान, बिजली आपूर्ति भी बाधित

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली में शुक्रवार की रात अचानक आई तेजी आंधी लोगों पर आफत बनकर टूटी। इसकी वजह से राजधानी और आसपास के शहरों में भारी नुकसान हुआ। इस दौरान तीन लोगों की मौत हो गई और 23 लोग घायल हो गए।

सैकड़ों पेड़ भी उखड़ गए। नोएडा के सेक्टर-62 स्थित एलआइसी बिल्डिंग के पास लोहे की शटरिंग गिरने से चार लोग घायल हो गए। देर रात अस्पताल में एक की मौत हो गई। बाकी तीन लोगों की हालत अब भी गंभीर बनी हुई है। मृतक का नाम जय गोविंद झा बताया जा रहा है।

मौसम विभाग ने लोगों को दी सलाह

इसके साथ ही मौसम विभाग ने संभावना जताई है कि फिर आंधी की संभावना जताई है।मौसम कार्यालय के मुताबिक अगले दिन भी आंधी-तूफान के साथ बारिश की आसंका है। अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 39 से 29 डिग्री के बीच रहने की संभावना है। साथ ही मौसम विभाग ने धूल भरी आंधी के मद्देनजर लोगों को घरों के अंदर ही रहने और अनावश्यक यात्रा से परहेज करने की सलाह दी है।

द्वारका मोड़ पर गिरा साइन बोर्ड एंबुलेंस सवार दो लोग घायल

द्वारका मोड़ इलाके में एक बड़ा 'साइन बोर्ड' गिर गया, जिसकी चपेट में आने से एंबुलेंस सवार दो व्यक्ति और एक ऑटो रिक्शा चालक घायल हो गया। घटनास्थल से 'साइन बोर्ड' हटाने के लिए क्रेन का इस्तेमाल किया गया।

खराब मौसम के कारण 9 उड़ानों का मार्ग परिवर्तित करना पड़ा

अधिकारियों ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में तूफान के दौरान बिजली आपूर्ति बाधित होने के संबंध में 202 सूचनाएं मिलीं। एक अधिकारी ने बताया कि खराब मौसम के कारण शुक्रवार देर शाम दिल्ली हवाईअड्डे पर नौ उड़ानों का मार्ग परिवर्तित किया गया।

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

'मदर्स डे' पर विशेष

अपने बच्चे के लिए 'चट्टान' सी खड़ी हो जाती है मां

मां ने बच्चे को पहली बार 'जन्म' दिया, दूसरी बार उसे 'प्राण' दिए

मां एक सुंदर प्यारा अहसास है, जो अपने जीते जी अपने जिगर के टुकड़े पर आंच भी नहीं आने देती और यदि बच्चे पर आंच आ भी जाए तो ईश्वर से भी लड़ जाती, लेकिन कई बार लाइलाज बीमारियां एक मां से उसके जिगर के टुकड़े को छीनने की पूरी कोशिश करती हैं लेकिन चट्टान सी अडिग मां अपने प्राणों की परवाह किए बिना अपने कलेजे के टुकड़े को काल के मुंह से भी बाहर निकाल लाती है। आज 'मदर्स डे' पर हरिभूमि ने तीन मांओं को तलाशा, जिन्होंने अपनी संतान को पहली बार जन्म देकर संसार दिया, लेकिन दूसरी बार उसे प्राण दिए। सीनियर रिपोर्टर मधुरिमा राजपाल की रिपोर्ट।

कहानी 1 [भोपाल की सुनीता मेवाड़े]

हर क्षण ईश्वर से प्रार्थना करती, मेरी कोख को तीसरी बार सूनी न करना

दो बच्चे खत्म हो गए थे, तीसरे बच्चे को अपना लिवर देकर बचाया मां ने

भोपाल। हमारे पहले दो बच्चे हुए थे, जो 5 साल की उम्र के होते-होते खत्म हो गए क्योंकि उनका लीवर पूरी तरह डैमेज था और उन्हें विल्सन डिजीज थी जिसमें लिवर जड़ से ही खराब हो जाता है और 5 साल एक-दो महीने होने पर ही बच्चे की मृत्यु हो जाती है। अपने दो बच्चों को पांच साल दो माह का होते ही खो देने का दुख मेरे लिए ईश्वर के दिए किसी श्राप से कम नहीं था, फिर जब हमारा तीसरा बच्चा देवराज हुआ तो उसके एक माह का होने के बाद हमने चेकअप कराया तो पता चला कि इसे भी वही बीमारी है, जो लाइलाज है, और पांच साल का होते ही देवराज का भी अपने दो भाइयों जैसा हाल होगा, यह क्षण मेरे लिए कितना कष्टदायक था, इसे मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकती। यह कहना है भोपाल की सुनीता मेवाड़े का, जो दो बच्चों को खोने के बाद देवराज को नहीं खोना चाहती थीं।

कहानी 2 [भोपाल की लता पंडागरे]

बेटे प्रियांश से मेरा लिवर मैच कर गया और बच गई उसकी जान

जब बात बच्चे के जीवन की हो तो एक मां ईश्वर से भी 'लड़' जाती है

भोपाल।लता पंडागरे का कहना है कि मेरे पति एक प्राइवेट हॉस्पिटल में इलेक्ट्रीशियन है और मेरे छोटे बेटे प्रियांशु को बचपन से ही नेफ्रोटिक सिंड्रोम था, जिस वजह से हमें पता था कि इसके लिवर में दिक्कत है लेकिन आज से 2 साल पहले तो उसकी हालत काफी खराब हो गई थी, करीब 12 दिन तक मेरा बेटा प्रियांश बेहोश था, डॉक्टर्स ने भी कहा था कि इसका बचना नामुमकिन है। लेकिन कहते हैं न कि जब बात बच्चे के जीवन की हो तो एक मां ईश्वर से भी लड़ जाती है। यही मेरे साथ हुआ मैंने ईश्वर से प्रार्थना कि कहा कि मेरी जान ले ले लेकिन मेरे बच्चे को जीवन दान दे, और बस हर एक हॉस्पिटल में दिखाने के बाद मुझे डॉक्टर गुरुसागर मिले, जिन्होंने हमें बताया कि इस बच्चे को लीवर ट्रांसप्लांट करके बचाया जा सकता है और मेरा लीवर मैच हो गया, बस मैंने कहा कि बिना देर किए आप मेरा लीवर बेटे को ट्रांसप्लांट कीजिए, लेकिन इसमें खर्चा भी लाखों में आया। ऐसे में गुरुसागर ने ही हमें

कहानी 3 [भोपाल की प्रमिला बिलैया]

किडनी या अन्य कोई ऑर्गन तो क्या अपनी जान तक दे सकती हूं

70 साल की बुजुर्ग मां ने बेटे को दे दी किडनी, मेरे लिए उसका जीवन वरदान

भोपाल। 70 वर्षीय प्रमिला बिलैया भी अपने गजब जज्बे की मिसाल हैं। जिन्होंने अपने 48 वर्षीय बेटे जीतेश बिलैया की जान बचाने के लिए उन्हें किडनी ट्रांसप्लांट की। प्रमिला का कहना हैं कि साल 2023 में हमें पता चला कि मेरे बड़े बेटे की दोनों किडनियां डैमेज हैं, ऐसे में मुझे बेहद चिंता हुई क्योंकि मेरे तीनों बेटों में जीतेश सबसे बड़ा है और मेरा लाडला भी है, लेकिन उसकी ऐसी हालत मुझसे देखी नहीं गई।

खबर संक्षेप

यात्रियों से मारपीट करने वाली टोल एजेंसी बैन

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने जोधपुर में यात्रियों के साथ मारपीट और दुर्व्यवहार करने पर टोल संचालन एजेंसी मेसर्स रिद्धि सिद्धि एसोसिएट्स को प्रतिबंधित कर दिया है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने कहा कि आम जनता के साथ टोल (उपयोगकर्ता शुल्क) संचालक और उसके कर्मचारियों पर कार्रवाई की है।

आतंकी संगठन के सह संस्थापक को जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने प्रतिबंधित आतंकी संगठन इंडियन मुजाहिदीन (आईएम) के सह-संस्थापक अब्दुल सुभान कुरैशी को एक एक मामले में जमानत दे दी है। न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत और न्यायमूर्ति मनोज जैन की पीठ ने उसके जेल में पांच साल बिताने पर विचार करते हुए निर्देश दिया कि जमानत की शर्तों पर फैसला निचली अदालत करेगी।

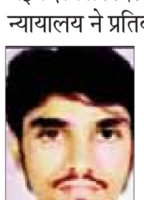

जमीन घोटाले से जुड़े मामले में 3 और गिरफ्तार

रांची। झारखंड में प्रवर्तन निदेशालय ने जमीन घोटाले से जुड़े धन शोधन के मामले में 3 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इस मामले में ईडी पूर्व सीएम हेमंत सोरेन और अन्य लोगों को गिरफ्तार कर चुका है। ईडी का कहना है संजीत कुमार, मोहम्मद इरशाद और तापस घोष को धन शोधन निवारण के प्रावधान के तहत गिरफ्तार किया गया है।

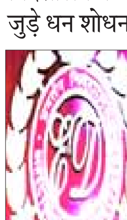

मुख्यमंत्री ने रतलाम, मंदसौर, जावरा, इंदौर तथा देपालपुर विधानसभा के बेटमा में जनसभाएं की

कांग्रेस चुनाव तो भारत में लड़ रही और प्रशंसा पाकिस्तान की करती है

सीएम ने कहा कि कांग्रेस वाले रोज माला जपते हैं कि अब हम योजनाएं बंद कर देंगे, लेकिन योजनाएं बंद नहीं होंगी, कांग्रेस में जरूर ताला लग जाएगा। कांग्रेसियों के अरमान कभी पूरे नहीं होंगे।

हम तो प्रदेश से पटवारी राज खत्म कर रहे हैं, लेकिन कांग्रेस ने एक पटवारी को अध्यक्ष बना दिया

कांग्रेस को हिंदू-मुस्लिम भाइयों की एकता पसंद नहीं आती है, इसलिए हमेशा से आपस में लड़ाते रहे

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि कांग्रेस ने देश को आजादी दिलाने वाले शहीद भगत सिंह, आजाद चंद्रशेखर, सुभाषचंद्र बोस जैसे महान क्रांतिकारियों के बलिदान को भुला दिया, लेकिन एक परिवार को हमेशा याद रखा। कांग्रेस चुनाव तो भारत में लड़ रही है, प्रशंसा पाकिस्तान की करती है, ऐसे गद्दारों को देश और प्रदेश के लोग बर्दाश्त नहीं करेंगे।उन्होंने कहा कि जिसकी जड़ें देश के बाहर दुश्मनों से मिली हों, वह कभी सम्मान का अधिकारी नहीं हो सकता।

ऐसे गद्दारों को देश और प्रदेश के लोग बर्दाश्त नहीं करेंगे

कांग्रेस ने सभी का बलिदान भुला दिया, महज एक परिवार को याद रखा

मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी के बाद जब देश की बागडोर कांग्रेस पार्टी के हाथों में आई तो इन्होंने गांधी परिवार को चुना और तब से लेकर अब तक कांग्रेस को केवल एक ही परिवार याद है। इन्होंने महान क्रांतिकारियों के बलिदान को पूरी तरह से भुला दिया। इनकी विचारधारा ही ऐसी है। हम भाजपा की विचारधारा के लोग हैं। 1984 के चुनाव में जब भाजपा के केवल दो ही नेता जीते थे, और उसके बाद भी उन्होंने पार्टी का दामन नहीं छोड़ा, वे डटे रहे। ये हमारी पार्टी की विचारधारा है और हम सब इसी विचारधारा के कारण भाजपा में हैं।

कांग्रेस लोकतंत्र खत्म करने की बात कहती है

यादव ने कहा कि कांग्रेस और इनके नेता राहुल गांधी कह रहे हैं कि भाजपा यदि सत्ता में आई तो लोकतंत्र को खत्म कर देंगे। उन्हें यह नहीं पता है कि भाजपा पहले से ही सत्ता में है, इस लोकतंत्र को बचाने का काम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया है। उन्होंने देश का मान-सम्मान, देश का लोकतंत्र, देश का जनतंत्र, देश की जनता सबकी रक्षा की है और दुनिया में भारत को सम्मान दिलाया है। जब पाकिस्तान ने भारत के सैनिकों को सोते हुए मारा था तो उसके बाद क्या हुआ पूरी दुनिया ने देखा। पाकिस्तान के घर में घुसकर दो-दो बार उसको सबक सिखाया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कांग्रेस को हिंदु-मुस्लिम भाइयों की एकता पसंद नहीं आती है। 70 सालों तक सभी ने देखा है कांग्रेस लगातार भगवान श्रीराम के मंदिर को उलझाती रही है। हमेशा से हिंदू-मुस्लिम भाइयों में लड़ाई कराके अपनी राजनीति करती रही। पहले तो 70 वर्षों तक श्रीराम मंदिर निर्माण में अड़ंगे लगाए और जब प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में श्रीराम मंदिर निर्माण की राह खुली, सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुनाया तो इसे भी देश के हिंदू, मुसलमान सभी ने स्वीकार किया, लेकिन इस फैसले से कांग्रेस खुश नहीं थी।

शासकीय जमीन पर कब्जे का विवाद

चाचा-भतीजे की कुल्हाड़ी से हत्या, चार की हालत गंभीर

मृतक रंगलाल | मृतक जसवंत

डेढ़ दर्जन अन्य भी घायल देहात के नजीराबाद का मामला

पुलिस की मौजूदगी में हुआ अंतिम संस्कार, गांव में भारी पुलिस बल तैनात

हरिभूमि न्यूज ⏭ नजीराबाद /भोपाल

नजीराबाद थाना क्षेत्र स्थित शुक्ला में शासकीय जमीन पर कब्जे की बात को लेकर शनिवार सुबह दो पक्ष आमने-सामने हो गए। दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर डंडे और कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। कुल्हाड़ी के हमले से चाचा-भतीजे की मौत हो गई, जबकि दोनों पक्षों की ओर से डेढ़ दर्जन लोग घायल हुए हैं। सभी को इलाज के लिए अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

लाठी-डंडे और कुल्हाड़ी से दोनों पक्षों ने किया हमला

कहासुनी थोड़ी ही देर बाद खूनी संघर्ष में बदल गई। विवाद की भनक लगते ही दोनों परिवार के लोग लाठी-डंडे और कुल्हाड़ी लेकर मौके पर पहुंचे और एक-दूसरे पर हमला कर दिया। ग्रामीणों ने घायलों को इलाज के लिए बैरसिया अस्पताल पहुंचाया था। पुलिस जब बैरसिया अस्पताल पहुंची तो वहां पता चला कि हमले में घायल जसवंत सिंह गुर्जर और उसके चाचा रंगलाल की मौत हो चुकी थी। इस हमले में मृतक जसवंत के भाई हरिनारायण उर्फ पप्पू, राजू गुर्जर, बल्लू गुर्जर उर्फ बलराम और रवि गुर्जर के साथ ही कंचन सिंह गुर्जर, दीप गुर्जर, प्रेमनारायण गुर्जर, शिवराज गुर्जर और कंचन पुत्र जगन्नाथ गुर्जर को गंभीर चोट आई है। मृतक जसवंत की चार साल पहले ही शादी हुई थी।

धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप

'किताब' के नाम पर मचा बवाल करीना कपूर को कोर्ट का नोटिस

हरिभूमि न्यूज ⏭ जबलपुर

जबलपुर सिविल लाइन निवासी क्रिस्टोफर एंथोनी ने हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की है। जिसमें उन्होंने 'करीना कपूर प्रेगनेंसी बाइबल' पुस्तक के जरिए ईसाई समाज की धार्मिक भावनाएं आहत करने का आरोप लगाया है। याचिका में करीना पर केस दर्ज करने की मांग की गई है। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की जबलपुर बेंच ने करीना कपूर को एक नोटिस जारी किया है। यह नोटिस करीना कपूर प्रेगनेंसी बाइबल नाम की विवादित पुस्तक को लेकर दिया गया है। करीना कपूर के अलावा जस्टिस जी ए स आहलूवालिया की एकलपीठ ने अदिति शाह भीमजियानी, अमेजान इंडिया, जगरनाट बुक्स और अन्य को भी नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

- बाइबिल ईसाई धर्म का धार्मिक ग्रंथ

चुनाव में फतवे की होड़

राज ठाकरे ने फतवा जारी कर वोटरों से मांगा 'वोट'

एजेंसी ⏭ मुंबई

लोकसभा चुनाव के मद्देनजर चौथे चरण के लिए अब 13 मई को मतदान किया जाना है। इस बीच देश में वोट जिहाद शब्द खूब सुनने को मिल रहा है। अलग-अलग राजनीतिक दलों के नेताओं द्वारा इस शब्द का प्रयोग किया जा रहा है। अब वोट जिहाद के खिलाफ महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे ने आक्रामक रुख अपना लिया है। राज ठाकरे ने फतवा निकाला है। उन्होंने फतवा निकालते हुए हिंदू समाज के लोगों से अपील की कि भाजपा, शिवसेना शिंदे गुट और अजित पवार गुट के एनसीपी को जमकर मतदान करें। बता दें कि राज ठाकरे पुणे से भाजपा उम्मीदवार मुरलीधर मोहोल के लिए चुनाव प्रचार करने पहुंचे थे।

कल मध्य प्रदेश की 8 लोकसभा सीटों पर होगा मतदान

प्रदेश में चौथे व अंतिम चरण के मतदान के लिए चुनाव प्रचार थमा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मप्र में बाकी बचे आठ लोकसभा क्षेत्रों देवास (अजा), उज्जैन (अजा), मंदसौर, रतलाम (अजजा), धार (अजजा), इंदौर, खरगौन (अजजा) एवं खंडवा में 13 मई को होने वाले मतदान के लिए चुनाव प्रचार 48 घंटे पहले आज शनिवार को शाम 6 बजे से थम गया। इन सभी लोकसभा क्षेत्रों में मतदान दल रविवार को रवाना होंगे। शांतिपूर्ण मतदान के लिए चुनाव आयोग ने सभी तरह के इंतजाम किए हैं। भारी संख्या में सुरक्षा बलों की तैनाती की जा रही है।प्रदेश में चार में से तीन चरणों में 21 लोकसभा क्षेत्रों में मतदान हो चुके हैं। बाकी बचे 8 लोकसभा क्षेत्रों में 13 मई को सुबह 7 बजे से मतदान शुरू होगा। चुनाव आयोग के सामने वोटिंग प्रतिशत बढ़ाने की बड़ी चुनौती चौथे चरण में भी है। तीसरे चरण में बमुश्किल 2019 के मतदान के लगभग मतदान हुआ था। आयोग की कोशिश है कि अब तक हुए तीन चरणों के मतदान से अधिक मतदान चौथे चरण में हो। इसके लिए जिला निर्वाचन अधिकारियों को विशेष तौर पर निर्देश जारी किए हैं। उनसे कहा गया है कि हर हाल में सभी तरह के इंतजाम कराए, ताकि रिकार्ड वोटिंग हो सके। इस चरण में कई लोकसभा क्षेत्र ऐसे हैं, जो जनजातीय बाहुल्य हैं।

मां को मारी गोली पत्नी की हथौड़े से ली जान

युवक नशे का आदी परिवार वाले उसे नशा मुक्त केंद्र ले जाना चाहते थे

तीन बच्चों को छत से फेंका 5 कत्ल कर खुद ने दी जान

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

सीतापुर के मथुरा थाना क्षेत्र के पल्हापुर गांव में अनुराग सिंह (45) ने रात ढाई से तीन बजे के करीब सबसे पहले अपनी मां सावित्री (62) को गोली मारी, इसके बाद पत्नी प्रियंका सिंह (40) की गोली मारी। इसके अलावा पत्नी के सिर पर हथौड़े से वार किया, ताकि वो जिंदा न बचे। पत्नी के पास हथौड़ा पड़ा भी मिला है। इसके बाद बेटी अस्वी (12), अर्ना (8) और पुत्र आद्विक(4) को छत से नीचे फेंक दिया। फिर अनुराग ने खुद को गोली मार ली। मृतक अनुराग सिंह के भाई अजीत सिंह ने खुद को कमरे में बंद कर जान बचाई।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और सांसद विष्णु दत्त शर्मा से हरिभूमि व आईएनएच न्यूज चैनल के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी का 'चुनावी संवाद'

कांग्रेस 'तुष्टिकरण' की राजनीति कर रही, मुसलमानों को ओबीसी में शामिल कर अन्य वर्गों के हक मार रही

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और सासंद विष्णु दत्त शर्मा का कहना है कि पीएम नरेंद्र मोदी के नाम की सुनामी पूरे देश में, वे निश्चित तीसरी बार भी पीएम बनेंगे। छिंदवाड़ा में कमल खिलाकर सभी 29 सीटों पर भाजपा का परचम लहराएगा।

inh न्यूज विशेष

यह भी बोले वीडी

- *पीएम नरेंद्र मोदी के नाम की सुनामी पूरे देश में, वे निश्चित तीसरी बार भी पीएम बनेंगे*
- *छिंदवाड़ा में कमल खिलाकर सभी 29 सीटों पर भाजपा का परचम लहराएगा*

प्रश्न: इस बार के चुनाव में एनडीए की 400, भाजपा की 370 और मध्यप्रदेश में 29 सीटें जीतने की यह कैसी सुनामी है?

उत्तर: इस बार के चुनाव में देश में पीएम मोदी के नाम पर सुनामी है। देश ने तय कर लिया है कि पीएम मोदी को तीसरी बार पीएम बनाना है इसलिए देश के अंदर 400 पार का नारा, 370 सीटें भाजपा के जीतने का नारा और मध्य प्रदेश की सभी 29 सीटें इस बार जीतेंगी यह संकल्प के साथ हम चुनाव में उतरे हैं। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं इस बार छिंदवाड़ा को जीतकर 29 की 29 सीटें जीतकर इस बार भाजपा सर्वाधिक वोट शेयर लेकर आएगी।

प्रश्न: जब नामांकन शुरू किया था तबके और अब जिन हालात में हैं, क्या अंतर है?

उत्तर: अंतर इतना है कि आज के समय में कांग्रेस का नेतृत्व, कांग्रेस का कार्यकर्ता इतनी घोर निराशा में है कि वोट डालना भी उसने उचित नहीं समझा। देश-प्रदेश में मतदान में कमी का यही सबसे बड़ा कारण रहा कि कांग्रेस का कार्यकर्ता वोट डालने नहीं गया।

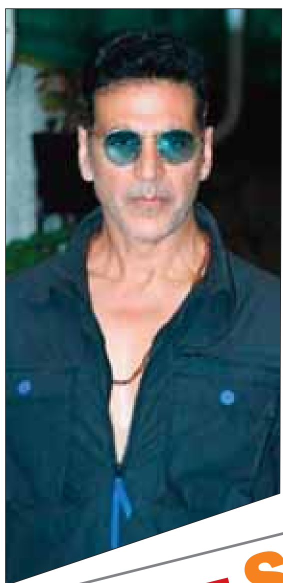

'द एंटरटेनर्स टूर' की हो चुकी है तैयारी, अक्षय करेंगे मेजबानी

मुंबई। बॉलीवुड स्टार अक्षय कुमार 'द एंटरटेनर्स टूर' की मेजबानी करेंगे, जो इस साल ऑस्ट्रेलिया में आयोजित होगा और इसमें शोबिज की दुनिया की कई अन्य हस्तियां शामिल होंगी। पिछला सीजन 2023 में उत्तरी अमेरिका में हुआ था। इस साल यह अगस्त 2024 में ऑस्ट्रेलिया में आयोजित किया जाएगा। वर्ल्ड टूर का दूसरा सीजन मेलबर्न और सिडनी में होगा। अक्षय के साथ नोरा फतेही, दिशा पटानी, सुनील ग्रोवर, एलनाज नोरौजी, सोनम बाजवा और स्टेबिन बेन जैसी हस्तियां शामिल होंगी। वर्कफ्रंट की बात करें तो अक्षय की हाल ही में टाइगर श्रॉफ के साथ 'बड़े मियां छोटे मियां' रिलीज हुई थी, जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया। वह जल्द ही 'सरफिरा', 'जॉली एलएलबी 3', 'हाउसफुल 5' और 'वेलकम टू द जंगल' में नजर आएंगे।

लाइफ Style

करीना
कानूनी पचड़े में फंसी

जानकारी के मुताबिक, बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर खान की मुश्किलें बढ़ सकती है। हाईकोर्ट ने करीना को नोटिस जारी किया है। उनकी किताब के टाइटल को लेकर आरोप लगाए गए हैं कि एक्ट्रेस ने किताब के नाम में 'बाइबल' शब्द का इस्तेमाल कर ईसाई समाज की धार्मिक भावनाओं को आहत किया है।

एजेंसी ⏭ मुंबई

एक्ट्रेस ने जुलाई 2021 में अपनी किताब 'करीना कपूर खान्स प्रेग्नेंसी बाइबल' को लॉन्च किया था। अब इस किताब के नाम को लेकर वो कानूनी पचड़े में फंस गई हैं। एक वकील ने किताब के टाइटल में 'बाइबल' शब्द का इस्तेमाल करने पर आपत्ति जताई और एक्ट्रेस के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। ऐसे में करीना को कोर्ट से नोटिस भेजा गया है। जबलपुर सिविल लाइन निवासी क्रिस्टोफर एंथोनी ने हाईकोर्ट में करीना कपूर खान के खिलाफ मामला दायर कर उनपर आपराधिक मुकदमा दर्ज कराने की मांग की है।

क्रिस्टोफर एंथोनी ने अपनी याचिका में आरोप लगाया है कि करीना कपूर खान ने सस्ती लोकप्रियता हासिल करने की मंशा से किताब को लिखा है। किताब के कवर पर 'बाइबल' शब्द का इस्तेमाल आपत्तिजनक है। एंथोनी की याचिका के बाद जस्टिस गुरपाल सिंह अहलूवालिया की सिंगल-जज बेंच ने करीना कपूर खान को नोटिस भेज दिया है। याचिका में किताब एंथोनी ने इस किताब पर बैन लगाने की मांग भी की है। ऐसे में कोर्ट ने किताब बेचने वाले सेलर्स को भी नोटिस भेजा गया है। बताया जा रहा है कि 1 जुलाई को मामले की अगली सुनवाई होना संभावित है।

हॉलीवुड मसाला

मोहम्मद रसूलोफ को लगा तगड़ा झटका

लॉस एंजिलिस। असंतुष्ट ईरानी निर्देशक मोहम्मद रसूलोफ को ईरानी अदालत ने आठ साल की जेल की सजा के साथ-साथ जुर्माना, उनकी संपत्ति जब्त करने और कोड़े मारने की सजा सुनाई है। रसूलोफ के वकील बाबाक पकनिया ने एक पोस्ट में इसकी जानकारी दी। पकनिया ने कहा कि फैसला इस्लामिक रिवोल्यूशन कोर्ट की 29वीं शाखा द्वारा जारी किया गया था और आइना कोर्ट ऑफ अपील्स की 36वीं शाखा में इसकी पुष्टि की गई थी। कनिया के अनुसार, अदालत ने पाया कि रसूलोफ के सार्वजनिक बयान, साथ ही उनकी फिल्में और वृत्तचित्र देश की सुरक्षा के खिलाफ अपराध करने के इरादे से मिलीभगत के उदाहरण थे।

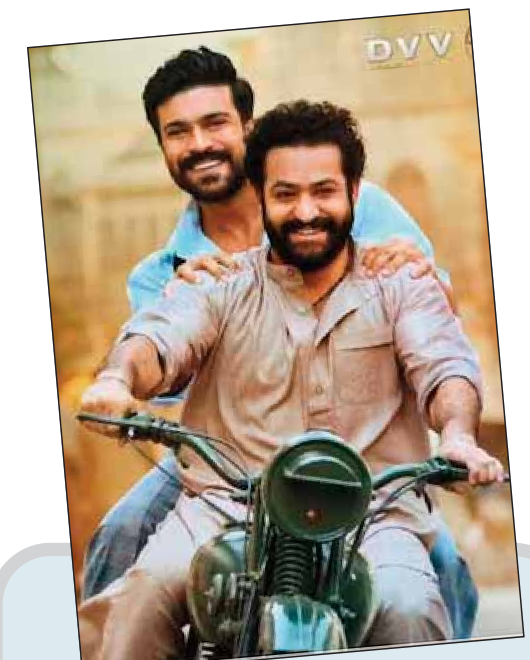

एकेडमी म्यूजियम मनाएगा भारतीय सिनेमा के संगीत का जश्न

लांस एंजिलिस। एकेडमी म्यूजियम ऑफ मोशन पिक्चर्स भारतीय सिनेमा और उसके संगीत की जीवंत दुनिया का जश्न मनाने के लिए पूरी तरह तैयार है। इसके लिए तीन भारतीय फिल्मों 'आरआरआर' (2022), 'स्लमडॉग मिलेनियर' (2008), और 'लगान' (2001) को चुना गया है। कला, विज्ञान और फिल्म निर्माण के कलाकारों को समर्पित एकेडमी म्यूजियम ऑफ मोशन पिक्चर्स भारतीय सिनेमा और उसके संगीत की जीवंत दुनिया का जश्न मनाने के लिए पूरी तरह तैयार है। एकेडमी म्यूजियम ने अपने नवीनतम इंस्टाग्राम पोस्ट में, 'आरआरआर' (2022), 'स्लमडॉग मिलेनियर' (2008), और 'लगान' (2001) की संगीत महारत का जश्न मनाने वाले एक कार्यक्रम की घोषणा की। इस एलान ने संगीत प्रेमियों के उत्साह को काफी ज्यादा बढ़ा दिया है।

7 घंटे तक एक ही जगह बैठी रहीं एक्ट्रेस

नई दिल्ली। मनीषा कोराइला ने अपने करियर की शुरुआत साल 1991 में आई फिल्म 'सौदागर' से की थी। करियर की पहली ही फिल्म में उन्होंने अपने टैलेंट और अपनी खूबसूरती से लोगों का दिल जीत लिया था। इन दिनों वह भंसाली की सीरीज हीरामंडी में मल्लिका जान की भूमिका में नजर आ रही हैं। इस रोल के लिए एक्ट्रेस ने जी तोड़ मेहनत की है।उन्होंने बताया कि सीरीज के एक सीन के लिए जिसमें उन्होंने हाथों में मेहंदी लगाई हुई है। इस एक सीन के लिए वह सात घंटे तक एक ही जगह बिना हिले बैठी रही थी। क्योंकि वह इस सीन परफेक्ट करना चाहती थीं और उस किरदार के बारे में जानना चाहती थीं और उसे समझना चाहती थी। मनीषा ने कहा कि इस फिल्म की शूटिंग के दौरान तो मैं समझ ही नहीं पा रही थीं कि क्या मैं इतने घंटे तक काम कर पाऊंगी।

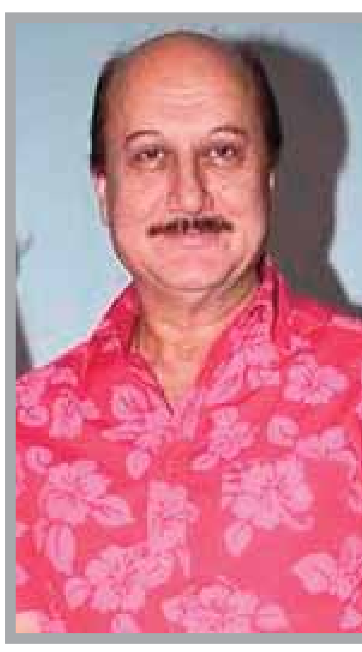

मन से ऐसे निकला गरीबी का डर

नई दिल्ली। अनुपम खेर ने बताया कि वह गरीब परिवार से थे। छोटे से कमरे में 14 लोग रहते थे। उस वक्त उनके दादाजी ने गरीबी के बारे में कुछ ऐसा बताया कि अनुपम के मन से सारे डर दूर हो गए। अनुपम खेर को इस इंडस्ट्री में 40 साल हो गए हैं। फिल्मों में अपनी जगह बनाने के लिए उन्होंने काफी संघर्ष किया। वह एक साधारण और सीमित आय वाले परिवार से थे। एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने बताया कि जब वह गरीबी के दिन गुजार रहे थे तो उनके दादाजी ने क्या सीख दी थी। अनुपम खेर उसे आज भी नहीं भूले हैं। अनुपम खेर ने एक बातचीत में जिंदगी के कई उतार-चढ़ावों पर बात की। उन्होंने बताया कि अपने मन से गरीबी का डर कैसे दूर निकाला। अनुपम खेर बोले, मेरे दादाजी पंडित अमरनाथजी ने मेरे जहन से गरीबी का डर निकाल दिया था। छोटे से कमरे में हम 14 लोग रहते थे।

टीवी मसाला

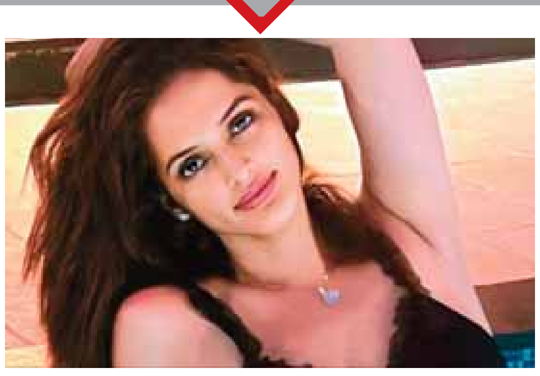

टीवी एक्ट्रेस का प्राइवेट वीडियो लीक

नई दिल्ली। सोशल मीडिया के दौर में आए दिन सेलेब्स की प्राइवेट पिक्चर्स और फोटोज लीक होती रहती हैं, जो कि एक गंभीर मुद्दा है। वहीं, अब कन्नड़ इंडस्ट्री की जानी-मानी एक्ट्रेस ज्योति रॉय को लेकर भी ऐसी खबर सामने आ रही है। इंटरनेट पर साउथ एक्ट्रेस का इंटीमेट वीडियो वायरल हो गया है, जिससे उनके फैन्स काफी गुस्से में हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, एक यूजर्स द्वारा एक्ट्रेस के कई वीडियोज और प्राइवेट फोटोज सोशल मीडिया पर वायरल की गईं। इसके बाद अनजान शख्स ने एक्ट्रेस से ये भी कहा कि वो उनका वीडियो यूट्यूब पर अपलोड कर देगा। एक पॉपुलर और सम्मानित एक्ट्रेस के साथ ऐसा होता देख कर उनके फैन्स काफी अपसेट नजर आ रहे हैं। फैन्स ने उन लोगों के खिलाफ एक्शन की मांग की है, जिन्होंने एक्ट्रेस की प्राइवेसी भंग करने की कोशिश की है। कुछ लोगों सोशल मीडिया पर बेंगलुरू पुलिस को टैग करते हुए जल्द से जल्द केस की जांच की मांग कर रहे हैं। ज्योति रॉय कन्नड़ इंडस्ट्री का पॉपुलर नाम हैं। एक्ट्रेस ने करियर की शुरुआत फिल्मों से की थी, लेकिन फिर कुछ समय बाद उन्होंने टीवी इंडस्ट्री की ओर कदम बढ़ाया। अब तक के एक्टिंग करियर में वो 20 से ज्यादा शोज में काम कर चुकी हैं। उन्हें अपने फेमस कैरेक्टर बंदे बारतवा काला के लिये जाना जाता है। इसके अलावा उन्होंने सीतारामा कल्याणा, गंधादा गुड़ी, 99 और दीया वर्णपतला जैसी फिल्मों में भी काम किया है।

छोटे पर्दे पर वापसी को तैयार हैं राज अनादकट

नई दिल्ली। तारक मेहता का उल्टा चश्मा में टप्पू के किरदार से घर-घर में मशहूर हुए अभिनेता राज अनादकट बीते दो साल से छोटे पर्दे से दूर चल रहे थे। हालांकि, अब उन्होंने फैंस को खुशखबरी देते हुए बताया है

कि वे जल्द ही टीवी की दुनिया में वापसी करने जा रहे हैं। अभिनेता ने हाल ही में अपने एक यूट्यूब व्लॉग में खुलासा किया कि वे जल्द ही एक नए शो में नजर आन वाले हैं। इसमें उनके साथ सना अमीन शेख भी दिखेंगी। हाल ही में एक बातचीत में उन्होंने आगामी गुजराती शो के लिए पर बात करते हुए बताया कि इस शो में वे मुख्य किरदार निभाने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे इस शो के लिए उत्साहित होने के साथ ही थोड़ा घबराए हुए भी हैं। उन्होंने जानकारी दी है कि वे आगामी शो के सेट पर भी गए थे और जल्द ही अपने व्लॉग पर इसकी एक झलक साझा करेंगे। उन्होंने लोगों से वैसा ही समर्थन देने की अपील की जैसा उन्हें टप्पू के रोल में मिला था।

क्रांति फिल्म ने तोड़ दिया था शोले का रिकॉर्ड

फिल्म बनाने के लिए बेच दिया था घर और जमीन

नई दिल्ली। कई सालों से जब भी किसी देशभक्ति फिल्म का नाम लिया जाता है तो सबसे पहले जिस एक्टर का नाम आता है वो हैं मनोज कुमार। मनोज कुमार ने शहीद, पूरब और पश्चिम जैसी कई शानदार फिल्में दी हैं। आज भी स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस पर मनोज कुमार की पूरब और पश्चिम किसी ना किसी चैनल पर आती हुई आपको दिख जाएगी। लोग उसे आज भी बहुत ही खुशी से देखते हैं। मनोज ने भारत में अपनी इमेज भारत कुमार के नाम से बना ली थी। लेकिन मनोज कुमार की सबसे करीबी प्रोजेक्ट 1981 में आया, जब उन्होंने क्रांति एक पीरियड एक्शन ड्रामा बनाना शुरू की। ये फिल्म तो हिट रही थी, लेकिन इसे बनाने के लिए उनका घर और जमीन सब बिक गई थी।

क्रांति को मनोज कुमार ने डायरेक्ट किया था। इस फिल्म का बजट बहुत ज्यादा था। ये फिल्म करीब 3 करोड़ में बनकर तैयार हुई थी। उस समय के हिसाब से 3 करोड़ की रकम बहुत ज्यादा है। जब इस फिल्म की शूटिंग शुरू हुई तो फाइनेंसर और प्रोड्यूसर्स पीछे हट गए थे, जिसके बाद मनोज कुमार के पास कोई ऑप्शन नहीं बचा था। उन्हें खुद फिल्म को प्रोड्यूस करना पड़ा था।

मनोज कुमार फिल्म के लिए पैसा अरेंज करने में बहुत परेशान हो गए थे। उन्होंने फिल्म के लिए अपना दिल्ली वाला बंगला बेच दिया था। जब उस पैसे से भी काम नहीं बना तो मुंबई में अपने प्लॉट को भी बेच दिया था। रिपोर्ट्स की माने तो मनोज कुमार ने रिटायरमेंट के बाद मूवी थिएटर बनाने का प्लान किया था, लेकिन क्रांति के लिए उन्होंने अपना सपना छोड़ दिया था। इस फिल्म में खुद मनोज कुमार, दिलीप कुमार, शशि कपूर, शत्रुघ्न सिन्हा, हेमा मालिनी और परवीन बाबी अहम किरदार निभाते नजर आए थे. ये फिल्म फरवरी 1981 में रिलीज हुई थी। क्रांति फिल्म रिलीज होने से पहले सेंसेशन बनी हुई थी। इस फिल्म से दिलीप कुमार पांच साल बाद वापसी कर रहे थे। इस फिल्म की शानदार ओपनिंग हुई थी और सक्सेसफुल हुई थी। क्रांति ने इंडिया में 10 करोड़ और वर्ल्डवाइड 16 करोड़ का कलेक्शन किया था। क्रांति ने शोले का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया था।

क्रिकेटर की पत्नी बनीं और छोड़ी इंडस्ट्री, चौपट हुआ एक्टिंग करियर

मुंबई। पर्दे पर 'प्रीति सभरवाल' बन लोगों के दिलों पर छा जाने वालीं एक्ट्रेस सागरिका घाटगे अब क्रिकेटर जहीर खान के दिल पर राज कर रही हैं। क्रिकेटर की पत्नी बनने के बाद उन्होंने इंडस्ट्री को अलविदा कह दिया। कहा गया गैरधर्म में शादी की वजह से उनका करियर चौपट हो गया है। एक्ट्रेस ने इस मामले पर अब सालों बाद चुप्पी तोड़ी है बॉलीवुड और क्रिकेट इंडस्ट्री का नाता नया नहीं है। बॉलीवुड की कई एक्ट्रेसेस हैं, जिन्होंने क्रिकेटर्स में अपने प्यार की तलाश की और उन्हें अपना हमसफर भी चुना। गीता बसरा, अनुष्का शर्मा, अथिया शेट्टी, हेजल कीच सहित कई एक्ट्रेसेज हैं, जिन्होंने किसी एक्टर से नहीं, बल्कि क्रिकेटर से शादी रचाई है। लेकिन 38 साल की सागरिका घाटगे ने अपनी पहली फिल्म को करने के बाद ही इंडस्ट्री से विदा ले लिया था। साल 2017 में सागरिका घाटगे ने क्रिकेटर जहीर खान से शादी की थी और शादी के बाद उन्होंने फिल्मी दुनिया से दूरी बना ली। 2020 के बाद वह किसी प्रोजेक्ट्स में नजर नहीं आई हैं। तब दावा ये किया गया कि उन्होंने पति की वजह से ये दूरी बनाई है। शादी के 7 साल बाद उन्होंने इन मामले बात की। उन्होंने कहा, मुझे मेरे पति ने काम के लिए कभी नहीं रोका। ये पूरी तरह से गलत बात है। वह बहुत सपोर्टिव हैं। मैं जो भी करती हूं उसमें वो मेरा हमेशा बेस्ट चाहते हैं। सच तो ये है कि वो मेरे सबसे बड़े चीयरलीडर हैं। उन्होंने कहा कि शादी के वजह से नहीं, बल्कि सच्चाई ये है कि उन्होंने काम के लिए मुझे हमेशा मोटिवेट किया है।

अब संभाल रही हैं बिजनेस

जहीर खान की खूबियां गिनाते हुए उन्होंने कहा कि वह ऐसे इंसान हैं, जो निगेटिव विचारों को बदल देते हैं। उन्होंने कहा कि वह फिल्मों को भले छोड़ चुकी हों, लेकिन काम करना उन्होंने नहीं छोड़ा है। उन्होंने बताया कि वह अब अपना बिजनेस संभाल रही हैं।

बॉलीवुड में साउथ की इन ब्लॉकबस्टर फिल्मों के बन सकते हैं रीमेक

अक्षय कुमार- अजय देवगन जैसे स्टार दिखा सकते हैं कमाल

मुंबई। पिछले कुछ समय में बॉलीवुड में कई साउथ इंडियन फिल्मों के रीमेक ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाया है। दमदार कंटेट, नया फिल्म निर्माण और यादगार किरदारों से शुरू होकर, दक्षिण सिनेमा एक खजाना रहा है। पिछले कुछ सालों में साउथ की कई फिल्मों ने पूरे भारत और उसके बाहर के दर्शकों का ध्यान खींचा है, और फिल्म इंडस्ट्री पर अमिट छाप छोड़ी है। वैसे भी बॉलीवुड की ख्वाहिश हमेशा ही साउथ सिनेमा की फिल्मों को हिंदी बनाने में होती है। बहरहाल, यहां हम उन्हीं फिल्मों के बारे में बात कर रहे हैं जिनके बॉलीवुड में रीमेक बन सकते हैं। यहां उन साउथ इंडियन फिल्मों की क्यूरेटेड लिस्ट है।

जेलर

तमिल ड्रामा में रजनीकांत एक कठोर लेकिन दयालु जेलर की मुख्य भूमिका में हैं, जो एक गिरोह को रोकने के लिए निकलते हैं जब वे अपने नेता से भागने की कोशिश करते हैं। अगर इस ब्लॉकबस्टर ड्रामा को बॉलीवुड में दोबारा बनाया जाए तो यह सस्पेंस और थ्रिलर के तत्वों के साथ एक सीरियस क्राइम ड्रामा हो सकता है। हालांकि, दिलचस्प बात यह है कि संजय दत्त को रजनीकांत की जगह पर कदम रखते हुए देखा जाएगा जबकि सिद्धांत चतुर्वेदी उनके बेटे की भूमिका निभा सकते हैं। फिल्म की कहानी एक सख्त और सिद्धांतवादी जेलर के जीवन के इर्द-गिर्द घूम सकती है जो खुद को जेल सिस्टम के भीतर भ्रष्टाचार, सत्ता संघर्ष और नैतिक दुविधाओं के जटिल जाल में उलझा हुआ पाता है।

लियो

लोकेश कनगराज द्वारा निर्देशित 'लियो' को लोकेश सिनेमैटिक यूनिवर्स कहा जाता है, जिसमें थलपति विजय, तृषा कृष्णन और अर्जुन सरजा मुख्य भूमिकाओं में हैं। अब अगर फिल्म को बॉलीवुड में जगह मिल गई तो क्या होगा? कहानी में अपनी गहराई और आयाम जोड़ते हुए, विजय के रूप में मुख्य भूमिका के लिए अक्षय कुमार, तृषा के रूप में करीना कपूर और अर्जुन सरजा के रूप में जावेद जाफरी सही ऑप्शन हो सकते हैं।

पुष्पा

अल्लू अर्जुन की मुख्य भूमिका वाली यह फिल्म सिर्फ दक्षिण में ही लोकप्रिय नहीं है। यदि 'पुष्पा' को बॉलीवुड में दोबारा बनाया जाता है, तो किसी भी स्टार के बारे में अनुमान लगाने से बच नहीं सकता है जो उनके किरदार के साथ न्याय कर सके। रणवीर सिंह एक ऐसे अभिनेता हैं जो किरदार में अपना अलग स्वभाव ला सकते हैं। रश्मिका मंदाना का किरदार कियारा आडवाणी पर सूट करेगा।

कंतारा

ऋषभ शेट्टी की ये फिल्म दक्षिण कन्नड़ के काल्पनिक गांव पर आधारित एक कहानी है जो मनुष्य और प्रकृति के बीच वैचारिक संघर्ष को दर्शाती है। फिल्म में देश की परंपरा और संस्कृति में अहंकार की लड़ाई घूमती रहती है। 'कंतारा' के बॉलीवुड रीमेक को लेकर चर्चा जारी है, ऐसे में फिल्म की कास्टिंग के बारे में जानना दिलचस्प होगा। अजय देवगन, जिन्होंने पहले 'दृश्यम' और 'सिंघम' जैसी विभिन्न दक्षिण सिनेमा रीमेक में मुख्य भूमिका निभाई है, 'कांतारा' में भी लीड अभिनेता के रूप में एक अच्छे विकल्प होंगे।

- एसी में बैठकर किसानों के लिए योजना बनाने वाले क्या जाने किसान का दर्द
- उपार्जन केन्द्रों में खरीद को लेकर बोले अन्नदाता

हम किसान हैं कोई व्यापारी नहीं जो साफ करके गेहूं लाएं...

संजय साहू

हरिभूमि जबलपुर। हम किसान हैं साहब कोई व्यापारी नहीं जो सरकार हमसे कह रही है कि गेहूं साफ करके लेकर आओ, अब गेंहू जैंसा खेत में पैदा होता है वैसा ही हम उपार्जन केन्द्र में लेकर आ रहे हैं, उसमें मिट्टी है या कचरा, हमें नहीं मालूम हम तो सिर्फ ये जानते हैं कि हमने मेहनत करके ये अन्न उगाया है। सरकार नहीं ले रही है तो हम बाजार में जो कीमत मिल रही है उससे गुजारा कर रहे हैं। यह कहना है उन किसानों का जो कृषि उपज मंडी में अपनी गेहूं की फसल लेकर आये हैं। किसानों का कहना है कि एसी में बैठकर किसानों के लिए नियम बनाने वाले क्या जाने की फसल कैसे उपजाई जाती है।

उल्लेखनीय है कि मप्र में किसानों की उपार्जित फसल गेहूं को केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा खरीदा जा रहा है। पिछले साल की तुलना में इस बार खरीदी आधी भी नहीं हो पाई है। इसका कारण शासन के नियम हैं, जिन्हें किसान नहीं मान रहा हैं। किसानों का कहना है कि जैसा अनाज खेत में उग रहा है वैसा ही हम उपार्जन केन्द्र में लेकर पहुंच रहे हैं परंतु वहां पर हमसे कहा जा रहा है कि गेहूं को साफ करके लेकर आओ छन्ना लगाओ तभी हम खरीदगें। अब हम व्यापारी तो हैं नहीं किसान हैं जो खेत में अन्न उगाता है, और खेत में मिट्टी भी होती है।

56 हजार का पंजीयन पहुंचे 16 हजार

गौरतलब है कि जिले में गेहूं के लिए 56 हजार किसानों द्वारा पंजीयन कराया गया था लेकिन खरीदी केंद्रों में मात्र 16 हजार किसान ही पहुंचे हैं। जबकि हर वर्ष 45-46 हजार किसान उपार्जन केन्द्रों में पहुंचकर अपनी उपज बेचते थे। इस बार गेहूं का रकबा बढ़ने के बाद भी यह हालात जिला प्रशासन की हठधर्मिता को प्रदर्शित कर रहे हैं।

1 अप्रैल से 20 जून तक होना है खरीदी

दरअसल शासन द्वारा 1 अप्रैल से गेहूं की खरीद की जा रही है। जिले में 128 खरीदी केन्द्र बनाये गये हैं। खरीदी केन्द्रों में इस बार गेहूं को उड़ाने के लिए पंखा एवं छानने के लिए छन्ना लगाया है। जिस पर किसानों में आक्रोश स्पष्ट नजर आ रहा है। किसान खुले बाजार में तो 2 सौ रूपये कम में गेहूं तो बेच रहे हैं परंतु खरीद केन्द्र नहीं जा रहे हैं। किसानों का कहना है कि हम किसान हैं न कि व्यापारी जो छन्ना लगाकर अपनी उपज बेचे अगर छन्ना ही लगाना है तो हम खरीदी केन्द्र क्यों जाए। इससे अच्छा है कि हमारी जैसी फसल है उसी को खुले बाजार में बेच दें।

प्रति क्विंटल 100-200 रूपये का घाटा

मंडी में गेहूं बेचने पर किसानों को 100 से 200 रूपये प्रति क्विंटल का घाटा हो रहा है। इसके बाद भी किसान उपार्जन केन्द्र नहीं जा रहे हैं। इसका सबसे बड़ा कारण जो सामने वह यही है कि किसान अपनी फसल जैसी है उसे वैसे ही हालात में बेचना चाहता है। सरकारी नियम कुछ भी कहें परंतु किसान के लिए एक -एक अन्न का दाना कीमती होता है, फिर वह छोटा हो या न हो उसकी चमक फीकी पड़ गई हो या उसमें खेत की मिट्टी ही क्यों न हो।

तर्कविहीन तर्क देते अधिकारी

पिछले साल जिले में लगभग 3 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीदी हुई थी, उसके बाद भी अनेक किसान अपनी उपज नहीं बेच पाने से दुखी थे। परंतु इस बार यह आंकड़ा घटकर 1 लाख 40 हजार मीट्रिक टन तक ही पहुंच पायेगा। हालांकि इस पर अधिकारी तर्कविहीन तर्क देते नजर आ रहे हैं। उनका कहना है कि खुले बाजार में किसानों को अच्छे दाम मिल रहे हैं इसलिए किसान इस बार अपनी उपज उपार्जन केंद्रों तक नहीं ला रहे हैं। उनके इस तर्क विहीन तर्क की बानगी मंडी में नजर आ रही है जहां किसान सुबह से आता है और शाम तक भूखा प्यासा रहकर अपनी फसल बेचकर जाता है वह भी कम दामों में।

फैक्ट फाइल

- 1 अप्रैल से शुरू हुई खरीदी 20 जून तक चलना है
- पिछले साल 3 लाख मीट्रिक टन हुई थी खरीदी
- इस बार अभी तक 1 लाख 24 हजार मीट्रिक टन ही हो पाई खरीदी
- 56 हजार किसानों ने कराया था पंजीयन 16 हजार किसान पहुंचे खरीदी केन्द्रों मे

किसानों को अच्छे दाम मिल रहे हैं

ये बात सही है कि पिछले साल की अपेक्षा इस साल गेहूं की कम खरीद हुई है, अभी तक 1 लाख 24 हजार मीट्रिक टन की खरीद ही हो पाई है, हमें उम्मीद है कि हम 2 लाख के आसपास खरीद कर लेगें। जहां तक कम खरीदी का सवाल है तो किसानों को मंडी में अच्छे दाम मिल रहे हैं। इसलिए किसान उपार्जन केन्द्रों में नहीं आ रहा है।

अर्पित तिवारी
विपणन अधिकारी जबलपुर

कई परिवार टूटने से बचे, दुर्घटनाग्रस्तों को मिली इलाज की सहायता

- राष्ट्रीय लोक अदालत : सहज-सुलभ व त्वरित न्यायदान मिला
- जिला न्यायालय में 4631 प्रकरण निराकृत, 39 करोड़ से अधिक का मुआवजा वितरित

जबलपुर। कई परिवारों में पति-पत्नी के बीच छोटी-छोटी बातों को लेकर विवाद थे। ये मामले राष्ट्रीय लोक अदालत में परस्पर समझाइश से कुछ ही पल में निराकृत हो गए। इस तरह दंपति खुशी-खुशी घरों की ओर से लौटे। सुनीता-राजेश, मनीष-विमला, उर्मिला-संतोष इन्हीं में शामिल थे। इसी तरह लोकमन का परिवार दुर्घटना में घायल होने के बाद इलाज के लिए समुचित धनराशि न मिलने को लेकर हलकान था। राष्ट्रीय लोक अदालत में समझाइश का यह नतीजा निकला कि लोकमन की भांति अन्य कई परिवारों की समस्या हल हो गई। बीमा कंपनियां बढ़ी हुई दावा राशि के भुगतान के लिए तैयार हो गईं। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के अध्यक्ष प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश आलोक अवस्थी के मार्ग दर्शन में जिला न्यायालय जबलपुर व सिहोरा व पाटन सहित कुटुम्ब न्यायालय में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन हुआ। इसके तहत 4631 प्रकरणों का आपसी सामंजस्य से पटाक्षेप हो गया। इस प्रक्रिया में 39 करोड़, 58 लाख, 58 हजार 438 रुपये की का मुआवजा वितरित हुआ। प्रकरणों के निराकरण के लिए 78 खंडपीठों का गठन किया गया था। जिसमें न्यायालयों में लंबित 1520 प्रकरणों व 3111 प्रीलिटिगेशन के प्रकरणों का निराकरण किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत में आपराधिक शमनीय प्रकृति के 255 प्रकरण, धारा-138 एनआई एक्ट के 136 प्रकरण, मोटर दुर्घटना क्षतिपूर्ति दावा के 849 प्रकरण, सिविल मामलों के 69 प्रकरणों, विवाह संबंधित प्रकरण 67 एवं विद्युत अधिनियम के अंतर्गत 59, लेबर प्रकरण चार अन्य प्रकृति के 81 लंबित प्रकरणों का निराकरण किया गया।

मोटर दुर्घटना में 30 करोड़ से अधिक का मुआवजा बंटा

राष्ट्रीय लोक अदालत में चैक बाउंस के मामलों में कुल तीन करोड़ आठ लाख नौ सौ सोलह से अधिक रूपये की समझौता राशि के आदेश दिए गए। इसी तरह मोटर दुर्घटना क्षतिपूर्ति दावा के प्रकरणों में 30 करोड़ तेरह लाख आठ हजार चौहत्तर रुपये का मुआवजा वितरित हुआ। विद्युत के न्यायालयों में लंबित 59 प्रकरणों में सात लाख पच्चपन हजार छः सौ सत्तर की राजस्व वसूली हुई। इसी प्रकार बैंक रिकवरी के 179 प्रीलिटिगेशन प्रकरणों में निराकरण के बाद तीन करोड़ 39 लाख दो हजार 119 रुपये की समझौता राशि राष्ट्रीय लोक अदालत में प्राप्त हुई।

पांच अरब से अधिक का मुआवजा वितरित

राष्ट्रीय लोक अदालत में 58 हजार से अधिक प्रकरण निराकृत

जबलपुर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन में शनिवार को आयोजित हुई राष्ट्रीय लोक अदालत में प्रदेश भर में 58 हजार से अधिक प्रकरणों का आपसी सामंजस्य से निराकरण हो गया। इस प्रक्रिया में चार अरब, 77 करोड़, 75 लाख 371 रुपये का मुआवजा वितरित हुआ। पक्षकारों के वर्षो पुराने मामलों का आपसी सहमति से निराकरण होने पर उनके चेहरों को खुशी की लहर दौड़ गई।

हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश रवि मलिमठ के मार्गदर्शन में हुई राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारंभ मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यपालक अध्यक्ष न्यायमूर्ति शील नागू व हाई कोर्ट विधिक सेवा समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल ने किया। हाई कोर्ट की मुख्यपीठ जबलपुर व खंडपीठ इंदौर व ग्वालियर खंडपीठ में छह खंडपीठों का गठन प्रकरणों के निराकरण के लिए किया गया था।

मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य सचिव रत्नेश चंद्र सिंह बिसेन ने बताया कि नेशनल लोक अदालत में न्यायालयों में लंबित एक लाख, 92 हजार 588 प्रकरणों को निराकरण के लिए रखा गया था। जिनमें से 24 हजार, 758 प्रकरणों का आपसी सहमति के आधार पर निराकरण कर तीन अरब, 43 करोड़, 25 लाख, 22 हजार 581 रुपये का मुआवजा वितरित किया गया। इसी प्रकार प्री-लिटिगेशन के चार लाख, 60 हजार 529 प्रकरण निराकरण के लिये रखे गए थे। जिनमें से 32 हजार 882 प्रकरणों का निराकरण कर एक अरब, 34 करोड़, 49 लाख, 77 हजार, 790 रुपये का मुआवजा वितरित हुआ। इस तरह राष्ट्रीय लोक अदालत में न्यायालयों में लंबित कुल एक लाख, 92 हजार 588 प्रकरण व 460529 प्री-लिटिगेशन प्रकरण निराकरण के लिए रखे गए थे। जिनमें से कुल 57640 प्रकरणों का निराकरण कर चार अरब, 77 करोड़, 75 लाख 371 रुपये का मुआवजा वितरित किया गया।

चैक बाउंस मामले में आरोपी दोषमुक्त

जबलपुर। प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी श्रीमति रुचि गोलस सगर की अदालत ने चैक बाउंस के आरोपी अमखेरा निवासी मुकेश वर्मा को दोष मुक्त कर दिया। अदालत ने पाया कि चैक बाउंस का मुकदमा अपरिपक्व है इसलिए आरोपी को बरी किया। श्रीमति शपुंतला जैन द्वारा आरोपी मुकेश वर्मा के खिलाफ न्यायालय में परिवाद दायर किया गया था। जिसमें कहा गया था कि आरोपी मुकेश वर्मा ने गत 10 फरवरी 2020 को चैक दिया गया था, जिसे उन्होंने खाते में जमा किया था तो चैक बाउंस हो गया था और 13 फरवरी को चैक वापस हुआ। इसके बाद उन्होंने परिवाद दायर किया। बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता रिन्केष मौर्य द्वारा कोर्ट में दलील दी गई। परिवादी को चैक 13 फरवरी 2020 को वापस हुआ। चैक बाउंस के मामलो मे शिकायतकर्ता को चैक बाउंस होने की तारीख से 30 दिवस के भीतर विधिक सूचना की तामीली की जानी आवश्यक है तथा साथ ही सूचना तामील होने के उपरांत 15 दिवस के भीतर चैक जारीकर्ता द्वारा चैक राशि अदा किये जाने में जानबूझकर असफल रहना आवश्यक होता हैं। आरोपी के अधिवक्ता द्वारा बचाव पक्ष रखते हुये साक्ष्य व अंतिम तर्प में यह बात रखी, कि शिकायतकर्ता द्वारा प्रश्नगत चैक विहित अवधि में भुगतान हेतु प्रस्तुत किये जाने पर अनादरित होने के अनुक्रम मे अनादरण की सूचना 19 मार्च 2020 से 30 दिवस के भीतर विधि समयावधि में मांग सूचना पत्र प्रेषित किया जाना चाहिये था, जबकि परिवादी द्वारा मांग सूचना पत्र 20 अप्रैल 2020 को दो दिवस विलम्ब से प्रेषित किया गया। न्यायालय ने यह माना कि भले ही कोविड पेंडेमिक के दौरान वाद, सर्वेच्च न्यायालय द्वारा भले ही वाद, अपील एवं आवेदन की परिसीमा के सबंध में मार्गदर्शन प्रदान किया गया था, किंतु चैक बाउंस के मामलो में मांग सूचना पत्र की समयावधि मे कोई हेतु विधिक प्रावधानों को नही बढ़ाया गया था। न्यायालय ने परिवाद को अपरिपक्व माना और आरोपी को दोष मुक्त कर दिया।

बोनी एवं कटाई के समय में 10-15 दिन की बचत की जा सकती है

डायरेक्ट सीडेड राईस विधि से अधिक उत्पादन कर सकते हैं : उप संचालक कृषि

हरिभूमि न्यूज जबलपुर।

उप संचालक कृषि ने बताया कि जबलपुर जिले में खरीफ में धान की 1.70 लाख हेक्टेयर में बोनी होती है तथा रबी में गेहूं 1.98 लाख हेक्टेयर में बोनी की जाती है। अतः जबलपुर की मुख्य फसल धान एवं गेहूं है, साथ ही जायद में उड़द, मूंग का रकबा बढ़कर 1.05 लाख हेक्टेयर हो गया है। अगर किसान डायरेक्ट सीडेड राईस (एएसआर) विधि को अपनाकर धान, गेहूं एवं मूंग, उड़द की बोनी करते हैं, तो सभी फसलों का बोनी एवं कटाई के समय में 10-15 दिन की बचत की जा सकती है, जिससे तीनों मौसम की फसलों का उत्पादन बढ़ाया जा सकता है। किसानों को जायद मूंग-उड़द पकने की अवस्था में वर्षा के कारण फसल सुखाने के लिये खरपतवार नाशक दवा डालने की आवश्यकता नहीं होगी तथा मूंग-उड़द का दाना बोल्ड एवं उत्पादन अधिक प्राप्त होगा।

कृषकों को धान में रोपा के बजाय डी.एस.आर पद्धति से सीधे बुवाई करने की सलाह दी जाती है। इस पद्धति में धान की बुवाई करने से लागत में कमी आती है जैसे- रोपाई से अपेक्षाकृत कम मजदूरों की आवश्यकता होती है, धान में पानी की कम आवश्यकता होती है अतः जल संरक्षण भी होता है, लाईन से बोनी होने के कारण खरपतवार, कीड़े, बीमारियों के नियंत्रण के लिये की जाने वाली गतिविधियां एवं दवाओं के उपयोग में सुविधा होती है तथा खड़ी फसल में कृषि यंत्रों का उपयोग भी आसानी से किया जा सकता है। लाईन में बोनी होने के कारण पौधों को सूर्य का प्रकाश स्थान पानी एवं पोषक तत्वों के लिये आपस में प्रतिस्पर्धा नहीं होती है। फलस्वरूप फसल में अधिक कल्ले निकलते हैं और उत्पादन में वृद्घि होती है। धान की बुवाई डी.एस.आर सीडड्रिल या जीरोटिलेज सीडड्रिल से की जा सकती है। यह सीडड्रिल उपलब्ध न होने पर सामान्य सीडड्रिल में ही फ्लूटेड-रोलर पर्याप्त स्थिति में खोलकर उपयोग किया जा सकता है। इससे धान के बीज टूटने से बच जाते हैं, साथ ही बीज के साथ डी.ए.पी. का मिश्रण भी किया जा सकता है।

कृषि अभियांत्रिकी द्वारा इस वर्ष सभी विकास खण्डों में खरीफ मौसम में धान की बोनी डायरेक्ट सीडेड राईस (एएसआर) विधि के प्रदर्शन भी आयोजित किये जायेंगे।

साड़ी दिलाने के नाम पर घर से ले गया था

फूफा ने की थी नाबालिग भतीजी की हत्या

जबलपुर। शुक्रवार को खमरिया के पास नहर में मिली 17 साल की किशोरी की हत्या के मामले में आरोपी नाबालिग का रिश्ते का फूफा आरोपी विक्रम बताया जा रहा है। पुलिस ने आरोपी फूफा को गिरफ्तार कर लिया है। हत्या के कारण अभी स्पष्ट नहीं है। बताया जा रहा है कि लड़की को साड़ी दिलाने का झांसा देकर विक्रम उसे अपने साथ ले गया था। वहीं दूसरी और एक चर्चा यह भी है कि आरोपी और नाबालिग के बीच प्रेम प्रसंग चल रहा था। आरोपी ने शादी में नाबालिग को शादी में किसी अन्य युवक के साथ बात करते हुए देखा था जिससे वह नाराज हो गया। बहरहाल आरोपी पुलिस की गिरफ्त में है पूछताछ के बाद स्थिति स्पष्ट होगी। फिलहाल खमरिया पुलिस का कहना है कि खमरिया के बिरनेर गांव के पास की एक नहर किनारे 17 वर्षीय किशोरी की शुक्रवार 10 मई की सुबह मिली थी। किशोरी के सिर और मुंह पर पत्थर से गंभीर वार किए गए हैं जिसके चलते ही उसकी मौत हुई है. आरोपी ने किशोरी की हत्या करने के बाद शव को नहर किनारे फेंक दिया था. खमरिया थाना पुलिस को सुबह करीब 5 बजे जब सूचना मिली की नहर में एक किशोरी का शव तैर रहा है तो मौके पर थाना प्रभारी सहित स्टाफ पहुंचा और शव का पंचनामा करवाने के बाद पीएम को मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया. सीसीटीव्ही फुटेज में लड़की फूफा के साथ जाते दिखी और घर में भी साड़ी दिलाने के नाम पर बाजार ले जाने का कहकर आरोपी लड़की को लेकर निकला था। पुलिस ने मामले की जांच शुरु की फूफा पर शक होने के बाद पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर कड़ी पूछताछ की जिसके बाद उसने अपना जुर्म कबूला। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद यह स्पष्ट होगा की लड़की के साथ कोई अन्य अपराध हुआ था या नहीं।

साड़ी दिलाने के नाम पर ले गया था

परिजनों ने बताया गुरुवार को घर में हल्दी की रस्म चल रही थी। मृतिका अपनी बुआ से शादी में नई साड़ी पहनने की जिद करने लगी। लड़की के फूफा उसे नई साड़ी दिलाने के नाम पर साथ ले गया। लड़की की चाची ने मृतिका को विक्रम के साथ जाते हुये देख लिया था। कई घंटे बाद जब विक्रम लौटा तो उससे लोगों ने युवती के बारे में पूछा, तो उसने जवाब की वो उसे खम्बे के पास छोड़कर कर चला गया था। इतना कहकर विक्रम फिर बाईक लेकर चला गया।

टूटा मोबाईल देखकर हुआ शक

रात में 12 बजे जब विक्रम लौटा तब फिर उससे सवाल किया गया। फिर जब उसका टूटा मोबाईल और उसपर धूल देखकर परिजनों को पहले ही शक हुआ। परिजनों ने लड़की की गुमशुदगी की रिपोर्ट थाने में कराई। जिसके बाद जब शव मिला तो परिजनों ने विक्रम पर शक की बात पुलिस को बताई। पुलिस ने विक्रम को हिरासत में लिया और पूछताछ की तो उसने हत्या की बात कबूल की।

अवैध रेत से भरी टैक्टर ट्राली जब्त

जबलपुर। बेलखेड़ा थाना अतंर्गत ग्राम नीमखेड़ा गौघाट में बिना नंबर की ट्रैक्टर ट्राली में अवैध रुप से चोरी की रेत परिवहन कर ले जा रहे एक ट्रैक्टर ट्राली को पुलिस ने जब्त कर लिया है वहीं ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया। बेलखेड़ा थाना प्रभारी श्रीमति सरोजनी टोप्पो ने बताया कि गत रात ग्राम नीमखेडा गौघाट में बिना नंबर की एक टैक्टर ट्राली में चोरी की रेत लोड कर ले जाया जा रहा था। मुखबिर की सूचना पर पहुंची पुलिस को देखते ही ट्रैक्टर चालक अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मौके से रेत से भरी ट्रैक्टर ट्राली जब्त कर ट्रैक्टर चालक के विरूद्ध धारा 379 के तहत एवं 4/21 खान खनिज अधिनियम तथा धारा 18(1) मध्य प्रदेश खनिज अधिनियम के तहत कार्रवाई कर मामला जांच में लिया है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाईक चालक की मौत

जबलपुर। कटंगी थाना अतंर्गत ग्राम नया गांव कुलुआ के पास गत देर रात मेन रोड में एक अज्ञात वाहन ने एक बाईक को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से बाईक सवार युवक की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है। कटंगी पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम नया गांव कुलुआ के पास मेन रोड में गत देर रात लगभग 2 बजे एक अज्ञात वाहन के चालक ने एक बाईक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से बाईक चालक की मौके पर ही मौत हो गई।

शिक्षा विभाग के अधिकारियों की बैठक

जबलपुर। स्कूल शिक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा करने शिक्षा विभाग के जिले के सभी अधिकारियों की मॉडल बैठक मॉडल स्कूल में संपन्न हुई। जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी की अध्यक्षता में आयोजित की गई इस बैठक में जिला परियोजना समन्वयक योगेश शर्मा भी मौजूद थे। बैठक में प्रमुख रूप से परीक्षा परिणाम, स्थापना सबन्धी प्रकरण, न्यायालयीन प्रकरण, छात्रवृत्ति संबंधी प्रकरण, मान्यता प्रकरण एवं सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों की समीक्षा की गई। जिला शिक्षा अधिकारी ने विभाग के सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिये कि किसी भी स्तर पर कोई प्रकरण लंबित न रहे तथा शिक्षकों, विद्यार्थियों और उनके पालकों को कोई कठिनाई न हो। उन्होंने विद्यालय खुलने के पूर्व सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने तथा शाला भवनों की मरम्मत के कार्य समय पूर्व करा लेने के निर्देश भी दिये। बैठक में सहायक संचालक आर के बधान, परीक्षा प्रभारी अरविंद अग्रवाल, सभी शालाओं के प्राचार्य तथा सभी विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, विकासखण्ड स्त्राsत समन्वयक, ब्लॉक एकेडमिक कोऑर्डिनेटर, जनशिक्षक एवं सहायक परियोजना समन्वयक उपस्थित रहे।

गुंडा टैक्स नहीं देने पर बदमाशों ने दो युवकों को चाकू मारे

जबलपुर। गोरखपुर और गोहलपुर में शराब पीने के लिए रुपए नहीं मिलने की बात पर बदमाशों ने दो युवकों के साथ मारपीट कर चाकू से हमला कर घायल कर दिया। गोरखपुर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार चौधरी मोहल्ला रामपुर निवासी 20 वर्षीय मजदूर अंकित चौधरी गत रात लगभग 9.30 बजे अपनी बहन को शादी में गौरीघाट छोड़कर वापस घर आ रहा था तभी घर के पास विज्जू उर्फ विजय चौधरी एवं हित्तू चौधरी उससे शराब पीने के लिए रुपए की मांग करने लगे, मना करने पर विजय ने चाकू से अंकित के दोनों जांघों पर हमला कर दिया और हित्तू ने मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने दोनों आरोपियें के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 294, 323, 324, 327, 506, 34 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है। इसी तरह गोहलपुर गली नंबर 12 अमखेरा गोहलपुर निवासी 30 वर्षीय दर्जी साहिल उर्फ राहुल गत रात लगभग 10.30 बजे मोहल्ले में किराना दुकान के पास खड़ा था और पास में सैफ अली अपने दो अन्य साथियों के साथ शराब पी रहा था। उसे देखकर सैफ अली और उसके दो अन्य साथियों ने शराब पीने के लिए रुपए की मांग की, मना करने पर तीनों गालीगलौज करने लगे, गालियां देने से मना किया तो सैफ ने चाकू से उसके पैर के दोनों जांघों पर हमला कर दिया और अन्य ने मारपीट कर सिर व गाल में चोटें पहुंचा दी। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 294, 327, 324, 506, 34 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है।

भगवान परशुराम एवं आद्य शंकराचार्य जयंती पर विचार गोष्ठी का आयोजन

मन, कर्म, वचन की एकता से किया कार्य निश्चित सफल होता है

जबलपुर। समरसता सेवा संगठन द्वारा भगवान परशुराम जी एवं आद्य शंकराचार्य जी जयंती पर विचार गोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन मुख्य अतिथि पूर्व पुलिस अप महानिरीक्षक मनोहर वर्मा, मुख्य वक्ता शिक्षाविद डॉ किरण खरे, संगठन अध्यक्ष संदीप जैन की उपस्थिति में वर्मा बारात घर विजय नगर में किया गया। विचार गोष्ठी की मुख्य वक्ता डॉ किरण खरे ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा मै संगठन के लोगों को बधाई देती हूं। मन कर्म वचन में एकता होगी तो सब शुभ होगा और समरसता के भाव को लेकर कार्य कर रहा यह संगठन अपने मन कर्म वचन की एकता के साथ ही कार्य कर रहा है यह प्रसंशनीय है।

डॉ खरे ने कहा देश के अनेकों महात्मा और महापुरुष हुए और देश में किसी भी अवतार पुरुष हो या महात्मा किसी ने कोई धर्म नहीं चलाया अलग अलग धर्मो को बनाने का कार्य उनके अनुयायियों ने किया। महापुरुषों ने तो सर्व समाज को अपना संदेश दिया और भगवान परशुराम व आद्य शंकराचार्य जी जिनका जन्म वैशाख माह में हुआ था आज उनकी जन्म जयंती के अवसर पर हम कार्यक्रम को आयोजित कर रहे है तो हम देखेंगे की इन महापुरुषों ने मन कर्म वचन की एकता के साथ ही कार्य किया और हमें भी उनसे प्रेरणा लेना चाहिए कि जो भी कार्य हम करें उसे पूर्ण मन कर्म और वचन से करें तो निश्चित रूप से हमें सफलता मिलेगी। डॉ खरे ने भगवान परशुराम एवं आद्य शंकराचार्य जी के जन्म, कृतित्व और व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए उनके जीवन के संस्मरण सुनाए।

सम्मान- कार्यक्रम के दूसरे चरण में पं अशोक मनोध्या, प्राचार्य नर्मदा प्रसाद शर्मा, डॉ अखिलेश मिश्रा, पं. निरंजन द्विवेदी, नरेश देवेदी, राजेंद्र कुरारिया, डॉ. प्रशांत मिश्रा, कु. आकांक्षा मिश्रा, शालू मिश्रा, निशांत वाजपई, सुरेश मिश्र विचित्र, सुमिधा मिश्रा, नंदा शर्मा, श्रद्धा तिवारी, राजेंद्र मिश्रा, विजय किसलई, एड. सम्पूर्ण तिवारी, पं. लोकेश व्यास, दिवांशु गौतम, राजेश पाठक प्रवीण, कमल किशोर तिवारी, सुश्री निशा तिवारी, प्रतिमा शर्मा, डॉ. अजय शुक्ला का सम्मान किया गया।

भव्य शोभायात्रा के साथ भागवत कथा प्रारम्भ

सिहोरा। आनंद भगवान के नाम लेने और संकीर्तन और भक्ति करने में जो आनंद है वह दुसरी किसी भी चीज में नहीं है उक्ताशय के उद्धार शिव मंदिर बाबाताल में शनिवार से प्रारंभ हुई संगीतमय सप्त दिवसीय भागवत कथा में पंडित अंशुल कृष्ण जी महाराज श्रीधाम वृन्दावन ने व्यासपीठ से व्यक्त किए। आगे कहा विश्व की उत्पत्ति और समय आने पर उसका संहार भी भगवान ही करते हैं। इसके पूर्व कथा स्थल से प्रारम्भ हुई भागवत कथा की कलश शोभायात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं बच्चों ने सर पर कलश हिस्सा लिया।

छोटी-छोटी बच्चियों ने रचाया गुड्डे-गुड़ियों का ब्याह

सिहोरा- अक्षय तृतीया पर परंपरागत रुप से छोटी छोटी बच्चियों ने मिट्टी के गुड्डे-गुड़ियों को तैयार कर उनका ब्याह रचाया। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, सतयुग और त्रेतायुग की शुरुआत अक्षय तृतीया से ही हुई थी भगवान विष्णु ने नर नारायण का अवतार भी इसी दिन लिया था भगवान परशुराम का जन्म भी अक्षय तृतीया पर हुआ था। इस शुभ तिथि से ही भगवान गणेश ने महाभारत का काव्य लिखना शुरू किया था इसी दिन महालक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए विशेष अनुष्ठान किये जाते है एंव इसी दिन महाभारत का युद्ध समाप्त हुआ था। इस दिन गंगा नदी पृथ्वी पर स्वर्ग से उतरी थी। इस अवसर पर जानवी तिवारी, दीपाली तिवारी,जया तिवारी,साध्वी शुक्ला, आराध्या कुरारिया आदि बच्चियां उपस्थित थीं।

श्रीकृष्ण-रुक्मनी विवाह का प्रसंग सुन श्रद्धालु हुए भावविभोर

जबलपुर। श्री अनगढ़ महावीर मंदिर गोरखपुर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के छठे दिन आचार्य कथावाचक पं. सतीश कुमार शुक्ला ने इन्द्र द्वारा क्षमा याचना, वरुण लो से नंद बाबा को लाना, गोपियों द्वारा प्रभु को खोजना, कंस नारद मिलन, आक्रूरजी को बुलाना, आक्रूर का वृन्दावन गमन, प्रभु का मथुरा आगमन, कुब्जा उद्धार, उद्धव का बृज गमन, प्रभु का कुब्जा आक्रूर के घर जाना, रुक्मनी का हरण एवं विवाह रुक्मनी ने जब देवर्षि नारद के मुख से श्रीकृष्ण के रूप में सौंदर्य की प्रशंसा सुनी तो अपने मन ही मन से श्रीकृष्ण से विवाह करने का निश्चय किया। रुक्मनी का बड़ा भाई रूम्मी श्रीकृष्ण से शत्रुता रखता था और बहन का विवाह चेदि नरेश राजा दशमेष के पुत्र शिशुपाल से करना चाहता था, अंत में रुक्मनी का विवाह श्रीकृष्ण से हुआ और प्रभु के सोलह हजार एक सौ आठ विवाह हुए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त मौजूद रहे।

सिहोरा न्यायालय में लोक अदालत का आयोजन

आर्थिक क्षति से बचने का सर्वोत्तम माध्यम है लोक अदालत: सैफी दाऊदी

सिहोरा। कार्यपालक अध्यक्ष राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के निर्देशानुसार आज 11 मई को नेशनल लोक अदालत का आयोजन व्यवहार न्यायालय सिहोरा में सैफी दाऊदी. जिला न्यायाधीश (द्वितीय) सिहोरा के द्वारा माँ सरस्वती वंदना कर लोक अदालत का शुभारम्भ किया गया। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए जिला न्यायाधीश (द्वितीय) सैफी दाउदी ने कहां की नेशनल लोक अदालत आर्थिक एवं समय की क्षति से बचने का सर्वोत्तम माध्यम होने के साथ साथ विवादों के त्वरित निवारण के लिए एक मजबूत मंच है।इस अवसर पर सुधांशु सिन्हा, जिला न्यायाधीश (तृतीय) सिहोरा, सुश्री रेशमा खातून न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, श्रीमती खालीदा तनवीर,न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी एवं श्रीमती तनुश्री शिवहरे न्यायिक मजिस्ट्रेट,प्रथम श्रेणी, सुश्री उर्वशी यादव न्यायिक मजिस्ट्रेट, प्रथम श्रेणी,सुश्री दीपशिखा दांगी,न्यायिक मजिस्ट्रेट,प्रथम श्रेणी, सिहोरा एवं तदर्थ समिति अधिवक्ता संघ सिहोरा के सदस्य उमाशंकर, मैडम जैन एवं अधिवक्ता सघ के पूर्व अध्यक्ष रविदीप सिंह बेस एवं पूर्व सचिव संजय सिंह सेंगर एवं सम्माननीय अधिवक्तागण उपस्थित रहे। नेशनल लोक अदालत मे व्यवहार न्यायालय सिहोरा मे राजीनामा के आधार पर न्यायालय मे लंबित 1050 प्रकरण रखे गये जिसमे से 74 प्रकरणों का निराकरण किया गया, 6203872 रूपये (अंकन-बासठ लाख तीन हजार आठ सौ बहत्तर) रूपये का अवार्ड पारित किया गया। इसी प्रकार प्रीलिटिगेशन के 2486 प्रकरण निराकरण हेतु रखे गये जिसमे 57 प्रकरणों का निराकरण कर 6816196 रूपये (अड़सठ लाख सौलह हजार एक सौ छियान्वे रूपये) का अवार्ड पारित किया गया। जिसमे 157 व्यक्ति लाभान्वित हुए।

हज यात्रियों का प्रशिक्षण शिविर संपन्न

जबलपुर। वक्फ मोमिन ईदगाह ट्रस्ट गोहलपुर, जबलपुर में वर्ष 2024 में हज यात्रा पर जाने वाले हाजियों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का शुभारम्भ हाजी मुहम्मद असगर अंसारी की उपस्थित में आज सुबह 9 बजे से किया गया और इसका समापन रविवार दोपहर 3 बजे तक किया जाएगा। शिविर का आगाज कुरान-ए-पाक कि तिलावत व नात-ए रसूल और लब्बैक अल्लाहुम्मा लब्बेक के बुलंद आवाज के साथ किया गया। हज व उमराह के फजाइल पर हाजी मुफ्ती महमुदुल हसन ने विस्तार से प्रकाश डाला व हर मसले की जानकारी दी। सफर ए हज की तैयारी पर हाजी खुर्शीद अनवर ने अपने सरल एवं सहज अंदाज में समझाया। तत्पश्चात हज व उमराह का तरीका, हज के पांच दिन मीना, अराफात मुजदल्फा में कयाम, अहराम के दो कपडे , हज के दौरान कुछ आम गलतियों पर विशेष ध्यान देने आदाबे जियारत-ए-मदीना, मदीना मुनव्वरा में अहम मुकामात पर हाजी अब्दुल माजिद रहमानी ने अपने अनुभव के अनुसार समझाया।

श्री परशुराम सर्व ब्राम्हण संघ ने गौरीघाट में मनाई परशुराम जयंती

जबलपुर। भगवान श्री परशुराम जी के प्राकट्योत्सव के शुभ अवसर पर गौरीघाट स्थित परशुरामधाम, जबलपुर में श्री परशुराम सर्व ब्राह्मण संघ के द्वारा शाम को अभिषेक प्रभु के वस्त्र, झंडा धारण करवा कर पूजन अर्चन के बाद बड़े धूमधाम से भजन संध्या के साथ श्री परशुराम जी, नर्मदाजी की महाआरती के पश्चात कन्या पूजन कर भंडारा एवं प्रसाद वितरण किया गया। मुख्य रूप से पूज्य जगद्गुरु सुखानंद द्वाराचार्य स्वामी राघव देवाचार्य जी ने उपस्थित होकर सभी को अपना आशीर्वाद दिया और सभी उपस्थित भक्तों को गुरुजी द्वारा श्रीरामलला, परशुरामजी का अलौकिक छाया चित्र, वस्त्र पट्टिका, आरती पुस्तिका देकर सम्मानित कराया गया। जिसमें वरिष्ठ नगर अध्यक्ष पं यदुवंश मिश्रा, राष्ट्रीय पदाधिकारी अध्यक्ष डॉ.अरुण मिश्रा, मंदिर पुजारी राजकुमार दुबे, आचार्य शिव गणेश गौतम, योगेंद्र मालवीय, पत्रकार चंद्रशेखर शर्मा, मातृशक्ति मीरा दुबे, मिथलेश तिवारी, विनीता मालवीय, सुनीता तिवारी, रागिनी तिवारी एवं अन्य परिक्रमावासी, साधुगण आदि उपस्थित रहे।

मनोहारी जिन प्रतिमाओं का हुआ नगर आगमन

जबलपुर। मध्य प्रदेश की संस्कारधानी जबलपुर के पाटन रोड, करमेता में जैन युवा फेडरेशन के तत्वावधान में बन रहे भव्य एवं मनोहारी श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर "ज्ञानायतन" में शुक्रवार वैशाख सुदी तीज अक्षय तृतीया के शुभ दिन विशाल जिन प्रतिमाओं का नगर आगमन हुआ जिसमे श्री 1008 आदिनाथ भगवान, श्री 1008 सीमंधर भगवान एवं श्री 1008 महावीर भगवान की मनोहारी प्रतिमाओं को भव्य शोभायात्रा के रूप में लाया गया। मंगल महोत्सव में सकल जैन समाज के साथ वीतराग विज्ञान मंडल के अशोक जैन, विमल जैन, सुशील जैन, डॉ. एस. सी. जैन, सुनील जैन, सतीश जैन, प्रसन्न जैन सहित फेडरेशन अध्यक्ष संजय जैन, उपाध्यक्ष राजीव जैन, अनुभव जैन, प्रशांत जैन, अभिषेक जैन, शरद जैन, विशाल जैन, निशांत जैन, श्रेय जैन, अंकित जैन सहित बड़ी संख्या में जिनशासन सेवक सम्मिलित हुए।फेडरेशन के मीडिया प्रभारी दीपक राज जैन ने बताया की मनोहारी जिनालय का राष्ट्रीय पंचकल्याणक महोत्सव आगामी वर्ष 2025 फरवरी माह में होगा जिसकी जोरदार तैयारी फेडरेशन द्वारा की जारी हैं जिसमे सम्पूर्ण मध्य प्रदेश सहित पूरे देश एवं विश्व से जैन बंधु जबलपुर पधारेंगे और संस्कारधानी उनका भव्य स्वागत करेगी।

सेठ मन्नूलाल हॉस्पिटल में नर्स दिवस मनाया गया

जबलपुर। सेठ मन्नूलाल जगन्नाथदास ट्रस्ट दीक्षितपुरा में अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर एक समारोह आयोजित किया गया, प्रबंधन की ओर से श्रद्धा मालपाणी ने बताया कि नर्सिंग पेशेवर की शुरुआत करने वाली प्रख्यात फ्लोरेंस नाइटिंगेल के जन्म दिवस 12 मई को अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस के रूप में मनाने का निर्णय वर्ष 1974 में लिया गया। नर्सिंग को सबसे बड़े स्वास्थ्य पेशे के रूप में माना जाता है, शारीरिक, मानसिक और सामाजिक जैसे पहलुओं के माध्यम से रोगी की देखभाल करने के लिए अच्छी तरह से प्रशिक्षित और अनुभवी होना जरूरी है। उन्होंने आगे कहा कि हमारे हॉस्पिटल में नर्सें अपनी भूमिका तत्परता से निभा रही हैं और रोगियों की अच्छी तरह देखभाल कर रही हैं जिससे हमारे हॉस्पिटल की प्रतिष्ठा बढ़ रही है। इस अवसर पर हॉस्पिटल की डॉ. मानसी चनपुरिया जनरल मैनेजर, डॉ. सुलेखा देवानी स्त्री रोग विशेषज्ञ, डॉ. आशीष पटेल, डॉ. केसी दीवानी, डॉ. सुलेखा दीवान भी उपस्थित थीं।

श्रीराम दरबार स्थापना दिवस सानंद सम्पन्न

जबलपुर। निरंतर जनहितैषी कार्यों को समर्पित परमहंस माँ ललिता फाउंडेशन ने अक्षय तृतीया पर सवत्सा गौदान की परम्परानुसार 26वां गौदान एवं जानकीनगर जगदम्बा कालोनी स्थित शिव शक्ति मंदिर में परमहंस माँ ललितादेवी द्वारा स्थापित भगवान श्रीराम दरबार का सोलहवां स्थापना दिवस बड़े ही धूमधाम से मनाया। अक्षय पुण्यार्जन के महापर्व स्वयं सिद्ध मुहुर्त में त्रिदिवसीय विविध धार्मिक अनुष्ठान देवी पूजन, सुहागलें, जल कलश दान, अन्नदान, वस्त्रदान, मां नर्मदा जी की पूजन आदि विविध धार्मिक आयोजन सानंद सम्पन्न किये गए। इस अवसर पर परमहंस मां ललिता फाउण्डेशन के संस्थापक, संचालक द्वय पं. धीरेन्द्र कुमार गर्ग, श्रीमती ममता गर्ग, पं. रामभजन तिवारी, संदीप शास्त्री, सतीश शास्त्री सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सुषमा खरे की कृति शिवपुराण बुंदेली भाष्य का हुआ विमोचन

सिहोरा। वैशाख माह की पावन शुक्ल अक्षय तृतीया के पुनीत अवसर पर सिहोरा की सुप्रसिध्द साहित्यकार श्रीमती सुषमा वीरेंद्र खरे की साहित्यिक गतिविधियों में निरंतर उत्तरोत्तर प्रगति हो रही है ।अभी कुछ दिनों पूर्व उनकी सामाजिक उत्थान हेतु प्रेरक रचनाओं की कृति कलम के रंग का विमोचन सिहोरा के साहित्य पाठक मंच के तत्वावधान में हुआ था और आज जबलपुर की प्रसिद्ध संस्था बुंदेली सनातनी संस्कृति के तत्वावधान में महान विभूतियों और वरिष्ठ साहित्यकारों के करकमलों से उनके द्वारा रचित व अनुवादित धार्मिक कृति *शिवपुराण बुंदेली भाष्य* का विमोचन हुआ। य़ह ग्रंथ 300 पेज का है और इसमे शिव पार्वती चरित्रों को बुंदेली भाषा में सुंदल ढंग से प्रस्तुत किया गया है ।सुषमा खरे ने बताया कि 14 सितंबर 2023 से उन्होंने शिवपुराण बुंदेली भाषा में लिखना शुरू किया था और इसी साल फरवरी में महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर य़ह सम्पन्न हुआ और बुंदेली संस्था की संचालिका प्रभा विश्वकर्मा के अनुरोध पर उन्होंने इस ग्रंथ को प्रकाशित करवाया और 10 मई को रानी दुर्गावती संग्रहालय कला वीथिका में आयोजित कार्यक्रम के दौरान आचार्य डॉ भगवत प्रसाद दुबे,ज्ञानगंगा महाविद्यालय के संस्थापक श्री जैन,महापौर जगत बहादुर अन्नू, प्रतुल श्रीवास्तव सहित अनेक वरिष्ठ साहित्यकार उपस्थित थे।

सुषमा का रुझान धर्म साहित्य की ओर अधिक है तथा उनकी एक और बुंदेली कृति प्रकाशित होनेवाली है । उनकी इस कृति पर जबलपुर क्षेत्र के प्रसिद्द मंच संचालक मंचमणि,राजेश पाठक ने अपनी शुभकामनाएं और बधाई दी।

श्रीमती उषा गुप्ता- सरस्वती कॉलोनी निवासी श्री सुरेंद्र कुमार गुप्ता की धर्मपत्नी श्रीमती उषा गुप्ता (71) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री झलकन अहिरवार- नई बस्ती आईटीआई माढ़ोताल निवासी श्री झलकन अहिरवार (58) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार माढ़ोताल मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती विमला वर्मा- शास्त्री नगर मेडिकल निवासी श्री बीपी वर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती विमला वर्मा (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री जगदीश चौधरी- भानोट एनक्लेव गोरखपुर निवासी श्री जगदीश चौधरी (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री श्रीनिवास तिवारी- नंद नगर मानेगांव रांझी निवासी श्री श्रीनिवास तिवारी (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती गंगा बाई यादव- उडिय़ा मोहल्ला छोटी ओमती निवासी श्री विजय चंद यादव की धर्मपत्नी श्रीमती गंगा बाई यादव (90) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती लक्ष्मी देवी- चंपानगर मानेगांव रांझी निवासी श्री गजेंद्र पाल की धर्मपत्नी श्रीमती लक्ष्मी देवी (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती लीला बाई रजक- लालमाटी निवासी श्री अक्षय लाल रजक की धर्मपत्नी श्रीमती लीला बाई रजक (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती आशा पिल्ले- जीके हुसैन कम्पाउंड सदर निवासी श्रीमती आशा पिल्ले (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री गुरू प्रसाद चौधरी- हनुमान टोरिया कांचघर निवासी श्री गुरू प्रसाद चौधरी (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती रूपा बागची- राजुल पार्क के पास तिलहरी निवासी श्री उत्पल बागची की धर्मपत्नी श्रीमती रूपा बागची (45) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती निर्मला देवी खूबानी- शांति नगर दमोहनाका निवासी श्री हासामल खूबानी की धर्मपत्नी श्रीमती निर्मला देवी खूबानी (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री मानिक लाल केसरी- सार्थक अपार्टमेंट नर्मदा रोड निवासी श्री मानिक लाल केसरी (84) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री वेद प्रकाश राव- डिपो नं. 2 के पास गोरखपुर निवासी श्री वेद प्रकाश राव (87) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती नलिनी बर्मन- विकास नगर गढ़ा गौतम मढिय़ा के पास निवासी श्री डीएल बर्मन की धर्मपत्नी श्रीमती नलिनी बर्मन (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि
निजी/शोक/उठावन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अन्य साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.

फिक्स साइज:-	8x4 से.मी.	ब्लैक&व्हाईट	300/-
फिक्स साइज:-	8x4 से.मी.	रंगीन	400/-
फिक्स साइज	10x8 से.मी.	रंगीन	1000/-

सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-0761-4048310, 2757175

मेधावी विद्यार्थियों का किया सम्मान

जबलपुर। कुशवाहा समाज के मेधावी विद्यार्थियों एवं समाज के वरिष्ठजनों का सम्मान शिवबहोर कुशवाहा की पुण्यतिथि पर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू एवं वृंदावन वर्मा, रविन्द्र कुशवाहा, चन्द्रशेखर पटेल, मनोज कुशवाहा, रामनारायण वर्मा, रामसजीवन कुशवाहा, श्यामलाल, रामयज्ञ, शिवदत्त, सुनील, राजेश, रजनीश, राजकुमार कुशवाहा व बड़ी संख्या में गणमान्य सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। संचालन शीला कुशवाहा व आभार प्रदर्शन एड. मनोज कुशवाहा ने किया।

खंडवा में भाजपा मोदी लहर के भरोसे, कांग्रेस को सामाजिक समीकरणों से आस

- भाजपा के ज्ञानेश्वर का कांग्रेस के नरेंद्र से कड़ा मुकाबला
- भाजपा का प्रचार तेज, 'एक वोट-एक नोट' मांग रही कांग्रेस

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

दूसरे कई लोकसभा क्षेत्रों की तरह खंडवा में भाजपा प्रत्याशी ज्ञानेश्वर पाटिल को लोग

पसंद नहीं करते। बावजूद इसके केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से नजदीकी के चलते वे फिर भाजपा का टिकट ले आए। ज्ञानेश्वर कांग्रेस के नरेंद्र पटेल पर भारी पड़ते नजर आते हैं। वजह है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता और अयोध्या मंदिर के कारण चल रही राम लहर। कांग्रेस की तुलना में भाजपा का प्रचार अभियान भी तेज है और पार्टी का हर प्रमुख नेता प्रचार में हिस्सा ले चुका है। हालांकि इसका मतलब यह कतई नहीं कि चुनाव एकतरफा है। सामाजिक समीकरणों के कारण कांग्रेस के नरेंद्र कम ताकतवर नहीं। उनके पास भाजपा जैसे संसाधन नहीं हैं, इसलिए वे मतदाताओं से 'एक वोट के साथ एक नोट' का अभियान चला रहे हैं। नरेंद्र गुर्जर समाज से हैं। क्षेत्र में इस समाज की तादाद लगभग साढ़े 4 लाख बताई जाती है।

राजपूत समाज भी भाजपा से खफा है। मुस्लिम कांग्रेस के साथ हैं ही। यदि आदिवासी समाज का वोट कांग्रेस के पक्ष में गया तो खंडवा में भाजपा को लेने के देने पड़ सकते हैं। ज्ञानेश्वर पिछला चुनाव लगभग 82 हजार वोटों के अंतर से जीते थे। इस बार वे कड़े मुकाबले में फंसे हैं। उप चुनाव में भी कांग्रेस के राजनारायण सिंह ने उन्हें कड़ी टक्कर दी थी।

गुर्जर, राजपूत, आदिवासियों पर फोकस

भाजपा के ज्ञानेश्वर से लोग नाराज हैं और कांग्रेस के नरेंद्र आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं। इस बीच ज्ञानेश्वर को मोदी लहर पर भरोसा है और नरेंद्र सामाजिक समीकरणों पर फोकस बनाए हुए हैं। खंडवा क्षेत्र में गुर्जर कांग्रेस के पक्ष में एकजुट होता नजर आ रहा है। राजपूत समाज भाजपा से दो कारणों से नाराज है। पहली वजह गुजरात के रूपाला का बयान है, जिसके खिलाफ करणी सेना ने देश भर में अभियान चला रखा है। दूसरी वजह क्षेत्रीय है। यहां राजपूत समाज के नंदकुमार सिंह चौहान चुनाव जीतते रहे हैं। उनके स्वर्गवासी होने के बाद भाजपा ने राजपूतों को दरकिनार कर दिया। यहां तक कि नंदकुमार सिंह के बेटे तक को बगावत करना पड़ गई थी। इस बार यह समाज भाजपा को सबक सिखाने के मूड में दिखता है। बुरहानपुर सहित क्षेत्र के कई इलाकों मे मुस्लिम मतदाता भी काफी है। वह भी कांग्रेस के पक्ष में है। क्षेत्र में आदिवासी समाज भी बड़ी तादाद में है। भाजपा-कांग्रेस ने उसे अपने-अपने पक्ष में करने के लिए ताकत झोंक रखी है। यह वर्ग जहां गया, जीत उसके पाले में जा सकती है। ब्राह्मण एवं पिछड़े वर्ग की अन्य जातियां भाजपा के पक्ष में लामबंद दिखती हैं।

खंडवा में अरुण की प्रतिष्ठा दांव पर

कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण यादव खंडवा से सांसद रहे हैं। वे यहां से दो बार पराजित भी हुए हैं। नरेंद्र पटेल को उनकी सिफारिश पर कांग्रेस प्रत्याशी बनाया गया है। इस नाते खंडवा में अरुण यादव की प्रतिष्ठा दांव पर है। कांग्रेस नेतृत्व ने नरेंद्र को जिताने की जवाबदारी उनके कंधों पर डाल रखी है। लोगों का कहना है कि ज्ञानेश्वर के खिलाफ इतनी नाराजगी है कि यदि इस बार अरुण मैदान में होते तो गारंटी से चुनाव जीतते। लोग उन्हें याद भी करते हैं। अरुण का नेपानगर सहित कई क्षेत्रों में अच्छा होल्ड है। वे दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। फर्क यह है कि भाजपा के प्रचार के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पड़ोस के क्षेत्र खरगौन आ चुके हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कई दौरे कर चुके हैं। वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा के हाथ चुनाव की बागडोर है। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा भी प्रचार में आ चुके हैं। दूसरी तरफ कांग्रेस की ओर से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ही आए हैं। पूरी मेहनत अरुण ही करते दिख रहे हैं।

विधानसभा क्षेत्रों में हो सकता है उलटफेर

विधानसभा चुनाव के नतीजों को आधार माने तो भाजपा का पलड़ा भारी है, क्योंकि पार्टी ने 8 में से 7 विधानसभा सीटों में जीत दर्ज की थी। कांग्रेस को सिर्फ एक भीकनगांव में मात्र 603 वोटों के अंतर से जीत मिली थी। लोगों का कहना है कि यह पहला ऐसा लोकसभा क्षेत्र है, जहां विधानसभा के आधार में उलटफेर हो सकता है। बुरहानपुर, नेपानगर और खंडवा में भाजपा को मजबूत बताया जा रहा है। भीकनगांव, बड़वाह और मांधाता में कांग्रेस बढ़त ले सकती है। भीकनगांव में कांग्रेस विधायक झूमा सोलंकी का असर है। बड़वाह में कांग्रेस प्रत्याशी नरेंद्र पटेल खुद लगभग 5 हजार वोटों के अंतर से हारे थे, क्योंकि उनके साथ भाजपा प्रत्याशी सचिन बिरला भी गुर्जर समाज से थे। लोकसभा चुनाव में पूरा समाज नरेंद्र के पक्ष में एकजुट है। मांधाता सीट भी गुर्जर बहुल है। यहां भाजपा लगभग 600 वोटों से चुनाव जीती है। पंधाना में उलटफेर हो सकता है।

नंदू भैया को अरुण ने दी थी एक शिकस्त

1996 के बाद खंडवा का राजनीतिक मिजाज बदला और भाजपाई हो गया। 1991 में कांग्रेस के महेंद्र कुमार सिंह ने भाजपा के अमृतलाल तारवाला को हराया था। इसके बाद भाजपा की ओर से नंद कुमार सिंह चौहान नंदू भैया ने लोकसभा के 6 चुनाव जीते। उनकी जीत पर ब्रेक लगाने का काम कांग्रेस के अरुण यादव ने 2009 में किया। इसके बाद लगातार दो बार नंदू भैया ने फिर अरुण को हराया। नंदू भैया के निधन के बाद भाजपा ने 2021 के उप चुनाव में ज्ञानेश्वर पाटिल जीते। इस बार फिर ज्ञानेश्वर मैदान में हैं, लेकिन उनको लेकर लोगों में असंतोष है। भाजपा मोदी और राम लहर के भरोसे है। हालांकि कांग्रेस ने सामाजिक समीकरण साध लिए तो भाजपा को मुश्किल होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर के बयान को लेकर विपक्ष पर बोला हमला

कांग्रेस पर तंज: इतना ही पसंद है तो पाकिस्तान में जाकर चुनाव लड़ो, हिंदुस्तान में क्यों लड़ रहे हो?

- *उज्जैन में डॉ. मोहन ने हजारों कार्यकर्ताओं के साथ निकाला रोड-शो, आतिशबाजी हुई*
- *हम देवी-देवताओं की जय जयकार करते हैं तो विपक्षी दलों को पीड़ा होती है: सीएम*
- *कांग्रेस चुनाव यहां लड़ रही है, पर पाकिस्तान से इनके लिए पत्र निकल रहे हैं: डॉ. यादव*

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को उज्जैन में आयोजित रोड शो में कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर के बयान को लेकर कांग्रेस पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता चुनाव यहां लड़ रहे हैं और समर्थन पाकिस्तान से लेते हैं। पाकिस्तान से आपका क्या लेना देना? इतना ही पसंद है तो पाकिस्तान में जाकर चुनाव लड़ो, हिंदुस्तान में क्यों लड़ रहे हो? उज्जैन के कंठाल चौराहे पर भाजपा कार्यकर्ताओं और आम जन को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पाकिस्तान ने लगातार देश को अस्त-व्यस्त किया था, लेकिन अब बदलते दौर का हिंदुस्तान है। भारत के प्रधानमंत्री जी-20 की अध्यक्षता करते हैं तो विश्व के धनी देशों के नेता मोदी के साथ सेल्फी खिंचवाने के लिए लालायित रहते हैं तब हर भारतवासी 56 इंच के सीने वाला हो जाता है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने धार के धामनोद, खरगोन के महेश्वर, मंडलेश्वर तथा उज्जैन लोकसभा सीट से नागदा व उज्जैन में आयोजित जनसभाओं को संबोधित किया।

इस बार कांग्रेस का सूपड़ा पूरी तरह साफ हो जाएगा

मुख्यमंत्री ने महेश्वर, मंडलेश्वर, धामनोद, नागदा में कहा कि भीषण गर्मी के बाद भी जिस तरह से रोड शो में लोग आ रहे हैं। उनका आशीर्वाद मिल रहा है उससे लगता है कि इस बार कांग्रेस का सूपड़ा पूरी तरह से साफ हो जाएगा। जनता का यह आशीर्वाद बताता है कि इस बार भाजपा को जनता का प्रचंड आशीर्वाद मिलेगा।

कांग्रेसी कितने रंग बदलते हैं, गिरगिट भी शरमा जाए

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हम जब मंदिरों और हमारे देवी-देवताओं की जय-जयकार करते हैं तो कांग्रेस सहित हमारे विपक्षी दलों को पीड़ा होती है। भगवान और देवी-देवताओं का नाम लेने पर चिढ़ते हैं। कांग्रेस पार्टी चुनाव तो भारत में लड़ रही है, लेकिन पाकिस्तान से इनके लिए पत्र निकल रहे हैं। कांग्रेसी कितने रंग बदलते हैं, गिरगिट भी शरमा जाए।

मुख्यमंत्री आज रतलाम, इंदौर में करेंगे चुनाव प्रचार

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार को रतलाम, इंदौर में चुनाव प्रचार करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सुबह 10.10 बजे रतलाम में रोड शो में शामिल होंगे। दोपहर 12.15 बजे जावरा में रोड शो, दोपहर 1.20 बजे इंदौर लोकसभा क्षेत्र के देपालपुर विधानसभा के बेटमा में जनसभा को संबोधित करेंगे। मुख्यमंत्री दोपहर 2.30 बजे इंदौर में रोड शो में शामिल होकर पार्टी प्रत्याशी के लिए समर्थन मांगेगे।

भूरिया ने कहा था- दो पत्नी रखने वालों को देंगे दो लाख रुपए

पूरा देश कांग्रेस नेता कांतिलाल भूरिया के बयान पर कर रहा है थू-थू: आशीष

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

कांग्रेस नेता कांतिलाल भूरिया के दो पत्नियां रखने वालों को दो लाख रुपए देने के बयान पर भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल ने प्रतिक्रिया दी है। प्रदेश मीडिया प्रभारी अग्रवाल ने सोशल मीडिया के माध्यम से कहा कि भूरिया को लगा था दो पत्नियों रखने वालों को 2 लाख रुपए के बयान पर उनकी भूरि-भूरि प्रशंसा होगी, लेकिन ये क्या? पूरा देश कांतिलाल भूरिया की बात पर थू-थू कर रहा है।

अब दांव उल्टा पड़ते देख कांतिलाल भूरिया आदिवासियों को बीच में लाकर डैमेज कंट्रोल करने की कोशिश कर रहे हैं। भूरिया भूल गए कि ये उन्हीं की कांग्रेस सरकार के काल में हमारी आदिवासी बहनों बैग, सहरिया और भारिया को मिलने वाली अनुदान राशि बंद कर दी थी। जो आदिवासी बहनों का हक खा गए, अब सत्ता पाने के लिए साम-दाम की नीति अपना रहे हैं। भूरिया याद रखे आदिवासी समाज की अपनी इज्जत-मर्यादा, मान-सम्मान और अधिकार है, जो मोदी राज में उन्हें भरपूर मिल रहा है। आप आदिवासी भाई-बहनों की चिंता छोड़ जीतू पटवारी और दिग्विजय सिंह के साथ अपनी हार के मंथन पर विचार कीजिए, क्योंकि जवाब आपको जनता को नहीं 10 जनपथ में देना है, जनता तो वैसे भी जानती ही है कि आएगा तो मोदी ही।

अय्यर और अब्दुल्ला पाकिस्तानी प्रेमी

कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर के बयान पर अग्रवाल ने कहा कि ये वहीं मणिशंकर अय्यर है, जो पाकिस्तान गए थे भीख मांगने कि मोदी को हटाना है, समर्थन दीजिए। जिसकी पार्टी के नेता 26/11 मुंबई धमाको पर पाकिस्तान को क्लीन चिट देते हैं। जिहादियों के सामने नतमस्तक होने वाली कांग्रेस और उसके नेता एक बात समझ ले कि ये मोदी का भारत है, जो एक गलत हरकत पर पाकिस्तान को कब्रिस्तान में बदल देंगे। यकीन नहीं, तो जाओ अपने पाकिस्तानी आकाओं से पूछ लो, जो पाकिस्तानी संसद में कंपकंपा कर बोल चुके हैं कि भारत को हल्के में नहीं लेना चाहिए, उनके पास सुपरपॉवर है। अय्यर और फारूक अब्दुल्ला के भाव में ऐसी समानता है कि दोनों पाकिस्तानी प्रेमी-सहोदर लगते हैं।

भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने निर्वाचन आयोग से की भूरिया और पटवारी की शिकायत

भारतीय जनता पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने निर्वाचन आयोग से शिकायत करते हुए रतलाम झाबुआ सीट से कांग्रेस प्रत्याशी कांतिलाल भूरिया के महिला विरोधी विवादित बयान को लेकर कार्रवाई की मांग की है। प्रतिनिधिमंडल ने शिकायत में कहा है कि रतलाम झाबुआ सीट से कांग्रेस प्रत्याशी कांतिलाल भूरिया ने रतलाम के शिवगढ़ में चुनावी सभा में महिलाओं पर विवादित बयान दिया। इस सभा में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, सैलाना के पूर्व विधायक हर्ष विजय गेहलोत उपस्थित थे। हिन्दू विवाह अधिनियम 1955 की धारा 05 (1) के प्रावधान के अनुसार, हिन्दू धर्म में दूसरी शादी पूरी तरह से प्रतिबंधित है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू ने भूरिया के बयान का किया था समर्थन

मंच से ही कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कांतिलाल भूरिया का बयान का समर्थन किया और कहा कि कांतिलाल भूरिया ने भयंकर घोषणा कर दी है, जिनकी दो पत्नियां है उनको डबल फायदा होगा। कांतिलाल भूरिया पूर्व में सांसद और मंत्री भी रह चुके हैं, उन्हें नियमों का ज्ञान होना चाहिए। ऐसी स्थिति में कांतिलाल भूरिया का दो पत्नियां से संबंधित बयान आपत्तिजनक होकर हिन्दू विवाह अधिनियम के प्रावधानों के विपरीत है। प्रतिनिधिमंडल ने कांतिलाल भूरिया द्वारा हिन्दूओं की भावना को भड़काने वाला बयान देने एवं इस आपत्तिजनक बयान का समर्थन करने के लिए जीतू पटवारी के विरूद्ध निर्वाचन आयोग से तत्काल कार्रवाई करने की मांग की।

प्रदेश संगठन महामंत्री ने की कार्यकर्ताओं के साथ बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने खरगौन लोकसभा क्षेत्र के बड़वानी जिले के राजपुर में विधानसभा के प्रमुख कार्यकर्ताओं की बैठक की। बैठक में उन्होंने हर बूथ पर 370 नए वोट बढ़ाने और अधिक से अधिक मतदान के लिए प्राणपण से जुटने का आग्रह किया।

पुलिस मामला दर्ज कर कार्रवाई में जुटी

बाइक से टक्कर होने पर युवक को जमकर पीटा, उपचार के दौरान मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पेंड्रा

गौरेला पेण्ड्रा मरवाही में बाइक से टक्कर होने के बाद महिला और उसके परिजनों ने बाइक सवार को तब तक पीटा जब तक बाइक सवार युवक के परिजन मौके पर नहीं पहुंच गए। मामला गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले के पेंड्रा थाना क्षेत्र के तहत आमडाड गांव का है। परिजनों ने युवक को अस्पताल में भर्ती कराया जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। युवक की मौत होने के बाद पिटाई करने वाले आरोपी साक्ष्य मिटाने में जुटे हुए हैं। वहीं पुलिस ने मामला दर्ज कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई में जुटी है।

आठ मई को रामापनिका पेंड्रा से घर आमांडांड जा रहा था इसी दौरान बसंतपुर में रहने वाले साहू परिवार की दो महिलाएं एक बच्चे को लेकर सड़क में टहल रही थीं। तभी बच्चे के अचानक दौड़ लगाने पर बाइक सवार की महिला के साथ टक्कर हो गई। फिर क्या था महिला ने फोन कर अपने परिजनों को बुलाया और सबने मिलकर उसकी जमकर पिटाई की।

परिवार में अकेला कमाने वाला था

मामले की सूचना पाकर बाइक सवार का भाई मौके पर पहुंचा और रामापनिका को अस्पताल में भर्ती कराया जहां उपचार के दौरान रामापनिका की मौत हो गई। रामापनिका अपने परिवार में अकेला कमाने वाला था उसके माता-पिता बुजुर्ग हैं जबकि उसकी पत्नी की पहले ही मौत हो चुकी है और 10 साल का छोटा बच्चा है जो पिता की मौत के बाद अनाथ हो गया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने भगवान परशुराम की पूजा-अर्चना कर किए दर्शन

भोपाल। उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल शुक्रवार को भगवान परशुराम की जन्मस्थली जानापाव पहुंचे। यहां उन्होंने कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने जन्मस्थली पर बने भव्य मंदिर में दर्शन कर पूजा-अर्चना की। शुक्ल ने प्रदेश की समृद्धि तथा प्रदेश के नागरिकों की खुशहाली और समृद्धि के लिए कामना की। इस मौके पर ऊषा ठाकुर उपस्थित थीं।

मां ने पबजी खेलने से मना किया तो 14 साल के बच्चे ने आत्महत्या

जगदलपुर। जगदलपुर में नाना के घर आया 14 वर्षीय बच्चा बीती रात को गायब हो गया जिसके बाद परिजनों ने काफी खोजबीन की लेकिन बच्चे का कही भी पता नही चला। वहीं शनिवार की सुबह बच्चे का शव नए पुल में पाया गया। इसके अलावा घर में एक सुसाइट नोट भी बरामद किया गया है, जिसमें परिजनों के द्वारा पबजी खेलने नहीं देने का जिक्र किया गया है। मामले की जानकारी देते हुए कोतवाली थाना प्रभारी सुरेश जांगड़े ने बताया कि बनारस के मुगलसराय में रहने वाले सुनील गुप्ता का छोटा बेटा अभिनव गुप्ता अपनी माँ सुसुम के साथ नाना रामदुलारे के लालबाग निवास में रहने के लिए आया था। बच्चे को पबजी खेलने से मना करने के बाद भी अभिनव ने पबजी खेलना बंद नहीं किया। जिसके चलते मां ने फोन छीन लिया। फोन छीनने के बाद गुस्से में अभिनव शुक्रवार की शाम को घर से निकल गया, जिसके बाद परिजनों ने काफी खोजबीन की लेकिन कहीं नहीं मिलने पर थाना कोतवाली में शिकायत दी गई। आज सुबह डोंगाघाट के बच्चे जब नदी में नहाने गए तो एक शव को पानी में उतराता देखा। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकाला और परिजनों को जानकारी दी। परिजनों ने शव की शिनाख्त की इसके बाद शव को पीएम के लिए मेकाज भेजा गया। वहीं घटना के बाद से परिजनों का बुरा हाल है।

लोगों को पर्यावरण के प्रति लगाव का दिया संदेश

जगदलपुर की 14 सदस्यीय टीम ने बर्फ से ढकी 15 हजार फीट से ज्यादा ऊंची चोटी पर फहराया तिरंगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जगदलपुर

जगदलपुर शहर की 14 सदस्यीय टीम ने लोगों को जागरूक करने के साथ ही पर्यावरण के प्रति लगाव को लेकर उत्तराखंड के पहाड़ पर चढ़ तिरंगा फहराया। जगदलपुर के किशोर पारेख ने बताया कि उत्तराखंड के चमोली जिले की बर्फ से घिरे पहाड़ी की चोटी पर 6 मई को तिरंगा फहराया गया। टीम में कुल 14 सदस्यों ने 15 हजार फिट से ज्यादा कि ऊंचाई पर स्थित पांगर्चुल्ला की चोटी पर चढ़ाई करने में सफलता पाई और तिरंगा फहराया।

उन्होंने बताया कि 5-6 मई की रात करीब एक बजे उन्होंने चोटी पर चढ़ना शुरू किया। बेस कैंप से लगभग छह किमी की ऊंची चढ़ाई कर बर्फ से घिरे कई पर्वतों को पार कर दल सुबह लगभग आठ बजे पांगर्चुल्ला पहुंचा। तापमान -7 डिग्री था, लेकिन तेज ठंडी हवाओं के कारण -10 डिग्री का अनुभव दिला रहा था। इस अभियान में युवा, बुजुर्ग व महिलाएं भी शामिल थी। सभी ने पूरे जोश, उत्साह के साथ अपने इस मुश्किल अभियान को सफल बनाया। उन्होंने आगे कहा कि अभियान के सदस्यों को मौसम की मार भी झेलनी पड़ी। खराब मौसम और बारिश के कारण इस अभियान को एक दिन के लिए टालना भी पड़ा था। अभियान के सदस्यों ने पहले दिन दुगासी से चढ़ाई शुरू की गई। गुलिंग पहुंचकर दल ने वही रात्रि विश्राम किया। अगले दिन गुलिंग से खुल्लारा तक की चढ़ाई गई। यह मार्ग घने जंगलों के बीच से दुर्गम चढ़ाई का था। अंततः छठे दिन दल ने अपना लक्ष्य हासिल किया और 15 हजार फिट से ज्यादा ऊंचाई पर स्थित पांगर्चुल्ला पर चढ़ने में सफलता प्राप्त की।

किशोर पारेख ने इस अभियान को बेहद रोमांचक और यादगार बताया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण के प्रति लगाव होने के कारण पिछले काफी समय से उनके मन में हिमालय की किसी चोटी पर ट्रेकिंग करने की इच्छा थी, जो अब पूरी हुई।

दौड़पंडरी पानी में ये हुई मुठभेड़, सर्चिंग जारी

पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़, एक को किया ढेर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ धमतरी

धमतरी में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में एक पुरुष नक्सली मारा गया। इलाके में सर्चिंग जारी है। गरियाबंद सरहदी इलाके के दौड़पंडरी पानी में ये मुठभेड़ हुई है। नक्सल ऑपरेशन की एसडीओपी नगरी आरके मिश्रा ने जानकारी दी है।

धमतरी में महीने भर के अंदर पुलिस को दूसरी बड़ी सफलता मिली है। डीआरजी और सीआरपीएफ की टीम ने एक नक्सली को मार गिराया है। बताया गया कि नगरी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम भैसामुंडा के जंगल में मैनपुर नुआपाड़ा संयुक्त डिवीजन के माओवादियों की उपस्थिति की सूचना पुलिस को मुखबिर के जरिए मिली थी। इस पर एसपी आंजनेय

वार्ष्णेय ने धमतरी डीआरजी और सीआरपीएफ की टीम को भैसामुंडा के जंगल में सर्च ऑपरेशन के लिए भेजा।

नक्सलियों द्वारा जवानों को देखकर फायरिंग शुरू कर दी गई, जिस पर जवाबी हमला करते हुए धमतरी की सीआरपीएफ और डीआरजीपी की टीम ने एक नक्सली को मार गिराया है, जिसका नाम वशु बताया जा रहा है। वहीं एक नक्सली को गोली लगने की सूचना मिली है।

अब जबकि तीन चरण के चुनाव हो चुके हैं और एक दिन बाद 13 मई को चौथे चरण के चुनाव होने हैं, इस बीच दो मुद्दे मुस्लिम समाज से जुड़े हुए सामने आए हैं। आत्ममंथन और आबादी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक मीडिया समूह को दिए साक्षात्कार के दौरान मुस्लिम समाज से भावुक अपील की है कि वे आत्ममंथन करें कि अब तक जिन दलों ने उन्हें वोट बैंक बनाए रखा है, उन्होंने उनकी समग्र प्रगति के लिए क्या किया है? प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मुस्लिम समाज दुनिया में बदल रहा है। यह बदलाव सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन आदि देशों में साफ दिखाई पड़ता है। खाड़ी के देशों में योग की ओर मुसलमानों का आकर्षण है, वे योग करते हैं, योग सिखने भारत आते हैं लेकिन भारतीय मुसलमानों ने योग को ही इस्लाम विरुद्ध मान लिया। सऊदी अरब में योग सरकारी सिलेबस का विषय है। जो विषय दुनिया के मुसलमानों के लिए इस्लाम विरोधी नहीं होता, जिसे वे अपनाते हैं, वही विषय भारत के मुसलमानों के लिए इस्लाम विरोधी क्यों हो जाता है? उन्हें समय के साथ बदलने से कौन विमुख रख रहा है? आर्थिक सलाहकार परिषद की रिपोर्ट के मुताबिक, 1950 से 2015 तक की 65 साल की अवधि में बहुसंख्यक हिन्दू करीब 8 फीसदी घटे हैं और मुसलमानों की बढ़ोतरी 43.15 फीसदी हुई है। आबादी का यह असंतुलन चुनौतीपूर्ण, खतरनाक, चिन्ताजनक और विस्फोटक हो सकता है! खाद्य सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती हो सकती है। दोनों विषयों-वोट बैंक नैरेटिव और आबादी विस्फोट का राजनीतिक आंकलन करता आजकल का यह अंक...

समग्रता में 'आत्ममंथन' की जरूरत

विश्लेषण
सुशील राजेश
वरिष्ठ पत्रकार

प्रधानमंत्री मोदी ने देश के मुसलमानों से सीधे तौर पर संवाद कर आत्ममंथन की अपील की है। मुस्लिमों का दूसरा मुद्दा आबादी से जुड़ा है। 1951 में देश में करीब 3.5 करोड़ मुसलमान थे, जिनकी आबादी 2023 में बढ़ कर 20 करोड़ के पार हो गई। 1950 से 2015 तक की 65 साल की अवधि में बहुसंख्यक हिन्दू आबादी 84.68 फीसदी से घटकर 78.6 फीसदी हो गई है, जबकि मुस्लिम आबादी 9.84 फीसदी से बढ़ कर 14.09 फीसदी हो गई है। हिन्दू करीब 8 फीसदी घटे हैं और मुसलमानों की बढ़ोतरी 43.15 फीसदी हुई है। प्रधानमंत्री ने 'आत्मचिंतन' की नसीहत इसलिए दी है, ताकि मुसलमान सोच सकें कि जिन्होंने उन्हें वोट बैंक बनाए रखा, उन्होंने आखिर क्या दिया है? मुसलमानों को क्या फायदे मिले हैं?

आज हमारे सामने दो मुद्दे हैं। दोनों में मुस्लिम साझा बिन्दु हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने पहली बार देश के मुसलमानों से ऐसी अपील की है, जो भावुक लगती है। दूसरा मुद्दा हिन्दू-मुसलमान की आबादी से जुड़ा है। फिलहाल भारत की जनसंख्या करीब 144 करोड़ है, जो विश्व में सर्वाधिक है। हालांकि 2021 में जनगणना नहीं की जा सकी, क्योंकि वह कोरोना वैश्विक महामारी का दौर था। जनगणना 2011 में की गई थी, उसके बाद 13 साल गुज़र चुके हैं, लेकिन कोई अधिकृत जनगणना नहीं हुई है। 2011 में हिन्दू आबादी 79.80 फीसदी थी, जबकि मुस्लिम आबादी 14.20 फीसदी। मुसलमानों की बढ़ोतरी दर करीब 25 फीसदी थी, जबकि हिन्दुओं की बढ़ोतरी दर करीब 17 फीसदी। यानी हिन्दुओं की तुलना में मुसलमान ज्यादा बढ़ रहे थे। आज़ादी के बाद 1951 में देश में करीब 3.5 करोड़ मुसलमान थे, जिनकी आबादी 2023 में बढ़ कर 20 करोड़ के पार हो गई। अब तो यह आंकड़ा भी बदल चुका होगा! गौरतलब है कि 1951 से आज तक मुसलमानों की आबादी एक बार भी नहीं घटी, लगातार बढ़ती रही है। अब प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की एक रपट के जरिये चौंकाने वाले आंकड़े और रुझान सामने आए हैं। रपट में 1950 से 2015 तक जनसंख्या के रुझान के आंकड़े दिए गए हैं। ये इस कालखंड में जनगणना के दौरान भी सामने आए होंगे तो फिर आर्थिक सलाहकार परिषद की ऐसी रपट तब क्यों सार्वजनिक की गई, जब आम चुनाव, 2024 के तीन चरण के मतदान सम्पन्न हो चुके हैं? लोकसभा की 282 सीटों, करीब 52 फीसदी, पर जनादेश ईवीएम में दर्ज हो चुका है। देश का एक तबका रपट को 'फर्जी' क्यों करार दे रहा है?

बहुसंख्यक आबादी घटी

रपट के मुताबिक, 1950 से 2015 तक की 65 साल की अवधि में बहुसंख्यक हिन्दू आबादी 84.68 फीसदी से घटकर 78.6 फीसदी हो गई है, जबकि मुस्लिम आबादी 9.84 फीसदी से बढ़ कर 14.09 फीसदी हो गई है। हिन्दू करीब 8 फीसदी घटे हैं और मुसलमानों की बढ़ोतरी 43.15 फीसदी हुई है। आबादी का यह असंतुलन चुनौतीपूर्ण, खतरनाक, चिन्ताजनक और विस्फोटक हो सकता है! भारत, इंडोनेशिया, मलेशिया, सूडान, सर्बिया आदि देशों में आबादी के असंतुलन के कारण विभाजन देख चुका है। देश दोफाड़ हुए हैं और नए देश बने हैं। इंडोनेशिया कभी हिन्दू, बौद्ध बहुल देश था, लेकिन आज दुनिया के सबसे अधिक मुसलमान इंडोनेशिया में ही रहते हैं और बौद्ध अल्पसंख्यक हो गए हैं। मलेशिया में भी मुसलमान सबसे ज्यादा तादाद में नहीं थे। रपट में भारत में मुसलमान आबादी के जो आंकड़े दिए गए हैं, उनमें वे शामिल नहीं हैं, जो जनगणना जैसे अभियानों का बहिष्कार करते रहे हैं। 65 साल की मुस्लिम आबादी में रोहिंग्या भी शामिल नहीं हैं। इस लिहाज

से मुस्लिम आबादी की बढ़ोतरी अधिक हो सकती है। रपट के मुताबिक, हिन्दुओं के साथ-साथ जैन और पारसी की आबादी भी घटी है। मुसलमानों के अलावा, सिख, बौद्ध, ईसाई की आबादी बढ़ी है। जैन, पारसी, ईसाई, बौद्ध, सिख समुदाय भी अल्पसंख्यक वर्ग में आते हैं। देश में पारसियों की आबादी तो करीब 57000 बताई जाती है, लेकिन उन्होंने अपने अधिकारों के लिए जन-आंदोलन नहीं छेड़े। मुसलमान ही अल्पसंख्यक के तमाम फायदे उठाते रहे हैं।

खाद्य सुरक्षा के लिए भी गंभीर चुनौती

मुस्लिम आबादी लगातार बढ़ती रही है, इसके बुनियादी कारण बांग्लादेश से घुसपैठ, धर्मान्तरण, मुस्लिम नेताओं, धर्मगुरुओं द्वारा ज्यादा बच्चे पैदा करने के आह्वान, 2011 तक ज्यादा प्रजनन दर, अशिक्षा, अज्ञानता आदि हैं। यह बढ़ोतरी देश की खाद्य सुरक्षा के लिए भी गंभीर चुनौती है। देश के संसाधन कम पड़ सकते हैं। पहले घुसपैठ बांग्लादेश से अधिक हुई, क्योंकि 1971 में पाकिस्तान विभाजन के साथ युद्ध भी हुआ। लोग बांग्लादेश से भाग कर भारत में आए। संघ-भाजपा 2 करोड़ से अधिक ऐसे घुसपैठिए मानते रहे हैं। जब म्यांमार से पलायन शुरू हुआ, तो रोहिंग्या मुसलमानों ने भारत में घुसपैठ की। म्यांमार के बाद भारत में हिन्दुओं की आबादी में सर्वाधिक गिरावट हुई है। नेपाल भी बुनियादी तौर पर हिन्दू राष्ट्र है, लेकिन उसकी भी हिन्दू आबादी 3 फीसदी घटी है। रपट के मुताबिक, नेपाल में 84 फीसदी हिन्दू थे, लेकिन 1950-2015 के दौरान 81 फीसदी रह गए। रपट बताती है कि दुनिया में बहुसंख्यकों की हिस्सेदारी 22 फीसदी घटी है। दुनिया में जिन देशों में हिन्दू और बौद्ध समुदायों की संख्या अच्छी-खासी थी, वह आबादी घट रही है। पाकिस्तान में करीब 80 फीसदी हिन्दू घटे हैं और बांग्लादेश में यह गिरावट करीब 66 फीसदी है। यह बेहद महत्वपूर्ण सवाल है कि आखिर हिन्दू आबादी लगातार कम क्यों होती जा रही है?

रिपोर्ट पर भी सवाल

सवाल समुदाय के लोगों की प्रजनन दर का भी है। दशकों तक मुसलमानों की औसत प्रजनन-दर 4-6 फीसदी रही, लेकिन अब 2021 वाले दौर में यह घटकर 2.36 फीसदी हो गई है। यह प्रजनन-दर हिन्दुओं में औसतन 1.94 फीसदी है। यह जनसंख्या-विस्फोट की स्थिति नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी जनसंख्या संबंधी कानून के पक्षधर नहीं हैं, लेकिन एक सीमा के बाद उसे देश और समाज के विकास में रोड़ा भी मानते हैं। बहरहाल आबादी का यह असंतुलन इसी गति से जारी रहा, तो कई संकट उभर सकते हैं। चिंताजनक पहलू यह भी है कि भारत को किन राजनीतिक दलों की सरकारों ने घुसपैठियों की धर्मशाला बना दिया? आम चुनाव के दौरान सवाल तो इस रपट पर भी किए जा रहे हैं कि 2015 तक की रपट 2024 में सार्वजनिक क्यों की गई है? 2011 तक के अधिकृत आंकड़े तो देश के पास उपलब्ध हैं। मात्र 4 साल के अंतराल में जनसंख्या में कितने बदलाव हुए, यह आज 2024 में क्यों प्रासंगिक है? क्या आम चुनाव है, इसलिए राजनीतिक सवाल उठाए जा रहे हैं?

अपील भी नसीहत भी

बीते दिनों प्रधानमंत्री मोदी ने कुछ टीवी चैनलों को साक्षात्कार दिए थे। उनमें उन्होंने मुसलमानों को 'आत्मचिन्तन' करने की अपील भी की है और नसीहत भी दी है। यह पहला मौका है जब प्रधानमंत्री मोदी ने मुस्लिम समाज से सीधे संवाद किया है और उन्हें आत्मचिंतन करने की बात कही है कि अब तक कौन लोग, कौन दल रहे हैं, जो उन्हें केवल वोट बैंक मानते रहे हैं, उन्हें वे पहचानें। प्रधानमंत्री ने किसी पार्टी का वोट बैंक या बंधक बनने के बजाय खुले दिमाग से सोचने की नसीहत दी है। प्रधानमंत्री मोदी का मानना है कि एक सीधी लकीर की तरह वोट देना और वह भी हिन्दू-विरोध के नाम पर भाजपा जैसे राष्ट्रवादी दलों के खिलाफ मुसलमानों का वोट करना एक पूर्वाग्रही ट्रेंड है। प्रधानमंत्री का आशय इस ट्रेंड को बदलने की जरूरत से है। मुस्लिम वोट बैंक बन कर न रह जाएं, विवेक से मतदान का निर्णय करेंगे, तो न ही कोई उन्हें वोट बैंक जैसा व्यवहार करेगा, न ही उन्हें कोई छद्म डर से डरा सकेगा। यह समय मुस्लिम वोट बैंक की तुष्टिकरण राजनीति करने वालों की पहचान करने का है और जो डर उनके मन में बिठाया गया है, उससे बाहर निकलने का है। अच्छी तादाद में मुसलमान पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के दौर में भी भाजपा को वोट देते थे और आज प्रधानमंत्री मोदी के सूत्रवाक्य- 'सबका साथ, सबका विकास...'का समर्थन करते हुए 12-15 फीसदी मुसलमान भाजपा के पक्ष में वोट कर रहे हैं। यकीनन देश की आज़ादी के बाद कांग्रेस अधिकांश समय सत्तारूढ़ रही। 1951 से 1975 तक तो कांग्रेस को कोई चुनौती ही नहीं थी, लिहाजा उसने अपनी चुनावी रणनीति के तहत मुसलमानों को 'वोट बैंक' की तरह बांधे रखा और दलितों, आदिवासियों, कुछ पिछड़ी जातियों में भी कांग्रेस के जनाधार बनाए। हालांकि केंद्र में वाजपेयी सरकार के 6 साल और मोदी सरकार के 10 साल के अलावा या तो कांग्रेस सत्ता में रही है अथवा बाहरी समर्थन से लड़खड़ाती सरकारें बनवाई हैं। जब कांग्रेस से अलग होकर या उसका विरोध करते हुए क्षेत्रीय दलों के उभार का दौर आया, तो मुसलमान सपा, बसपा, राजद और तृणमूल कांग्रेस की ओर भी ध्रुवीकृत हुए।

आंकलन वक्ती जरूरत

प्रधानमंत्री ने 'आत्मचिंतन' की नसीहत इसलिए दी है, ताकि मुसलमान सोच सकें कि जिन्होंने उन्हें वोट बैंक बनाए रखा, उन्होंने आखिर क्या दिया है? मुसलमानों को क्या फायदे मिले हैं? किसी प्रधानमंत्री ने शायद यह भी पहली बार कहा है कि यदि एक सांप्रदायिक वृत्तांत गढ़ने की कोशिश न की जाती और मुसलमानों के रहनुमा बनकर अपने खेमे में बांधे रखने की सियासत नहीं की गई होती, तो दौर उतने भयावह न होते! मुलायम सिंह को 'रामसेवकों' पर गोलियों की बौछार न करनी पड़ती! प्रधानमंत्री ने तीन तलाक से लेकर शाहबानों के संदर्भ भी उठाए। 'सच्चर कमेटी' के निष्कर्षों का भी जिक्र किया। सवाल नहीं, यह हकीकत है कि औसत मुस्लिमों को गरीबी, अशिक्षा, बदहाली और भुखमरी ही मिली। अब इस चुनाव में मुस्लिम आरक्षण के जरिये वोट बैंक को भुनाने की सियासी कवायद जारी है, जिसके पलट जवाब में प्रधानमंत्री मोदी को अपने दलित, आदिवासी और ओबीसी समर्थक जमातों को विश्वास दिलाना पड़ रहा है कि धर्म के आधार पर आरक्षण लागू नहीं होगा। सारांश यह है कि मौजूदा दौर में मुस्लिमों को अपनी स्थिति के बारे में सही मायने में 'आत्ममंथन' करने की जरूरत है।

क्या मुस्लिम समाज आत्मचिंतन करेंगे?

दो टूक
अवधेश कुमार
वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मुसलमानों से अपने राजनीतिक-सामाजिक व्यवहार पर आत्ममंथन करने की अपील पर गंभीर बहस होनी चाहिए। यह बात सही है कि लोकसभा चुनाव के बीच इस तरह की अपील के राजनीतिक मायने निकाले जाएंगे और निकाले जा भी रहे हैं। भाजपा विरोधी यह कहकर हमला कर रहे हैं कि अपनी हार की डर से घबराकर मोदी ने मुसलमानों के सामने अपील की है । प्रधानमंत्री मोदी की छवि को विरोधियों ने ऐसे मुस्लिम विरोधी नेता की बनाने की कोशिश की है, जहां तनिक भी बाएं-दाएं दिखने पर उनकी ऐसी ही प्रतिक्रिया आती है। प्रश्न है कि प्रधानमंत्री के भारतीय मुसलमानों पर दिए गए वक्तव्य को किस रूप में देखा जाए? यह सच है जैसा प्रधानमंत्री ने स्वयं कहा है कि मैंने पहले कभी इन विषयों पर बातचीत नहीं की। मुसलमानों को लेकर सबसे ज्यादा आरोप प्रधानमंत्री मोदी पर ही लगाए गए। अपने मुख्यमंत्रीत्वकाल के आरंभ में अवश्य उन्होंने अपना पक्ष रखने की कोशिश की, लेकिन बदलाव न दिखने पर इस विषय पर बोलना ही बंद कर दिया। यह भी सच है कि उन्होंने पहली बार मुसलमानों से आत्ममंथन करने को कहा है। तो आखिर क्यों?

जनमत को विकृत किया

एक मीडिया समूह को दिए गए साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि आप यदि यह सोचते रहेंगे कि सत्ता में किसे बिठाएंगे और किसे उतारेंगे, उससे अपने बच्चों का भविष्य ही खराब करेंगे। कोई चाहे इसे किस रूप में भी देखें स्वतंत्रता के बाद से पहले कांग्रेस और बाद में ज्यादातर पार्टियों ने वोट के लिए मुसलमानों के बीच जनमत को विकृत किया। दुर्भाग्य से मुसलमान समाज के पढ़े-लिखे लोगों में से बड़े वर्ग ने कभी इसका मूल्यांकन नहीं किया कि स्वतंत्रता के बाद कांग्रेस और उसके बाद अन्य कई पार्टियों ने उनके अंदर डर पैदा कर वोट तो लिया पर उनके उत्थान, वास्तविक कल्याण या विकास के लिए जो करना चाहिए वह नहीं किया गया। ऐसे- ऐसे मुद्दे पार्टियों और सरकारों ने उठाए और उन पर काम किया जो भावनात्मक रूप से उनको छूते थे या उनके समाज में यथास्थिति को बनाए रखने वाले थे, जो उनके सामाजिक आर्थिक सांस्कृतिक विकास में बाधक थे और मजहबी रूप से सच नहीं। इस चुनाव में भी लगभग यही हो रहा है। मुसलमानों के अंदर यह भय पैदा किया जा चुका है कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सत्ता में लौटी तो भारत में इस्लाम के लिए कयामत आ जाएगी, वो अपनी इच्छा अनुसार इस्लामी मजहब का पालन भी नहीं कर सकेंगे। यह पहला चुनाव है जहां मुसलमानों के अगुवा माने जाने वाले व्यक्तियों के बड़े समूह ने भाजपा को वोट न देने को दीन और ईमान का विषय बना दिया है। अगर समुदाय का बहुमत इस रूप में सोचता है कि एक पार्टी को सत्ता से हटाना ही इसका मुख्य कर्तव्य है और इसी में उसकी ऊर्जा और परिश्रम लग रहा है तो किसी का हित नहीं होगा। तो फिर?

आरोपों पर भी बातचीत

प्रधानमंत्री ने मुस्लिम विरोधी होने के आरोप पर भी बातचीत की। उन्होंने कहा कि न हम इस्लाम के विरोधी हैं और न मुसलमान के। हमारा ये काम ही नहीं है। उन्होंने यह प्रश्न उठाया कि मुसलमान इस पर विचार करें कि सरकारी व्यवस्थाओं का लाभ उन्हें कांग्रेस के शासनकाल में क्यों नहीं मिला? अगर लाभ मिला होता तो मनमोहन सिंह के नेतृत्व में चलने वाली यूपीए

सरकार को सच्चर समिति के माध्यम से मुसलमानों के हर क्षेत्र में पिछड़े होने की रिपोर्ट सामने नहीं लानी पड़ती। हालांकि सच्चर रिपोर्ट अतिवाद से भरी थी तथा तथ्यों के नाम से सामने रखे गए अनेक बिंदु विचारों और कल्पनाओं वाले थे। इसके बावजूद वह बताती थी कि उस समय तक की सरकारों ने मुसलमानों को एक वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया या मुसलमान स्वयं उनके मतदाता के रूप में इस्तेमाल हुए, न उनका समुचित सामाजिक-आर्थिक-सांस्कृतिक विकास हुआ न राजनीति के क्षेत्र में भी उस स्थान तक पहुंचे जहां उन्हें पहुंचना चाहिए था। भारतीय मुसलमानों के अगुवा वर्ग का एप्रोच सही होता तो उनकी मानसिकता बदलती और नरेंद्र मोदी सरकार दुश्मन नहीं नजर आती। इस सरकार के कार्यकाल में पंथ, मजहब, जाति या रंग के आधार पर सरकारी नीतियों में किसी तरह के भेदभाव का एक भी प्रमाण नहीं है। सच यह है कि भारतीय मुसलमानों को हिंदुओं की तुलना में आबादी के प्रतिशत से ज्यादा लाभ सरकार की योजनाओं का मिला है।

साफ दिख रहा बदलाव

जो विषय दुनिया के मुसलमानों के लिए इस्लाम विरोधी नहीं होता, जिसे वे अपनाते हैं वही विषय भारत के मुसलमानों के लिए इस्लाम विरोधी हो जाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मुसलमान समाज दुनिया में बदल रहा है। यह बदलाव सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन आदि देशों में साफ दिखाई पड़ता है। ज्यादातर देशों ने अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से प्रधानमंत्री मोदी को सम्मानित किया है। जब नैरेटिव में फंसकर मानकर चलेंगे कि यह नेता और इसकी सरकार या पार्टी और संगठन परिवार मुस्लिम विरोधी ही है तो आप अपने संकुचित परिधि से बाहर नहीं निकल सकते। खाड़ी के देशों में योग की ओर मुसलमानों का आकर्षण है, वे योग करते हैं, योग सिखने भारत आते हैं लेकिन भारतीय मुसलमानों ने योग को ही इस्लाम विरुद्ध मान लिया। सऊदी अरब में योग सरकारी सिलेबस का विषय है। ऐसी अनेक बातें हैं जिनमें भारतीय मुसलमान के व्यवहार को देखकर हैरत होती है। उदाहरण के लिए एक साथ तीन तलाक का इस्लाम मजहब में कहीं स्थान नहीं है। शरीयत के अनुसार चलने वाले शासन के मुल्कों में भी अनेक ऐसे हैं जिन्होंने एक साथ तीन तलाक को गैर इस्लामी घोषित किया हुआ है। मोदी सरकार ने इसके विरुद्ध कानून पारित किया और यह सही था, पर इसे मजहब के विरुद्ध घोषित कर आज भी मुसलमान के बड़े चेहरे आग उगलते रहते हैं। अनुच्छेद 370 का इस्लाम से क्या लेना देना था? जम्मू कश्मीर तो छोड़िए देशभर के मुसलमानों का एक बड़ा वर्ग इसे लेकर छाती पीट रहा है। गोहत्या निषेध मुसलमान के विरुद्ध कदम कैसे हो गया? समान नागरिक संहिता में किसी मजहबी कर्मकांड पर रोक नहीं है। लंबे समय से मुसलमानों के दिमाग में बिठा दिया गया कि समान नागरिक संहिता इस्लाम के विरुद्ध है।

समझने की जरूरत

इस तरह के नैरेटिव से मुस्लिम समाज को बाहर आने की आवश्यकता है। क्या प्रधानमंत्री की अपील के बावजूद ऐसा लगता है कि भारतीय मुसलमान आत्ममंथन करेंगे और उन्हें वोट के रूप में देखने वाली पार्टियां ऐसा करने देंगी? इसकी उम्मीद कम है पर,मुसलमानों को यह समझना चाहिए कि हमारे देश के बेईमान और पाखंडी नेताओं ने वोट के लिए सीधा अप्रोच यही बनाया कि उनके समाज के दोषों को दूर करने या उन्हें मुख्यधारा में लाने की जगह जहां जैसे हैं वैसे ही छोड़ दो और उनके हितैषी होने का प्रदर्शन करते रहो। बस रोजा के समय बड़ी इफ्तार पार्टियां दे दो, बड़े मुस्लिम चेहरों द्वारा आयोजित इफ्तार में शामिल हो जाओ आदि। इस तरह के तुष्टिकरण से ही आज तक उनका काम चल गया। क्या कभी मुसलमानों ने यह सोचा है कि इस तरह के व्यवहार से उन्हें प्राप्त क्या हुआ? कोई आपके लिए इफ्तार पार्टी न दे, आपके साथ नमाज अदा करने का नाटक न करे, आपकी टोपी न पहने, लेकिन आपके लिए शिक्षा, स्वास्थ्य की व्यवस्था करे, गरीब मुसलमानों के लिए उचित आवास दे, उनके घरों में बिजली और पानी पहुंचाए तो क्या उसे मुस्लिम विरोधी सरकार कहा जाएगा? नरेंद्र मोदी सरकार यही तो कर रही है। इसलिए मोदी ने जो कहा है उसे आम मुसलमान सकारात्मक दृष्टि से लें।

देश की एकता के लिए हो राजनीति

दरकार
सुरेश हिंदुस्थानी
राजनीतिक विश्लेषक

लोकसभा चुनाव के दौरान राजनेताओं के बयान सुनकर ऐसा लगने लगता है कि ये अपनी हदों को पार कर करने लगे हैं। अभी हाल ही में कांग्रेस के नेता सैम पित्रोदा के बयान की तारतम्यता यही है कि इस नेता ने भारत में भेद पैदा करने के प्रयास किए हैं। भारत में जिस सामाजिक विघटन की राजनीति की जा रही है, उससे समाज की शक्ति का लगातार पतन ही हुआ है। कभी तुष्टिकरण तो कभी वोट बैंक की राजनीति के बहाने सामाजिक एकता की राह में अवरोध पैदा करने के प्रयास किए गए, जिसके कारण भारतीय समाज के बीच जो विविधता की एकता को दर्शाने वाली परंपरा रही, उसकी जड़ों में मट्ठा डालने का अनवरत प्रयास किया गया। यह सभी जानते हैं कि जिस देश का समाज कम से कम राष्ट्रीय मामलों पर एक स्वर व्यक्त करता है, वहां किसी भी प्रकार के सामाजिक बिखराव के प्रयास धूमिल ही होते हैं, लेकिन कुछ राजनीतिक दलों को यह सामाजिक एकता अच्छी नहीं लगती, इसलिए वह फूट डालो और राज करो वाली नीति अपनाते हुए ही अपनी राजनीति करते हैं। ऐसे लोगों को भारत की सांस्कृतिक एकता खटकती है। ऐसे लोग कुत्सित राजनीति के माध्यम से भारतीय जनमानस में ऐसे बीज बोने का ही काम करते हैं, जो प्रथम दृष्टया विभाजनकारी ही कहे जा सकते हैं। ऐसे बयानों पर पूरी तरह से रोक लगनी चाहिए।

नफ़रत की दरार

राजनीतिक दलों ने अपना स्वार्थ साधने के लिए पूर्व और पश्चिम को अलग पहचान के रूप में प्रचारित करने में जोर लगाया, तो वहीं उत्तर और दक्षिण के लोगों के मन में नफ़रत की दरार को और ज्यादा चौड़ा किया, जबकि हमारे देश के नायकों ने एक भारत के रूप में स्वतंत्रता प्राप्त की। आज की राजनीति को देखते हुए यही कहा जा सकता है कि उनके सपनों को पूरा करने का ईमानदारी से प्रयास नहीं किया जा रहा। इसी कारण कहीं जातिवाद को हवा दी रही है तो कहीं तुष्टिकरण का प्रयास किया जा रहा है। जरूरत है हमारे राजनीतिक दल समाज को एक करने की दिशा में कदम उठाएं। इससे समाज का तो भला होगा ही, देश भी मजबूत होगा।

ऐसे बयान ही क्यों

वर्तमान में कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने अस्तित्व बरकरार रखने के जिस प्रकार का परिश्रम किया जा रहा है, वह निस्संदेह आवश्यक भी था, लेकिन कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पिछले दो चुनावों की तरह इस बार भी पार्टी के इस अभियान को पलीता लगाते हुए दिखाई दे रहे हैं। कांग्रेस पार्टी के

वरिष्ठ नेताओं में शामिल विदेशी अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने जो बयान दिया है, उसे अनजाने में दिया बयान समझकर खारिज नहीं किया जा सकता, क्योंकि सैम पित्रोदा कांग्रेस नेताओं के बहुत ख़ास रहे हैं। यहां तक कि राहुल गांधी के विदेशी दौरे भी यही प्रबंधित करते हैं। सैम पित्रोदा ने जो बयान दिया है, उससे भारत की कांग्रेस ने भले ही किनारा कर लिया हो, लेकिन विदेशों में सैम पित्रोदा भारत को किस रूप में प्रस्तुत करते होंगे, इस बात का सहज़ अनुमान लगाया जा सकता है। सैम पित्रोदा के बयान का आशय यह भी निकाला जा सकता है कि वे भारत को एक देश के रूप में नहीं देख सकते। उनकी नजरों में शायद भारत की चारों दिशाओं में अलग अलग देश दिखाई देते हैं। कुछ ऐसे ही बयानों के कारण कांग्रेस अपने अस्तित्व से जूझ रही है। कुछ इसी प्रकार के बयान कांग्रेस के अन्य नेता भी देते रहे हैं। एक बार मैंने अपने एक लेख में लिखा था, जिसका उल्लेख अन्य लेखक भी कर चुके हैं कि कांग्रेस प्रधानमंत्री मोदी का विरोध करते करते अनजाने में देश का विरोध करने लगती है। हालांकि कांग्रेस नेताओं का आशय देश विरोध का नहीं होगा, लेकिन सवाल यह है कि कांग्रेस के नेता ऐसे बयान देते ही क्यों हैं, जिसका एक अर्थ ऐसा भी निकलता है, जिससे देश का विरोध होने का संकेत मिलता है।

पराजय का बोध नहीं

राहुल गांधी के इर्द गिर्द राजनीति करने वाले कांग्रेस के बड़े नेताओं के पलायन करने के बाद भी अगर शीर्ष नेतृत्व इस बात से अनभिज्ञ है कि कांग्रेस की ऐसी दुर्दशा क्यों हो रही है? तो स्वाभाविक ही है कांग्रेस को अपनी पिछली दो शर्मनाक पराजय का बोध भी नहीं हो सकता। अभी तक के राजनीतिक इतिहास में अपने सबसे बड़े दुर्दिनों का सामना कर रही कांग्रेस पार्टी समूहों में विभाजित होकर अवनति के मार्ग पर बढ़ती जा रही है। यह समस्याएं उसकी खुद की देन हैं, इसलिए यह कहा जा सकता है कि वर्तमान में कांग्रेस की राजनीति में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। इसके पीछे बहुत सारे कारण हो सकते हैं, लेकिन सबसे बड़ा कारण यह भी माना जा रहा है कि आज की कांग्रेस में स्पष्ट दिशा और स्पष्ट नीति का अभाव सा पैदा हो गया है। राहुल गांधी युवाओं को आकर्षित करने में असफल साबित हुए हैं। इसमें उनकी अनियंत्रित बयानबाजी भी कारण है। हम जानते हैं कि कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने एक बार नहीं, बल्कि कई बार झूठे बयान दिए हैं, जिसमें वे माफी भी मांग चुके हैं। सबसे बड़ी विसंगति तो तब बनती है, जब अपने नेता के बयान को कांग्रेस के अन्य नेता समर्थन करने वाले अंदाज में निरर्थक रूप से पुष्ट करने का प्रयास करते हैं।

सफाई देने की स्थिति में नहीं

कांग्रेस अपनी कमियों को छिपाने के लिए भले ही भाजपा पर आरोप लगाने की राजनीति करे, लेकिन सत्य यह है कि इसके लिए कांग्रेस की कुछ नीतियां और वर्तमान में नेतृत्व की खामियां भी बहुत हद तक जिम्मेदार हैं। बयानों की राजनीति के बीच कांग्रेस एक बार फिर बैकफुट पर है। सैम पित्रोदा के बयान पर कांग्रेसी नेता सफाई भी देने की स्थिति में नहीं है। ऐसे बयान भारत को शक्तिशाली बनाने से रोकते हैं, इसलिए यह आज की आवश्यकता है कि भारत को शक्ति संपन्न बनाने की राजनीति की जाए।

दमदार रिटर्न दे रहा ईटीएफ निवेश की बनाएं रणनीति

मार्च 2024 में ईटीएफ में निवेश 10,500 करोड़ रुपये की नई ऊंचाई पर पहुंच गया। इसके पहले औसतन हर महीने 2,500 करोड़ रुपये का ही निवेश ईटीएफ में होता था। बाजार में ईटीएफ से जुड़े न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) भी आ रहे हैं। ईटीएफ में रिटर्न देखकर निवेशक आने लगे तो फंड हाउस भी एनएफओ लाने लगे हैं। भविष्य में ईटीएफ निवेश का अच्छा माध्यम बन सकता है।

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

रिटेल निवेशकों का मार्च 2024 में म्यूचुअल फंडों की स्मॉल-कैप स्कीम्स में निवेश कम हुआ है। वे लार्ज-कैप और एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) जैसे ऑप्शंस को तरजीह दे रहे हैं। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड इन इंडिया (एएमएफआई) के ताजा आंकड़ों से ये जानकारी सामने आई है। मार्च 2024 में ईटीएफ में निवेश 10,500 करोड़ रुपये की नई ऊंचाई पर पहुंच गया। इसके पहले औसतन हर महीने 2,500 करोड़ रुपये का ही निवेश ईटीएफ में होता था। बाजार में ईटीएफ से जुड़े न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) भी आ रहे हैं। म्यूचुअल फंड एक्सपर्ट्स का कहना है कि होटल वाले वही खाना पेश करते हैं, जिसकी डिमांड होती है। जब ईटीएफ में रिटर्न देखकर निवेशक आने लगे तो फंड हाउस भी एनएफओ लाने लगे हैं। ऐसे में निवेशकों का रुझान भी ईटीएफ की तरफ बढ़ने लगा है। लेकिन ईटीएफ में निवेश के लिए एक बेहतरीन रणनीति बनाई जानी चाहिए। इसके बाद ही ईटीएफ में निवेश करना चाहिए। इससे निवेशकों को कम समय में ही बढ़िया रिटर्न मिलेगा और वे जल्द मालामाल हो सकते हैं।

पिछले एक साल में कम से कम छह ईटीएफ ने 80 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न दिया है। टॉप मोस्ट राइजिंग फंड में लगभग 110 प्रतिशत की ग्रोथ हुई।

स्टॉक की तरह होता है कारोबार

ईटीएफ मतलब एक्सचेंज ट्रेडेड फंड का शेयर बाजार में आम स्टॉक की तरह कारोबार होता है। पिछले एक साल में कम से कम छह ईटीएफ ने 80 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न दिया है। टॉप मोस्ट राइजिंग फंड में लगभग 110 प्रतिशत की ग्रोथ हुई है। इनमें वे टॉप पर हैं, जो सरकारी कंपनियों में निवेश करते हैं। मतलब वे निफ्टी पीएसयू या पीएसई में निवेश करते हैं। ऐसे में रिटेल निवेशक इन पर टूट पड़े हैं। रिटेल निवेशकों के लिए जरूरी है कि पहले वे ईटीएफ के फायदे-नुकसान को समझें और बाद में निवेश करें।

अंतर समझना जरूरी

पीएसयू इक्विटी म्यूचुअल फंड और पीएसयू ईटीएफ के बीच का अंतर समझें। ईटीएफ में कई बार बाय-सेल में प्राइस डिफरेंस पे करना होता है। कुछ एक्सपर्ट्स का कहना है कि कुछ मामलों में लिक्विडिटी से लेकर सट्टा किस्म की जोखिम और जटिलताएं भी ईटीएफ से जुड़ी हैं।

क्या है पीएसई-ईटीएफ

निफ्टी पीएसई इंडेक्स में वे कंपनियां शामिल हैं जिनकी आउटस्टेंडिंग शेयर कैपिटल का 51% प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से केंद्र सरकार और/या राज्य सरकार के पास है। इसमें 20 स्टॉक्स हैं। बाजार के जानकारों का कहना है कि इस साल यह निवेशकों को अच्छा रिटर्न दे सकता है। ईटीएफ मतलब एक्सचेंज ट्रेडेड फंड, जो इंडेक्स, कमोडिटी, बॉन्ड्स जैसे असेट को ट्रेक करते हैं। सरल शब्दों में कहें तो ईटीएफ वे फंड हैं जो सीएनएक्स निफ्टी या बीएसई सेंसेक्स जैसे इंडेक्स को ट्रैक करते हैं। जब आप ईटीएफ के शेयर/यूनिट खरीदते हैं, तो आप एक पोर्टफोलियो के शेयर/यूनिट खरीद रहे हैं जो इसके नेटिव इंडेक्स की यील्ड और रिटर्न को ट्रैक करता है।

ईटीएफ मार्केट में चैलेंज

सर्वे के नतीजे बताते हैं कि लिक्विडिटी, मार्केट मूवमेंट और नए आइडिया पर आधारित प्रोडक्ट बड़े फैक्टर हैं, जो ईटीएफ मार्केट को चला रहे हैं, जबकि हिडन रिस्क और कम जानकारी ईटीएफ मार्केट के लिए बड़ी बाधाएं हैं, जिन पर म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री को ध्यान देने की जरूरत है। 'डिकोडिंग ईटीएफ परसेप्शन' शीर्षक से 15 शहरों में रह रहे 2109 निवेशकों के बीच किए गए इस सर्वे में महानगरों के साथ-साथ टियर 2 शहर भी शामिल हैं, जिसमें दिलचस्प नतीजे सामने आए हैं।

छोटे शहरों में बढ़ रहा क्रेज

म्यूचुअल फंड्स की ईटीएफ स्कीम्स को लेकर छोटे शहरों खासकर टियर 2 शहरों में तेजी से क्रेज बढ़ रहा है। 36-45 साल के निवेशकों के बीच इनकी डिमांड बढ़ रही। अलग-अलग मार्केट कैप प्रोडक्ट्स में लार्ज कैप और मिड कैप आधारित ईटीएफ की लोकप्रियता निवेशकों और निवेश की इच्छा रखने वाले लोगों के बीच ज्यादा है।

क्या है अंतर?

ईटीएफ और अन्य प्रकार के इंडेक्स फंड के बीच मुख्य अंतर यह है कि ईटीएफ अपने संबंधित इंडेक्स से बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश नहीं करते हैं, बल्कि केवल इंडेक्स के प्रदर्शन को दोहराते हैं। ईटीएफ पैसिवली मैनेज्ड होते हैं। इसका उद्देश्य एक विशेष मार्केट इंडेक्स से मेल खाना है, इसलिए इसका फंड मैनेजमेंट स्टाइल पैसिव होता है।

एक्टिव एमएफ एमएफ से अलग कैसे

शेयर बाजार में ट्रेडिंग के चलते इसे खरीदना और बेचना अपेक्षाकृत आसान है। इसमें निवेश के लिए आपको म्यूचुअल फंड के डिस्ट्रिब्यूटर के पास जाने की जरूरत नहीं पड़ती। म्यूचुअल फंड की आम स्कीमों में अपनी यूनिट्स बेचने के लिए भी आपको म्यूचुअल फंड कंपनी के पास जाना पड़ता है। शेयर बाजार में खरीद-फरोख्त होने से इसकी कीमत रियल टाइम होती है। ईटीएफ खरीदने के लिए आपको अपने ब्रोकर के माध्यम से डीमैट अकाउंट खोलना होता है। इसके माध्यम से आप खरीद फरोख्त कर सकते हैं। यह बात म्यूचुअल फंड स्कीम में लागू नहीं होती।

अब 30 की उम्र वालों के लिए सुपरहिट प्लान

- इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में निवेश करें, 30 साल तक छोड़ दें, हर माह 3000 रुपये लगाने पर मिलेंगे 4.50 करोड़।
- इसमें 3.91 करोड़ रुपये तो सिर्फ ब्याज से ही मिलेंगे, रोजाना 100 रुपये बचाकर भी कर सकते हैं निवेश।
- रिटायरमेंट प्लानिंग भी बेहतर होगी।

बचत

बिजनेस डेस्क

अक्सर माना जाता है कि आदमी जितनी जल्दी निवेश शुरू करेगा, उतनी ही जल्दी अमीर बन जाएगा। यह बात काफी हद तक सच भी है। इसलिए सबको चाहिए कि वे जितनी जल्दी हो सके निवेश शुरू कर दें। इससे आपके पास अच्छा पैसा होगा और रिटायरमेंट भी बेहतर बनेगी। लेकिन, ये कोई नियम नहीं। निवेश में देर होती है, लेकिन अगर स्ट्रैटेजी सही है तो पैसा तो तब भी बनाया जा सकता है। अब देश में 30 साल की उम्र वालों के लिए भी म्युचुअल फंड में एसआईपी के कई बेहतरीन प्लान मौजूद हैं। इसमें बड़े निवेश की भी जरूरत नहीं है। बस आपको रोजाना 100 रुपये बचाने हैं। महीने के 3000 रुपये इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में लगाएं 30 साल के लिए छोड़ दें। इससे आपकी रिटायरमेंट प्लानिंग भी हो जाएगी। 30 साल बाद आपके पास 4.17 करोड़ रुपये होंगे। ये तो कुछ भी नहीं। रिटर्न की ऐसी ताबड़तोड़ बारिश होगी कि सिर्फ 3.58 करोड़ रुपये सिर्फ ब्याज से कमाई होगी।

ऐसे करती है काम

आप भी अच्छा रिटर्न प्राप्त करना चाहते हैं तो इक्विटी मार्केट में पैसा लगा सकते हैं। आप पैसा बनाना चाहते हैं तो लॉन्ग टर्म स्ट्रैटेजी सबसे सटीक काम करती है। अपनी इनकम से जरूरी खर्चे निकाल दें और उसके बाद सिर्फ 100 रुपये की रोजाना बचत करें। इस बचत से हर महीने निवेश करना है। सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) आपके पैसे को सही दिशा देगा और रिटर्न आपके पैसे को बढ़ाता चला जाएगा। इन्वेस्टमेंट एडवाइजर के मुताबिक, अगर बड़ा फंड चाहिए तो इक्विटी म्यूचुअल फंड्स अच्छा ऑप्शन हो सकता है। निवेशक 30 की उम्र में अपना पहला निवेश 3000 रुपये से करता है और 30 साल तक नियमित निवेश में करे तो बड़ा फंड तैयार होगा। इक्विटी म्यूचुअल फंड के सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) में निवेश करना फायदेमंद है।

कम्पाउंडिंग का मिलता है फायदा

एडवाइजर की मानें तो म्यूचुअल फंड में 30 साल के लिए निवेश करना है। इसमें अनुमानित 15% का रिटर्न मिलता है तो करोड़पति बनने की राह आसान हो जाती है। सबसे बड़ा फायदा इसमें कम्पाउंडिंग का मिलता है। मतलब 30 साल में 15% के साथ कम्पाउंड इंट्रस्ट का भी फायदा मिलेगा, लेकिन, इससे भी जरूरी है सबसे सटीक फॉर्मूला, जो एसआईपी में चार चांद लगा देगा। ये फॉर्मूला स्टेप अप एसआईपी का है। आपको बस हर साल 10% का स्टेप-अप रेट रखना है।

10% स्टेप-अप से बनेगा 4.50 करोड़ का कॉर्पस

आप 30 साल के हैं. रोजाना 100 रुपये बचाकर एसआईपी में निवेश किया है। 30 साल के लिए लॉन्ग टर्म स्ट्रैटेजी का लक्ष्य रखा। हर साल 10% स्टेप-अप करते रहे। 3000 रुपये से शुरुआत की तो अगले साल 300 रुपये बढ़ाने होंगे। 30 साल बाद आपके पास 4,50,66,809 रुपये मैच्योरिटी अमाउंट होगा। एसआईपी कैलकुलेटर के हिसाब से 30 साल में आपका कुल निवेश 59,21,785 रुपये होगा, लेकिन, यहां सिर्फ रिटर्न से 3 करोड़ 91 लाख 45 हजार 025 रुपये का फायदा होगा। एसआईपी में ये ही रिटर्न का जादू है। इस तरह सबसे सटीक फॉर्मूला स्टेप-अप की मदद से आपके पास 4 करोड़ 50 लाख रुपये का बड़ा फंड तैयार होगा।

28 साल में भी बन सकते हैं करोड़पति

आप 28 साल में ही करोड़पति बन सकते हैं बशर्ते आपका म्यूचुअल फंड आपको 13 प्रतिशत का रिटर्न दे। इस रिटर्न के हिसाब से आपकी संपत्ति 28 साल के बाद 10,176,162 रुपये होगी।

म्यूचुअल फंड पर कितना मिलता है रिटर्न

ज्यादातर विशेषज्ञों के मुताबिक एसआईपी के जरिए आप औसतन 12 प्रतिशत तक का ब्याज पा सकते हैं और कभी-कभी यह ब्याज दर बाजार के रही तेजी के कारण 15 और 20 फीसदी तक भी पहुंच सकती है या मंदी के कारण कम भी हो सकती है। आपको ब्याज संचय से लाभ होता है, और आप एसआईपी से आसानी से अपनी संपत्ति को बढ़ा सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार आप जितने लंबे समय तक एसआईपी के जरिए निवेश करेंगें आपका लाभ उतना ही अधिक होगा।

नौकरी लगते ही निवेश के चक्कर में न पड़ें, कुछ समय खुद पर निवेश करें

नई स्किल्स सीखें और घूमें और खुद की वैल्यू को बढ़ाएं, स्किल के दम पर अपनी सैलरी 3-4 गुना तक बढ़ा पाएंगे, इससे आप कुछ समय बाद बड़ा अमाउंट निवेश पाएंगे, 15 लाख के बजाय बना पाएंगे 1.5 करोड़ तक का कॉर्पस, मोटा निवेश करेंगे तो मोटा मुनाफा भी मिलेगा

मुनाफा

बिजनेस डेस्क

नौकरी लगते ही निवेश के चक्कर में न पड़ें। कुछ साल तक खुद पर निवेश करें और अपनी प्रतिभा को और निखारें। स्टार्टअप्स के इस दौर में आपको अक्सर देखने को मिलता होगा कि लोगों को कोई समस्या दिखी और उन्होंने उसका समाधान निकालते हुए स्टार्टअप शुरू कर दिया। तो शुरू के कुछ साल पैसे किसी स्कीम में लगाने के बजाय, खुद पर लगाएं और अपनी वैल्यू बढ़ाएं। इसके बाद आपके पास निवेश करने के लिए अधिक पैसे होंगे और आप अच्छा रिटर्न प्राप्त कर पाएंगे। लेकिन यह मानसिकता उन लोगों के लिए है जो ज्यादा अमाउंट निवेश करना चाहते हैं। हालांकि आपने अक्सर लोगों को यह कहते सुना होगा कि जितनी जल्दी निवेश शुरू करोगे, उतना ही ज्यादा रिटर्न मिलेगा। जब 22-23 साल की उम्र में किसी की नौकरी लगती है, तो उसे सबसे पहले यही सलाह दी जाती है कि तुरंत निवेश शुरू कर दो, भले ही वह छोटा सा क्यों ना हो। ये बात बिल्कुल सही है कि जितनी जल्दी निवेश शुरू करेंगे, कंपाउंडिंग की वजह से आपको उतना ही ज्यादा रिटर्न मिलेगा, लेकिन यह सिर्फ उन लोगों के लिए अच्छा है, जो बड़ा अमाउंट निवेश कर पा रहे हैं। मामूली निवेश करने वाले लोग अगर ये सोचेंगे, तो तगड़ा रिटर्न नहीं कमा पाएंगे।

इसे ऐसे समझें

मान लीजिए कि 22-23 साल की उम्र में करीब 25 हजार रुपये की सैलरी वाली आपकी नौकरी लग जाती है। अब इसमें से अगर आप हर महीने कम से कम 10-15 हजार रुपये निवेश कर पाएं, तब तो आपको कंपाउंडिंग का फायदा समझ आएगा, वरना आपका निवेश करना आपको फायदा नहीं देगा। दिल्ली-एनसीआर जैसे शहरों में 20-25 हजार रुपये तक को एक आदमी का घर का किराया, खाना-पीना, ऑफिस आना जाना और कपड़े आदि में ही खर्च हो जाता है। यानी इतनी कम सैलरी से अगर आप बचा भी सके तो मुश्किल से 1-2 हजार रुपये ही हर महीने निवेश कर पाएंगे। वहीं अगर अपने खर्चों को बहुत ज्यादा कम भी कर दिया तो भी 5 हजार रुपये से ज्यादा बचा पाना काफी मुश्किल है।

पांच साल में रिटर्न

अगर आप हर महीने 5 हजार रुपये निवेश करते हैं और साल दर साल उसे 10 फीसदी की दर से बढ़ाते हैं तो 5 साल में आप 4,67,755 रुपये का कॉर्पस बना लेंगे।

ऐसे करें तुलना

अगर आप करियर शुरू होने के बाद से ही 5 हजार रुपये हर महीने निवेश करते जाते और हर साल उसे 10 फीसदी बढ़ाते जाते तो आपके पास 10 साल में करीब 15 लाख रुपये का कॉर्पस जमा हो रहा था। बशर्ते आपको हर साल 10 फीसदी का औसतन रिटर्न मिलता। वहीं दूसरी ओर, अगर आप 5 साल खुद पर निवेश कर के अपनी सैलरी 4 गुना कर के निवेश शुरू करते हैं तो महज 5 साल में ही अपने कॉर्पस को 1.5 करोड़ रुपये तक का बना सकते हैं, यानी 10 गुना ज्यादा। तो करियर के शुरुआती दौर में भविष्य के लिए निवेश ना करें, अपने ऊपर निवेश करें, ताकि खुद के भविष्य को बेहतर बना सकें।

इसमें आपका कुल निवेश होगा 3,66,306 और उस पर आपको 1,01,449 का ब्याज मिलेगा। यह भी तब होगा तब आपको 10 फीसदी की दर से रिटर्न मिलेगा, जबकि तमाम बैंकों में एफडजी रेट 7-8 फीसदी से अधिक नहीं हैं। अगर आप इसी दर से 10 सालों तक निवेश करते हैं तो आपके पास 15,22,926 का कॉर्पस जमा हो जाएगा।

शुरूआत में यह करें

करियर के शुरुआती 5 सालों में आपको पैसे निवेश करने के बजाय उन्हें खुद पर इन्वेस्ट करना चाहिए। जो पैसे बचाकर आप निवेश करने की सोच रहे थे, उन पैसों को बचाकर कोई नई स्किल सीखें। इस बात की हर संभव कोशिश करें कि कैसे आप अपनी सैलरी को 4-5 गुना या उससे भी ज्यादा कर सकते हैं। आपको सिर्फ नई स्किल सीखने पर ही फोकस नहीं करना चाहिए, बल्कि घूमने-फिरने पर भी पैसे खर्च करने चाहिए। स्टार्टअप्स के इस दौर में आपको अक्सर देखने को मिलता होगा कि लोगों को कोई समस्या दिखी और उन्होंने उसका समाधान निकालते हुए स्टार्टअप शुरू कर दिया। तो शुरू के कुछ साल पैसे किसी स्कीम में लगाने के बजाय, खुद पर लगाएं और अपनी वैल्यू बढ़ाएं।

जमा हो जाएंगे 1.5 करोड़ रुपये

मान लीजिए कि आप 5 सालों तक अपने निवेश किए जाने वाले पैसों से कुछ स्किल सीखते हैं और उसके दम पर अपनी सैलरी 3-4 गुना तक बढ़ाने में कामयाब हो जाते हैं, जो बड़ी बात नहीं है। ऐसे में पहले आपकी जो सैलरी 25 हजार रुपये थी, अब वह 4 गुना तक बढ़कर 1 लाख रुपये हो सकती है। अब अगर 5 साल बाद आपके खर्चे 20 हजार रुपये महीने से बढ़कर 50 हजार रुपये महीना भी हो जाते हैं, तो भी आपके पास करीब 50 हजार रुपये बचेंगे। इस तरह अगर आप अगले 5 साल 50 हजार रुपये हर महीने 10 फीसदी बढ़ाते हुए निवेश करते हैं तो आपके पास करीब 1.52 करोड़ रुपये तक जमा हो सकते हैं।

आईडियाः शिक्षा पर अच्छी कमांड होनी चाहिए

- यह इनकम बढ़ाने का सबसे आसान तरीका
- आजकल बच्चों में ट्यूशन का बड़ा क्रेज
- इसके लिए किसी बड़े निवेश की जरूरत नहीं

होम ट्यूटर बनकर कमा सकते हैं हर महीने हजारों रुपये

जानकारी

बिजनेस डेस्क

यदि आप पढ़े लिखे हैं और बेरोजगार हैं तो आप होम ट्यूटर बनकर अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं। आप इस बिज़नस के माध्यम से हर माह अच्छे खासे रुपये कमा सकते हैं। यदि आप खुद का बिज़नस शुरू करना चाहते हैं तो होम ट्यूटर बनना आपके लिए बेहतरीन बिजनेस आईडिया हो सकता है। यह एक ऐसा कारोबार है, जिसमें कोई बड़ा निवेश करने की भी जरूरत नहीं होती। इसे आप गांव, कस्बे या शहर कहीं भी कर सकते हैं। हालांकि आपकी शिक्षा पर अच्छी कमांड होनी चाहिए। आप किसी भी शहर में हिंदी, अंग्रेजी, साइंस, मैथ, केमेस्ट्री और फिजिक्स जैसे सबजेक्ट पढ़ाकर आसानी से अपनी इनकम बढ़ा सकते हैं। इसके अलाव छोटे बच्चों को भी ट्यूशन दे सकते हैं। आजकल बच्चों में ट्यूशन का बड़ा क्रेज देखने को मिल रहा है। ऐसे आप होम ट्यूटर बनकर अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं।

क्या है होम ट्यूटर

होम ट्यूटर एक ऐसा बिज़नस है जो अपने घर से शुरू किया जा सकता है। यही नहीं यदि आपके पास किसी मोहल्ला या शहर में जगह है तो आप अपने खुद का इंस्टिट्यूट खोल सकते हैं। होम ट्यूटर बिज़नस के माध्यम से आप छोटे बच्चों से लेकर बड़े बच्चों तक की ट्यूशन क्लास शुरू कर सकते हैं, जिसमें आप कक्षा हिंदी, अंग्रेजी और गणित के साथ विज्ञान के बच्चों को अपने घर से पढ़ाना शुरू कर सकते हैं। यही नहीं आपको मालूम ही है कि आजकल टेक्नोलॉजी का जमाना है। आप अपने घर से ऑनलाइन होम ट्यूटर के माध्यम से भी बच्चों को पढ़ा सकते हैं। यदि आप किसी एक विषय में दक्ष हैं तो आप एक विषय के जरिए भी होम ट्यूटर बिज़नस को शुरू कर सकते हैं।

पहले जानें जरूरी जानकारी

होम ट्यूशन शुरू करने से पहले आपको इस बिज़नस की योजना को तैयार करना होगा। क्योंकि कोई भी बिज़नस हो बिना योजना के शुरू नहीं किया जा सकता। उसके बाद बच्चों को और उनके पेरेंट्स को होम ट्यूशन के बारे में जानकारी देने के लिए आपको अपने मोहल्ले और शहर में प्रचार प्रसार करना होगा, ताकि बच्चे आपसे ज्यादा से ज्यादा जुड़ सकें। होम ट्यूशन में अधिक से अधिक बच्चों को जोड़ने के लिए आप ऑनलाइन सोशल मीडिया इंस्टाग्राम, फेसबुक और व्हाट्सएप का तरीका अपना सकते हैं। यही नहीं आप अपने मोहल्ले में बच्चों को आकर्षित करने के लिए पेम्पलेट का भी प्रयोग कर सकते हैं।

शुरू में बच्चों को छूट दें

इस बिज़नस को शुरू करने से पहले बच्चों को फीस में छूट देनी होगी, ताकि बच्चे आपसे ज्यादा से ज्यादा जुड़ सकें। इसके अलावा, यदि आप अपने दक्ष विषय के अलावा दूसरे विषयों की भी होम ट्यूशन को शुरू करना चाहते हैं, तो आपके पास उन विषयों में दक्ष टीचर भी होने आवश्यक है।

कितनी हो सकती है कमाई

होम ट्यूशन के जरिए आप हर माह हजारों रुपये तक की कमाई कर सकते हैं। इसके अलावा यदि आपके पास जितने ज्यादा बच्चे होंगे उतनी कमाई आपकी दुगनी होगी। एक उदाहरण के तौर पर समझे तो आप एक बच्चे से हजार रुपये हर महीने के लेते हैं और आपके पास 50 बच्चे भी हैं तो इस अनुसार आप हर माह 50,000 रुपये तक कमा सकते हैं।

पहले जानें जरूरी जानकारी

होम ट्यूशन के फायदे

एक ही छात्र पर होता ध्यान : अभिभावकों द्वारा होम ट्यूशन लगाने का एक सबसे बड़ा कारण यह है कि स्कूलों में एक क्लास में कई छात्र होते हैं और शिक्षक प्रत्येक छात्र पर पूरा ध्यान नहीं दे पाते। होम ट्यूशन में एक शिक्षक का ध्यान एक छात्र पर रहता है और वो अपना पूरा ध्यान केंद्रित करके एक छात्र को अच्छी तरह सब समझा पाते हैं।

अच्छे शिक्षक मिलते हैं : होम ट्यूशन में आप अपने अनुसार अनुभवी शिक्षकों से अपने बच्चों को पढ़ा सकते हैं। कई स्कूलों में अनुभवी शिक्षक नहीं होते हैं। वहीं होम ट्यूशन देने वाले शिक्षकों को कई सालों का अनुभव होता है। आप अपनी क्षमता के अनुसार होम ट्यूशन लगा सकते हैं। आप अच्छे से अच्छे शिक्षक को घर पर अपने बच्चे को पढ़ाने के लिए बुला सकते हैं।

अधिक सीखने को मिलता है : होम ट्यूशन में छात्र अपनी क्षमता अनुसार अधिक भी सीख सकते हैं। स्कूलों में सभी बच्चों के अनुसार पढ़ाया जाता है। वहीं अगर आपका बच्चा अधिक सीखने की क्षमता रखता है तो अपने अनुसार पढ़कर सिलेबस को जल्दी खत्म करा सकता है।

छात्रों को मिलता है अच्छा माहौल : होम ट्यूशन से छात्रों को पढ़ने का अच्छा माहौल मिलता है। वे अपने अनुसार पढ़ाई कर सकते हैं। स्कूलों में क्लास में अधिक छात्रों के होने के कारण छात्र खुलकर शिक्षकों से सवाल नहीं पूछे पाते हैं। वहीं होम ट्यूशन में छात्र अपनी सुविधा के अनुसार शिक्षकों से आराम से सावल भी कर पाते हैं और अपने डाउट्स भी क्लीयर कर पाते हैं।

20 साल बाद आया दुनिया का सबसे बड़ा सौर तूफान

असाधारण खगोलीय घटना से विश्व के कई शहरों में ध्रुवीय ज्योति ऑरोरा से रंग-बिरंगा हुआ आसमान, सैटेलाइट्स और पावर ग्रिडस को पहुंचा नुकसान

वॉशिंगटन। दुनिया का सबसे शक्तिशाली सौर तूफान 20 सालों बाद शुक्रवार 10 मई को धरती से टकराया। तूफान के कारण तस्मानिया से लेकर ब्रिटेन तक आसमान में तेज बिजली कड़की। वहीं कई सैटेलाइट्स और पावर ग्रिडस को भी नुकसान पहुंचा। सोलर तूफान के कारण दुनिया की कई जगहों पर ध्रुवीय ज्योति (ऑरोरा) की घटनाएं देखने को भी मिलीं। इस दौरान सौर तूफान की वजह से आसमान अलग-अलग रंगों को दिखाई दिया। सौर तूफान धरती पर मैग्नेटिक फील्ड को प्रभावित करते हैं। ऐसे तूफानों के कारण पावर ग्रिड को भी नुकसान पहुंचता है। साथ ही विमानों में भी टर्बुलेंस की दिक्कत होती है। इसके चलते अंतरिक्ष यात्रिओं को तूफान के दौरान स्पेस स्टेशन के अंदर रहने की सलाह दी जाती है।

- सौर तूफान का कारण सूर्य से निकलने वाला कोरोनल मास इजेक्शन
- सौर तूफान के कारण कई सैटेलाइट्स को नुकसान पहुंचा है।
- दुनिया के उत्तरी और दक्षिणी हिस्सों में देखा जा रहा
- रेडियो संचार क्षेत्र और जीपीएस को खतरा अलर्ट जारी
- अमेरिका के वैज्ञानिकों ने इसे जी4 घटना करार दिया

फ़ोर्ट लॉडरडेल, फ़्लोरिडा

सप्ताह के अंत तक रहेगा असर

अमेरिकी वैज्ञानिक संस्था 'नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन' (एनओएए) के मुताबिक इस सौर तूफान का असर सप्ताह के अंत तक रहेगा। इसे मुख्य तौर पर दुनिया के उत्तरी और दक्षिणी हिस्सों में देखा जा सकेगा। लेकिन अगर यह तेज होता है तो इसे और भी कई जगहों पर देखा जा सकता है। अमेरिकी अधिकारियों ने दो दशकों बाद अपनी पहली गंभीर भू-चुंबकीय तूफान घड़ी भी जारी की है। इसे जी4 घटना करार दिया गया है। यह तूफान अमेरिकी सरकार के पैमाने के अनुसार, दूसरा सबसे गंभीर तूफान है।

रेडियो सिग्नल्स से कई सेवाएं बाधित

तूफान से रेडियो संचार और जीपीएस को खतरा हो सकता है। सिग्नलों के बाउंस-बैक को बाधित करती हैं। आवश्यक सेवाओं के साथ-साथ विमानन, समुद्री, कृषि और ऊर्जा क्षेत्रों भी जीपीएस नेविगेशन पर ही निर्भर हैं। यह सभी व्यवधान के कगार पर हैं। जीपीएस सेवाओं की अखंडता चिंता का विषय है। दुनिया भर में सैटेलाइट ऑपरेटर्स, एयरलाइंस और पावर ग्रिड को ऑपरेटर अलर्ट पर हैं।

आरलैंडरवीन, नीदरलैंड

शिर्के, जर्मनी

स्विट्जरलैंड

आसमान में दिख रही रंग-बिरंगी रोशनी

सौर तूफान आने का कारण सूर्य से निकलने वाला कोरोनल मास इजेक्शन है। इस दौरान सूर्य से आने वाले पार्टिकल्स धरती के चुंबकीय क्षेत्र (मैग्नेटिक फील्ड) में प्रवेश करते हैं। पार्टिकल्स के धरती पर एंट्री करने के बाद एक रिएक्शन होता है, जिसके कारण पार्टिकल्स चमकदार रंग- बिरंगी रोशनी के रूप में दिखते हैं।

कुवैत के नए अमीर शेख मिशाल अल-अहमद-अल-सबा ने भंग की देश की संसद

राजनीतिक उठापटक के बीच सभी विभाग नियंत्रण में लिए, कहा- इस समय 'भ्रष्टाचार' बहुत बड़ी समस्या

एजेंसी ▶▶ कुवैत

कुवैत के नए अमीर शेख मिशाल अल- अहमद-अल-सबा ने देश की संसद को भंग कर दिया है। अमीर ने शुक्रवार को सरकारी टीवी चैनल को दिए अपने संबोधन में इस बात की घोषणा की। उन्होंने कहा कि मैं देश के लोकतंत्र के गलत इस्तेमाल की अनुमति नहीं दूंगा। इसके साथ ही उन्होंने चार सालों के लिए देश के सरकारी विभागों को अपने नियंत्रण में ले लिया है और कई कानूनों को भंग कर दिया है। अमीर कुवैत का सबसे बड़ा पद है। संसद भंग होने के बाद नेशनल असेंबली की सभी शक्तियां अमीर और देश की कैबिनेट के पास आ गई हैं।

कुवैत के अमीर शेख ने कहा है कि मैं देश के लोकतंत्र के गलत इस्तेमाल की अनुमति नहीं दूंगा। इसके साथ ही उन्होंने चार साल के लिए देश के सरकारी विभागों को अपने नियंत्रण में ले लिया है और कई कानूनों को भंग कर दिया है।

- संसद भंग होने के बाद सभी शक्तियां अमीर के पास
- देश के सुरक्षा और आर्थिक संस्थानों तक पहुंचा भ्रष्टाचार

देश की न्याय प्रणाली में भी भ्रष्टाचार | **अमीर कुवैत का सबसे बड़ा पद**

अप्रैल में हुए थे चुनाव

इससे पहले आखिरी बार फरवरी में देश की संसद भंग की गई थी, जिसके बाद अप्रैल में देश में चुनाव हुए थे। अप्रैल में नई संसद की नियुक्ति के बाद 13 मई को पहली बार संसद की बैठक होनी थी, लेकिन कई राजनेताओं ने सरकार में हिस्सा लेने से इनकार कर दिया था। अमीर ने कहा कि सरकार बनाने में विफलता कुछ नेताओं के आदेशों और शर्तों नहीं मानने का परिणाम था।

कुवैत में राजशाही व्यवस्था

कुवैत में भी अरब देशों का तरह शेख के नेतृत्व वाली राजशाही व्यवस्था है। लेकिन यहां की जनरल असेंबली अरब देशों के मुकाबले वहां की राजनीति में ज्यादा शक्तिशाली है। पिछले कुछ समय से कुवैत में घरेलू राजनीतिक संकट चल रहा है। देश की कैबिनेट और जनरल असेंबली के बीच कई मुद्दों पर टकराव है, जिस कारण से देश को नुकसान हुआ है। देश का वेलफेयर सिस्टम इसका बड़ा मुद्दा रहा है। इसके कारण कुवैत की सरकार कर्ज नहीं ले पा रही है। यही वजह है कि तेल से भारी मुनाफे के बावजूद सरकारी खजाने में कर्मचारियों को वेतन देने के लिए पैसे नहीं बचे हैं।

28 साल में 12 बार संसद भंग

कतर की संसद में 50 सदस्य होते हैं, जिसका नेता प्रधानमंत्री होता है। ये सारे सदस्य निर्दलीय रूप से चुने जाते हैं, क्योंकि कुवैत में राजनीतिक पार्टियां पर प्रतिबंध है। इसके अलावा 16 सदस्यों की एक कैबिनेट होती है, जिसे पीएम खुद चुनते है। हालांकि प्रधानमंत्री का पद पर नियुक्ति कुवैत के अमीर ही करते है। और संसद पर भी उन्हीं की ही पकड़ होती है।वे जब चाहे संसद को भंग कर सकते हैं।

भ्रष्टाचार कुवैत की सबसे बड़ी समस्या

अमीर ने कहा कि कुवैत इन दिनों कठिन समय से गुजर रहा है। इसके कारण देश को बचाने के लिए और लोगों को सुरक्षित करने के लिए हमे कुछ कड़े फैसले लेने पड़े हैं। उन्होंने कहा है कि पिछले कुछ सालों में राज्य के विभागों में भ्रष्टाचार बड़ी समस्या बनकर उभरा है। इससे कुवैत का माहौल खराब हुआ है। कहा कि भ्रष्टाचार देश के सुरक्षा और आर्थिक संस्थानों तक पहुंच गया है। देश की न्याय प्रणाली में भी भ्रष्टाचार हो रहा है।

यूएन में फिलिस्तीन को स्थायी सदस्य बनाने का प्रस्ताव

पक्ष में 143 और विपक्ष में किए 9 वोट, भारत ने दिया समर्थन

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

भारत ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में एक मसौदा प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया। 193 सदस्यीय महासभा ने शुक्रवार की सुबह एक आपातकालीन विशेष सत्र के लिए बैठक की। इस दौरान अरब देशों की ओर से फिलिस्तीन के समर्थन में 'संयुक्त राष्ट्र में नए सदस्यों का प्रवेश' प्रस्ताव रखा गया। प्रस्ताव के पक्ष में 143 मत पड़े। अमेरिका तथा इजराइल सहित अन्य 9 देशों ने विरोध में वोट किए। वहीं, 25 देशों ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया।

भड़के इजराइल राजदूत

संयुक्त राष्ट्र संघ (यूएन) की असेंबली में फिलिस्तीन को स्थायी सदस्य बनाने का प्रस्ताव पास होने से इजराइली राजदूत गिलाद एर्दान भड़क गए। उन्होंने अपने भाषण के दौरान यूएन चार्टर को फाड़ दिया। उन्होंने कहा कि वो चार्टर को फाड़कर संयुक्त राष्ट्र को आइना दिखा रहे हैं। एर्दान ने फिलिस्तीन को सदस्य बनाने वाले प्रस्ताव को यूएन चार्टर का उल्लंघन बताया है। उन्होंने कहा कि यह दिन यूएन की बदनामी के दिन के तौर पर याद किया जाएगा। मैं चाहता हूं कि पूरी दुनिया इस पल, इस अनैतिक काम को याद रखे। यह विनाशकारी वोट है। आप अपने हाथों से यूएन के नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं।

यूएन ने मॉडर्न नाजियों के लिए दरवाजे खोले

इजराइली राजदूत गिलाद एर्दान ने हमास का जिक्र करते हुए कहा कि यूएन ने मॉडर्न नाजियों के लिए अपने दरवाजे खोल दिए हैं। इसलिए मैं आपको आपके वोट का नतीजा बताने आया हूं। आप जल्द ही फिलिस्तीन के आतंकी देश के राष्ट्रपति याह्या सिनवार से मुलाकात करेंगे। जो आप लोगों को धन्यवाद देगा। बता दें, दुनिया में स्वतंत्र देश की पहचान पाने की दिशा में यह फिलिस्तीन का पहला कदम है। वोटिंग से पहले यूएन में फिलिस्तीन के राजदूत रियाद मंसूर ने 193 देशों से फिलिस्तीन के पक्ष में वोटिंग करने को कहा था।

खबर संक्षेप

10 नेपाली पर्वतारोहियों ने माउंट एवरेस्ट फतह की

काठमांडू। नेपाल के दस पेशेवर पर्वतारोहियों ने शुक्रवार रात को माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने में सफलता हासिल की। यह इस मौसम में दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर चढ़ने वाला पहला अभियान दल है। पर्वतारोहण अभियान का आयोजन करने वाले 'सेवन समिट ट्रैक' के कर्मी थानी गुरगैन ने कहा कि डेंडी शेरपा के नेतृत्व में पर्वतारोहियों की टीम शुक्रवार रात सवा आठ बजे शिखर पर पहुंची।

वायुसेना ने दो महिला पर्यटकों को बचाया

शिमला। सिरमौर जिले के चूड़धार में फंसी भारतीय मूल की दो विदेशी महिला पर्यटकों को शनिवार सुबह वायु सेना के दो चीता हेलीकॉप्टर के जरिये सुरक्षित निकाला गया। उपायुक्त सिरमौर सुमित खिमटा ने बताया कि इन दो महिला पर्यटकों की शुक्रवार शाम चूड़धार के तीसरी में फंसे होने की सूचना जिला प्रशासन को मिली थी, जिसके तुरंत बाद आवश्यक प्रबंध किए।

पीओके में आंदोलन कर रहे लोगों का क्रूरता से दमन

पाकिस्तान सुरक्षा बलों ने की एके-47 से फायरिंग, दो प्रदर्शनकारियों की मौत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पाकिस्तान की सरकार पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के निवासियों पर बड़े पैमाने पर कार्रवाई कर रही है। अशांत क्षेत्र पीओके से मिल रही रिपोर्टों में कहा गया है कि पाकिस्तानी अधिकारी उन नागरिकों पर हमला कर रहे हैं जो भारी टैक्स, बढ़ती महंगाई और बिजली की कमी के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। पीओके में पाकिस्तान की दमनात्मक कार्रवाई कोई नई बात नहीं है। ताजा कार्रवाई तब शुरू हुई जब प्रदर्शनकारियों ने शनिवार को मार्च निकाला। पाकिस्तान रेंजर्स और स्थानीय पुलिस ने हवा में आंसू गैस के गोले छोड़ने के साथ गोलियां भी चलाईं। पाकिस्तानी पुलिस और वहां के अर्धसैनिक बलों के हमले में दो प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई।

शांतिपूर्ण ढंग से हो रहा था प्रदर्शन

मार्च के जरिए शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन शुरू किया गया था, लेकिन जब पुलिस और सुरक्षा बलों ने हवाई फायरिंग और अन्य घातक तरीकों से जवाब दिया, तो नागरिक भड़क गए और दोनों पक्षों में झड़प शुरू हो गई।

उत्तरी अफगानिस्तान में बाढ़ से 300 की मौत

इस्लामाबाद। संयुक्त राष्ट्र खाद्य एजेंसी ने कहा है कि अफगानिस्तान में अचानक आई बाढ़ में 300 से अधिक अफगान लोगों की मौत हुई है। बाढ़ की वजह से अफगानिस्तान के उत्तरी प्रांत बगलान में 1,000 से अधिक घर भी नष्ट हो गए हैं। संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम ने शनिवार को कहा कि वह बाढ़ से बचे लोगों को बिस्कुट वितरित कर रहा है। ज्यादातर पीड़ित उत्तरी प्रांत बगलान में हैं, जहां शुक्रवार को बाढ़ आई है।

नोमुरा ने इंडिया डिफेंस रिपोर्ट में किया दावा

देश के रक्षा क्षेत्र को अगले 10 वर्षों में 138 अरब डॉलर के सौदे मिलेंगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नोमुरा की ओर से जारी 'इंडिया डिफेंस' नामक एक रिपोर्ट के अनुसार, रक्षा उपकरणों, प्रौद्योगिकियों और सेवाओं की बढ़ती मांग के बीच भारत के रक्षा क्षेत्र को वित्त वर्ष 2024 से 2032 के दौरान 138 बिलियन अमरीकी डालर का आकर्षक ऑर्डर मिल सकता है। यह स्थिति रक्षा उत्पादन और प्रौद्योगिकी विकास में लगी कंपनियों के लिए महत्वपूर्ण संभावनाएं प्रदान करेगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का रक्षा पूंजीगत व्यय वित्त वर्ष 30 तक कुल बजट का 37 प्रतिशत तक बढ़ने की ओर अग्रसर है, इस दौरान वित्त वर्ष 2025 में अनुमानित रूप से 29 प्रतिशत की पर्याप्त वृद्धि हो सकती है। यह वित्त वर्ष 24-30 में 15.5 ट्रिलियन रुपए के संचयी पूंजी परिव्यय के बराबर है, जो पिछली अवधि की तुलना में पर्याप्त वृद्धि का संकेत देता है।

मेक इन इंडिया पर ध्यान

रिपोर्ट में इस वृद्धि का श्रेय रक्षा बजट बढ़ाने, आधुनिकीकरण के प्रयासों और 'मेक इन इंडिया' जैसी पहल के तहत स्वदेशी विनिर्माण पर सरकार के ध्यान को दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय रक्षा क्षेत्र के विभिन्न सेक्टर्स में आकर्षक अवसर प्रदान करता है। अकेले रक्षा एयरोस्पेस क्षेत्र की हिस्सेदारी 50 बिलियन अमरीकी डॉलर की है।

अंतरिक्ष में दिखी अनोखी खगोलीय घटना

पृथ्वी की चमक से दमका हंसियाकार चंद्रमा, साथ ही हल्का गोल आकार दिखा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अंतरिक्ष और उससे जुड़ी घटनाओं में रूचि रखने वाले लोगों के लिए शनिवार का दिन खास रहा। 11 मई की शाम आसमान में एक अद्भुत खगोलीय घटना घटी। पश्चिम दिशा में शुक्ल पक्ष चतुर्थी के हंसियाकार चांद देखा गया। इसमें हंसियाकार भाग तो तेज चमक के साथ चमकता दिखा लेकिन हल्की चमक के साथ पूरा गोलाकार चंद्रमा भी दिखाई दिया।

सूर्य का प्रकाश 12 प्रतिशत परावर्तित होता है

सारिका घारू ने बताया कि चंद्रमा अपने तक पहुंचने वाले सूर्य के प्रकाश का लगभग 12 प्रतिशत परावर्तित करता है। वहीं, दूसरी ओर पृथ्वी अपनी सतह पर आने वाले सभी सूर्य के प्रकाश का लगभग 30 फीसदी परावर्तित करती है। पृथ्वी का जब यह परावर्तित प्रकाश चंद्रमा पर पहुंचता है तो चंद्रमा की सतह के अंधेरे वाले भाग को भी रोशन कर देता है।

दा विंची चमक

साल में सिर्फ दो बार दिखने वाली इस खगोलीय घटना के बारे में बताते हुये विज्ञान प्रसारक सारिका घारू ने बताया कि इसे अर्थ शाईन कहा जाता है। इस घटना में चंद्रमा का अप्रकाशित भाग दिखाई देता है। इसे दा विंची चमक के नाम से भी जाना जाता है। लियोनार्डो द विंची ने पहली बार स्केच के साथ 1510 के आसपास अर्थ शाईन की अवधारणा को रखा था।

अशेन ग्लो नाम भी दिया

सारिका ने बताया कि विदेशों में इस खगोलीय घटना को अशेन ग्लो या नए चंद्रमा की बांहों में पुराना चंद्रमा भी नाम दिया गया है। उन्होंने कहा कि याद रखें चंद्रमा को चमकाने में उस पृथ्वी का भी योगदान है, जिस पर आप खड़े हैं।

पाक की फिर हो गई बेइज्जती!

कर्ज मांगने पर आईएमएफ भी हो गया 'हां और न' में कनफ्यूज

एजेंसी ▶▶ इस्लामाबाद

कैश क्रंच, महंगाई, करप्शन और संसाधनों की कमी के चलते पाकिस्तान भयंकर आर्थिक संकट से गुजर रहा है। पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से लोन मांग रहा है लेकिन अंतरराष्ट्रीय संस्था को संदेह है कि क्या पाकिस्तान कर्ज चुका भी पाएगा, या नहीं। पाकिस्तान पर जारी अपनी स्टाफ रिपोर्ट में आईएमएफ के हवाले से कहा कि कर्ज चुकाने की पाकिस्तान की क्षमता गंभीर जोखिमों के अधीन है, और यह नीतियों को लागू करने तथा समय पर बाहरी वित्तपोषण पर निर्भर है। आईएमएफ का कहना है कि पाकिस्तान को अगले पांच साल के दौरान 123 अरब डॉलर की फंडिंग की जरूरत होगी।

रोचक खबरें

आलसियों के 'पलंग', बिस्तर पर बैठे-बैठे पहुंचा मार्केट, फिर पी चाय

न्यूयार्क। ऐसे बहुत से लोग हैं जिन्हें बेड पीने का शौक होता है।सोकर उठने के बाद वो चाहते हैं कि चाय उनके हाथ में आ जाए। अब या तो उनके यहां खाना बनाने के लिए कोई मेड लगी हो, जिससे उन्हें उठते ही चाय मिल जाए, या फिर उनका पार्टनर उनके लिए चाय बना दे। पर सोचिए कि जो लोग सिंगल हैं, और मेड रखने के लिए उनके पास अतिरिक्त पैसे भी नहीं हैं, वो लोग ऐसे में क्या करें? ऐसे लोगों के लिए एक शख्स ने अनोखे बिस्तर का निर्माण कर दिया। इस आदमी ने गजब का जुगाड़ लगाते हुए बिस्तर में टायर और हैंडल लगा दिए, और फिर अपनी गाड़ी को लेकर मार्केट में चाय पीने निकल गया।

भारतीय बहुत जुगाड़ होते हैं
हाल ही में एक अजब-गजब वीडियो पोस्ट किया गया है जिसमें एक शख्स बिस्तर पर बैठकर मार्केट में चाय पीने निकला नजर आ रहा है। कहते हैं कि भारतीय बहुत जुगाड़ होते हैं, वो ऐसे अनोखे आविष्कार कर लेते हैं, जो रोजमर्रा के जीवन को और भी ज्यादा आसान कर लेते हैं।

बिस्तर में लगे हैं चार टायर

वायरल वीडियो में एक शख्स अपने बिस्तर पर सोकर उठता है। उसके बाद उठते ही वो बैठ जाता है और सामने लगे दोनों हैंडल पर हाथ रखकर बिस्तर को चलाने लगता है। उसमें चार टायर लगे हैं। चलने वाले बिस्तर से वो घर के बाहर निकल जाता है और पास में बनी चाय की टपरी तक पहुंच जाता है।

फ्लाइट में लोग करते हैं गंदी हरकतें एयर होस्टेस ने बताया डर्टी सीक्रेट

लंदन। फ्लाइट में यात्रियों की देखभाल करने वाली एयर होस्टेस हमेशा मुस्कुराती रहती हैं, समस्याओं का निवारण करने के लिए उपलब्ध रहती हैं तो हम लोगों को लगता है कि उनकी नौकरी बहुत आसान होती है। पर सच तो ये है कि उन्हें भी इतना कुछ देखना-सुनना पड़ता है कि उनकी मुश्किलें काफी बढ़ जाती हैं। एक एयर होस्टेस ने पिछले दिनों फ्लाइट में लोगों से जुड़ी कुछ गंदी हरकतों के बारे में बताया।

पेशाब से भरा पैकेट फ्लाइट के फ्लोर पर छोड़ा
सबसे ज्यादा हैरानी तो उन्हें एक बार 3 तुर्की के यात्रियों को देखकर हुई थी। हुआ यूं कि वो तीनों यात्री अपने पेशाब से भरा एक पैकेट फ्लाइट के फ्लोर पर छोड़कर चले गए थे, जो जमीन पर फैल गई थी। इसके अलावा कई बार जो प्लेन के सफाईकर्मी होते हैं, वो इतनी हड़बड़ी में होते हैं कि वो प्लेन को पूरी तरह से साफ नहीं करते।

सीट के नीचे पड़ा मिला गंदा डायपर

उन्होंने बताया कि एक बार एक औरत अपने बच्चे का डायपर अपनी सीट पर ही बदल रही थी। कुछ ही देर में खाना सर्व होने वाला था, तो मारिका ने महिला को टोका, कहा कि दूसरों को ऐसी हरकत से असुविधा हो सकती है। तो उसने ये कहकर बात टाल दी कि वो बदल ही चुकी है। जब वो महिला प्लेन से उतर गई तो मारिका को सीट के नीचे गंदा डायपर पड़ा हुआ मिला। उन्होंने किताब में कई ऐसी चीजों के बारे में बताया है।

ग्रहण की स्टडी कर रहे वैज्ञानिक चौंके

लोहे की गैस से भरा है शुक्र ग्रह इंद्रधनुष जैसे नजारे के मिले सबूत

पृथ्वी पर होने वाली कई प्राकृतिक घटनाएं सौर मंडल के अन्य ग्रहों पर भी घटित होती हैं। लेकिन ऐसा किसी सौरमंडल के बाहर के ग्रह पर हो, यह बात खास तौर से ध्यान खींचती हैं। वहीं अगर यह घटना इंद्रधनुष का बनना हो तो यह तो और भी हैरान करता है। वैज्ञानिकों को हाल ही में एक बाह्यग्रह पर इंद्रधनुष जैसी किसी चीज की मौजूदगी के संकेत देने वाले सबूत मिले हैं, जिसने वैज्ञानिकों को काफी भ्रमित भी किया है।

एजेंसी ▶▶| लंदन

'ग्लोरी' एक ऐसी घटना है जो तब होती है जब प्रकाश गोलाकार बूंदों के रूप में एक समान पदार्थों से बने बादलों से टकराता है। माना जा रहा है कि यह घटना डब्ल्यूएएसपी- 76बी नाम के बाह्यग्रह के अवलोकनों के एक रहस्य की व्याख्या कर रही है। इसे जानने के लिए इस ग्रह को समझना होगा। डब्ल्यूएएसपी- 76बी एक चिलचिलाती गैस से भरा ग्रह है, जहां पिघले हुए लोहे की बारिश होती है। ईएसओ और स्विटजरलैंड के बर्न विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने सीएचईओपीएस ने ग्रहण से पहले ग्रह के रात्रि पक्ष पर अतिरिक्त प्रकाश का पता लगाया। चूकि डब्ल्यूएएसपी- 76बी एक बहुत गर्म बाह्यग्रह है, इसलिए बादल दिन के दौरान वायुमंडल को अस्पष्ट नहीं करते हैं। जिससे वायुमंडलीय पहचान का पता लगाना आसान हो जाता है।

लोहे की बारिश होती है

वैज्ञानिकों को कहना है कि यह घटना इंद्रधनुष से कुछ अलग ही हट कर है जो शुक्र ग्रह पर भी होती है। पिछले अध्ययन के अनुसार, शोधकर्ताओं ने दिन-पक्ष और रात-पक्ष टर्मिनेटर के बीच लौह सामग्री में विषमता देखी। इसके अलावा, रात-पक्ष की तुलना में दिन-पक्ष के ऊपरी वायुमंडल में बहुत अधिक गैसीय लोहा नहीं था। हबल अवलोकन से पता चलता है कि किसी ग्रह के रात के पक्ष में थर्मल इन्वर्जन के कारण दिन के पक्ष में लोहे की बारिश होती है और तरल लोहे के बादल बनते हैं। ये बादल महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि तारे से आने वाला प्रकाश जब इनसे परावर्तित होता है तो यह चमक का प्रभाव पैदा कर सकता है।

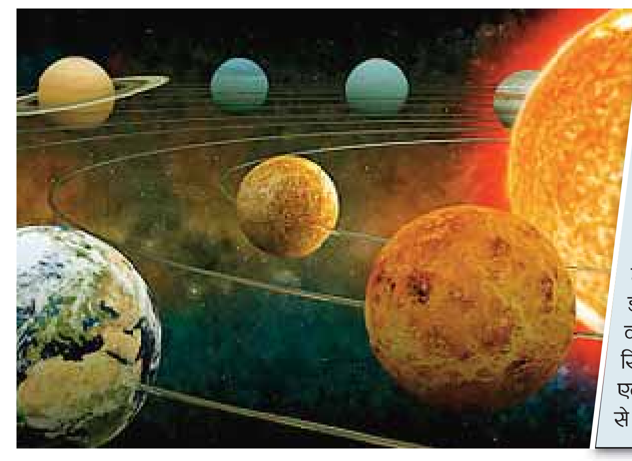

साधारण इंद्रधनुष से अलग
को पृथ्वी पर और शुक्र के बादलों में देखा गया है। ये घटनाएं पानी की उपस्थिति और रहने की क्षमता सहित एक्सोप्लैनेट की वायुमंडलीय संरचना के बारे में अधिक बता सकती हैं, जबकि डब्ल्यूएएसपी- 76बी की ग्लोरी अभी तक सिद्ध नहीं हुई है, यह एक साधारण इंद्रधनुष से बहुत अलग है।

क्यूबा में है दुनिया की सबसे महंगी और खतरनाक जेल

लंदन। दुनिया में कैदियों को रखने के लिए कई बेहद खास तरह की जेलें बनाई गई हैं। इनमें कई बेहद खतरनाक और महंगी भी हैं। आज हम आपको अपनी इस खबर में एक ऐसी ही जेल के बारे में बताएंगे। इस जेल में खूंखार आंतकियों को रखा जाता है। यहां पर एक कैदी पर करोड़ों रुपये खर्च होते हैं। बताया जाता है कि यह दुनिया की सबसे महंगी और खतरनाक जेल है। इस जेल का नाम ग्वांतनामो बे है, जो क्यूबा में ग्वांतानमो खाड़ी के तट पर स्थित है। इस जेल को दुनिया की सबसे महंगी और खतरनाक जेल कहा जाता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस जेल में बंद हर एक कैदी पर सालाना 13 मिलियन डॉलर (करीब एक अरब) खर्च होता है। फिलहाल यहां पर 30 कैदी हैं। सबसे खास बात यह है कि सिर्फ एक कैदी पर 45 सैनिक तैनात हैं।

खूंखार कैदियों पर खर्च होते हैं करोड़ों रुपए

विराट ने राज्य स्तरीय वर्ड पावर चैम्पियनशिप जीती

जबलपुर। मशहूर क्रिकेटर विराट कोहली की तरह मध्यप्रदेश के एक छोटे.से गांव खेड़ा में भी एक विराट है, जो अपनी कड़ी मेहनत और प्रतिभा के दम पर दिलों को जीत रहा है। 5वी कक्षा में पढ़ने वाले 10 वर्षीय विराट पांडे ने एक शानदार उपलब्धि हासिल की है उसने भारत की सबसे बड़ी इंग्लिश प्रतियोगिता की राज्य.स्तरीय वर्ड पावर चैम्पियनशिप जीती है। यह प्रतियोगिता केवल क्षेत्रीय भाषाओं के स्कूली विद्यार्थियों के लिये आयोजित होती है। इस प्रतियोगिता में न केवल विराट की स्पेलिंग में योग्यता को परखा गया, बल्कि उसकी लगन भी देखी गई। विराट चैंपियन बनकर उभरा। निहार शांति पाठशाला फनवाला क्षेत्रीय स्कूलों में विद्यार्थियों को व्हाट्सऐप और यूट्यूब के माध्यम से मातृभाषा में अंग्रेजी सिखाता है। ऐसे में अंग्रेजी कई बच्चों के लिये सुलभ हो जाती है। 2023 से अब तक मध्यप्रदेश में इस कार्यक्रम से 6 लाख से ज्यादा विद्यार्थियों को फायदा हुआ है।

अपस्टॉक्स ने सही दिशा में निवेश करने उठाए कदम

भोपाल। देश के प्रमुख वेल्थ मैनेजमेंट प्लेटफॉर्म में से एक अपस्टॉक्स ने खुदरा निवेशकों को सही दिशा में निवेश करने के लिए सशक्त बनाने के उद्देश्य से अनेक नए कदम उठाए हैं।

upstox

अपस्टॉक्स का प्रयास है कि अपने उपयोगकर्ताओं को वित्तीय बाजार की जटिलताओं को समझाते हुए पूरे आत्मविश्वास और स्पष्टता के साथ नेविगेट करने में मदद की जाए। अपस्टॉक्स का वजिन हर भारतीय को सही समझ, निवेश विकल्प और वेल्थ क्रिएशन संबंधी उनके सभी प्रश्नों के उत्तर देकर उन्हें सही निवेश करने में मदद करना है। उनका नवीनतम अभियान, 'किट किट को दूर करें, बाजार में उतरें' इसी वजिन को हमारे सामने पेश करता है। इसका उद्देश्य इस बारे में जागरूकता पैदा करना है।

इंसानों के जितने लंबे होते हैं शूबिल पक्षी

लंदन। अफ्रीका में कई जानवर ऐसे हैं जो कम डरावने नहीं लगते हैं। शूबिल उन्हीं में से एक है। यह एक प्रागैतिहासिक दिखने वाला पक्षी है, जो पांच फुट तक लंबा हो सकता है। इसकी चोंच एक फुट लंबी होती है। यह एक भयावह घात लगाने वाला शिकारी है जो मछली और मगरमच्छ जैसे जानवर खाता हैं। ये पक्षी आमतौर पर पूर्वी अफ्रीका के दलदलों और दलदलों में पाए जाते हैं, जहां ये मछलियां और सरीसृप खाते हैं। शूबिल पक्षी की चोंच दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी पक्षी चोंच है, जो एक फुट लंबी होती है। यह प्रागैतिहासिक दिखने वाला और भयावह पक्षी पांच फीट या 1.5 मीटर तक लंबा हो सकता है। शूबिल को अक्सर दरियाई घोड़ों के साथ रहने से फायदा होता है।

छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं। नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक। घर बैठे मंगवाये। लाभ नही तो पैसे वापिस। 08116592844

महालक्ष्मी फायनेंस
*महिलाओं को विशेष छूट (सरकार द्वारा रजिस्टर)
1% ब्याज 50% छूट
सभी प्रकार की योजनाओं के द्वारा लोन ऑनलाईन पाएं
एजेंट आमंत्रित वेतन - 25,000/- प्रतिमाह + कमीशन
मार्कशीट | पर्सनल | बिजनेस | कृषि | होमलोन | प्रॉपर्टी | व्यवसाय | राशनकार्ड | आधारकार्ड | मुर्गीपालन | ईंटभट्टा | समूह लोन
नया रोजगार शुरु करने के लिए जनधन मुद्रा योजना के द्वारा 1 लाख से 50 लाख तक 24/48 घंटे में घर बैठे लोन
9917370725

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

सरहद पर है ऊंची दीवार, फिर भी दोनों देशों के बच्चे खेलते हैं साथ

एजेंसी ▶▶| न्यूयार्क

अजीब सी चीजें हर बार ध्यान खींचती हैं। लेकिन कई बार साधारण सी चीजें भी अजीब जगह होने पर हैरान कर देती हैं। ऐसा ही कुछ सोशल मीडिया पर एक वीडियो में दिखाई दिया। आमतौर पर दो देशों की सरहदें हवापानी को छोड़ सभी कुछ बांट देती हैं। ऐसे में अगर सीमा भारत-पाकिस्तान या फिर अमेरिका और मैक्सिको जैसे देशों के बीच की हो, तो फिर यह सोचना भी मुश्किल हो जाता है कि दोनों सीमाओं पर कुछ भी साझा किया जा सकता है। लेकिन इस वीडियो में अमेरिका मैक्सिको सीमा पर एक अनोखी चीज साझा हो रही है, जिसे देख कर लोग भी चकित हुए नहीं रह पा रहे हैं. दरअसल दोनों देशों की सीमा पर गुलाबी शीशा लगाए गए हैं, जिसका एक हिस्सा अमेरिका में है और दूसरा हिस्सा मैक्सिको में हैं। शीशा के ठीक बीच में से दोनों देशों की सहरद गुजरती है। जहां देशों की सरहद को बंटवारा की निशानी माना जाता है, ये शीशा संबंध को बढ़ावा देते हैं और साझा मानवता का प्रतीक हैं।

लोग करते हैं तारीफ

वीडियो के कैप्शन में बताया गया गुलाबी शीशा रचनात्मक रूप से बाधाओं को पार करते हैं। सीमा की दीवार को एक चंचल स्थान में बदलकर। शीशा अलगाव को चुनौती देते हैं। खुशी को प्रोत्साहित करते हैं और सीमा की राजनीति पर टिप्पणी करते हैं। यह डिजाइन ऑफ़ द ईयर से सम्मानित, टीटर-टॉटर वॉल सहानुभूति को प्रेरित करने और वैश्विक मुद्दों पर संवाद को उत्तेजित करने के लिए डिजाइन की शक्ति को प्रदर्शित करता है।

क्या आपको अपनी लाडली के लिए अच्छा वर चाहिए... तो हमसे जुड़िए... या आपको तलाश है... एक अच्छी बहु की...
हरिभूमि वैवाहिकी

वधु चाहिए
वधू चाहिए — विश्वकर्मा (लोहार) 17.09.1980, 6 फीट, MBBS अविवाहित डॉक्टर प्रायवेट क्लीनिक हेतु B.Sc, B.com B.A. शिक्षित, अविवाहित, घरेलू, संस्कारी, सुन्दर एवं गृहकार्य में दक्ष, सजातीय, अपर कास्ट, मध्यमवर्गीय, निर्धन (शिक्षित परिवार) की वधु चाहिए (ब्यूरो क्षमा) संपर्क करें 9131453175

वधु चाहिए
वधू चाहिए — बंगाली, इंजीनियरिंग, एमबीए एकलौते लड़के के लिए सुन्दर सुशील ग्रेजुएट वधु चाहिए 31 वर्ष, हाइट- 5'-4" रंग सांवला पैतृक पश्चिम बंगाल वर्तमान बिलासपुर (छ.ग.) संपर्क करें 7529977997 9827954228

वधु चाहिए
मुस्लिम वधु चाहिए — मुस्लिम (सुन्नी) लड़का 38 वर्ष, ऊँचाई 5'5" खुद का बिजनेस एवं मकान, तलाकशुदा (बच्चे नहीं) लड़के के लिए अच्छे परिवार से शिक्षित लड़की चाहिए। संपर्क करें 9303903469

वर चाहिए
वर चाहिए — उम्र 32वर्ष सरकारी कर्मचारी जाति बंधन नहीं है गरीब हो या अमीर मुझे अच्छा लड़का चाहिए घर जामई, तलाक खुदा, विधुर नौकरीपेशा व्यावसायिक मान्य, मैरिज ब्यूरो क्षमा करे सम्पर्क करें- 9993738069

वर चाहिए
वर चाहिए — जाति बंधन नहीं अकेली विडो महिला शिक्षा ITI, PG, उम्र 13/01/1976, व्यवसाय होलसेल दुकान मासिक आय 300000/- सभी मान्य है जरूरतमंद एवं रिलेशनशिप के लिए भी कॉल करें 9179472796 9754918238

वर चाहिए
वर चाहिए- सतनामी (मधुकर कन्या) 32, 5' 2'', MA हिंदी आईटीआई ,सीटीआई, कन्या हेतु वर चाहिए। अन्य जाति भी मान्य। मैरिज ब्यूरो क्षमा करें। संपर्क मो.-78989-70604 (468)

राशिफल

मेष — कारोबार के कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। किसी मित्र का सहयोग भी मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृष — मन परेशान हो सकता है। आत्मविश्वास में कमी आयेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है।

मिथुन — परिवार का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं। भाइयों का सहयोग रहेगा।

कर्क — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। नौकरी में स्थान परिवर्तन हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में सफलता मिलेगी।

सिंह — बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। जीवनसाथी का सहयोग एवं सानिध्य मिलेगा।

कन्या — नौकरी में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला — भाग–दौड़ अधिक रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। शैक्षिक कार्यों के लिए यात्रा पर जा सकते हैं। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृश्चिक — जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। व्यर्थ की चिंताओं से मन विचलित रहेगा।

धनु — व्यर्थ के वाद–विवाद से बचें। नौकरी में अफसरों से सदभाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी।

मकर — परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा। धन प्राप्ति के मार्ग बनेंगे।

कुंभ — मन प्रसन्न रहेगा। फिर भी आत्मसंयत रहें। बातचीत में सन्तुलित रहें। कारोबार में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। लाभ के अवसर मिलेंगे।

मीन — तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे, परन्तु किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें।

शब्द पहेली - 5508

1	2		3	■	4	■	5		6	7
■		■		■	8			■	9	
10	■	■	11			■		■	■	
12		13		■	14		■	15	16	
	■		■	17		■	18	■		■
19	20		21		■	22		23		24
■		■		■	25		■		■	
26			■	27		■	28			
	■	■	29	■	30			■	■	
31	32	■	33			■		■	34	■
35				■		■	36			

बाएँ से दाएँ
1.आदत से मजबूर-4
5.एक वाद्य यंत्र (अंग्रेजी-4)
8.हवा,समीर-3
9.रुष्ट,गुस्सा होना-2
11.सफेद,श्वेत-3
12.हमेशा,सदैव-4
14.मस्तूल, नाव पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
15.सिर्फ,महज-3
17.अनाज का कण-2
19.आधुनिक,नया-5
22.एक प्रकार का मसाला, अजमोदा-5
25.सदैव-2
26.ध्वजा-3
27.अधिकार-2
28.असमकक्ष-4
30.चिलमन,नकाब-3
31.वायु रोग-2
33.नल,टोंटी-3
35.आवश्यकता-4
36.शमशीर-4

ऊपर से नीचे
2.राजनीतिक पार्टी-2
3.नीच,अपराधी-4
4.बिजली कौंधना-5
5.बंदर,मर्कट-3
6.जूं का अंडा-2
7.दक्षता,होशियारी-4
10.उपकार,दया भार-4
13.कुचलना,दबाना-3
16.आमदनी-3
17.मूल्य,कीमत-2
18.वाद्य यंत्र-2
20.बहादुरी-3
21.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
22.नाज,नखरा-2
23.उत्तराधिकारी-3
24.आधुनिकता-4
25.झिझकना-5
26.हौसला, ताकत-4
28.शत्रुता,दुश्मनी-4
29.हूर,परी,अप्सरा (उर्दू-3)
32.पेड़,दरख्त-2
34.औषधि-2

शब्द पहेली- 5507 का हल

■	सो	नि	या	गां	धी	■	म	हा	न	ता
खा	ना	■	प	■	र	क्ष	क	■	म	ल
ना	■	म	न	सि	ज	■	र	ग	■	मे
ब	ला	त	■	■	वा	दा	■	म	ह	ल
दो	■	दा	■	क	ला	■	आ	■	व	■
श	य	न	क	क्ष	■	दि	शा	ही	न	ता
■	म	■	प	■	ह	ल	■	न	■	क
का	ज	ल	■	शा	म	■	■	त	ह	त
म	■	त	य	■	व	फा	दा	र	■	व
चो	र	■	की	म	त	■	म	■	का	र
र	म	जा	न	■	न	य	न	ज	ल	■

सूडोकु नवताल- 5519

सरल

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 5518 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

मातृ दिवस विशेष

अपने बच्चे से मां का जुड़ाव अत्यंत गहन और निस्वार्थ होता है। उसके जीवन को गढ़ने में ही नहीं संवारने में भी मां की भूमिका बहुत उदात्त होती है। मां की पूरी दुनिया, उसके बच्चे में ही समायी होती है। सच, हर संतान के लिए उसके मां की ममता, उसके प्रेम को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता है।

अद्वितीय-असीम मां की ममता

{ आवरण कथा / कुमार राधारमण }

यह अकाट्य सत्य है कि मां सबकी जगह ले सकती है, लेकिन मां की जगह कोई नहीं ले सकता। इसलिए हमारा प्रेम, प्रेमिका के प्रति सर्वाधिक और पत्नी के प्रति सर्वोत्तम भले ही हो, लेकिन सबसे दीर्घजीवी ममतामयी और स्नेहपूर्ण प्रेम माता के साथ ही हो सकता है। हम चाहे बूढ़े हो जाएं, लेकिन अगर मां जीवित हैं, तो हमको उनकी जरूरत हमेशा महसूस होती है। उनके सान्निध्य में, उनके स्नेहपूर्ण स्पर्श में अप्रतिम आनंद और संतुष्टि की प्राप्ति होती है।

स्त्री का उदात्त स्वरूप

ओशो कहते हैं, 'मां होना स्त्री की सहज गति है। कोई पुरुष इसलिए विवाह नहीं करता कि पिता बन जाए, लेकिन स्त्री अनिवार्यतः विवाह इसलिए करती है कि वह मां बन सके। इसलिए मैं अपनी संन्यासिनों को मां कहता हूं, क्योंकि वह उनकी पूर्णता का अंतिम शब्द है। स्त्री की खोज उस दिन पूरी होगी, जिस दिन सारा जगत उसे अपनी संतान की तरह मालूम पड़ने लगे, सारा अस्तित्व उसे अपने बच्चे जैसा दिखने लगे, उसमें सारे अस्तित्व के प्रति मातृत्व जग जाए।'

आसान नहीं मां की भूमिका

पिता एक सामाजिक आवश्यकता भर है, लेकिन यही बात माता के संबंध में नहीं कही जा सकती है। बच्चे के जन्म के साथ ही मां का जन्म भी होता है। लेकिन, संतान को जन्म देना या मां बनना भर मां हो जाना नहीं है। जन्म तो अन्य प्राणी भी देते हैं। मां बनना और मां होना अलग-अलग बातें हैं। मां होना जीवन के सबसे कठिन कार्य को स्वीकार करना है। मां की भूमिका निभाना आसान नहीं होता है।

मां का अर्थ-स्वार्थहीनता

दुनिया के लिए हम करोड़ों लोगों में एक व्यक्ति मात्र होंगे, लेकिन मां के लिए हम ही पूरी दुनिया हैं। मां होने का अर्थ है, प्रेम का शुद्धतम रूप होना। प्रेम मातृत्व के साथ ही जन्म लेता है और उसके विदा होते ही समाप्त हो जाता है। बिना शर्त प्रेम केवल मां दे सकती है। अगर इस दुनिया में कोई एक चीज निश्चित है, तो वह है मां का प्रेम। बच्चे के प्रति मां के प्रेम जैसा दुनिया में कुछ भी नहीं। मां का अर्थ ही है स्वार्थहीनता।

त्याग-सहनशीलता की मिसाल

मार्क ट्वेन कहते हैं, 'बच्चा मां को कितना ही तंग करे, मां उसका आनंद ही लेती है। जब संतान का जन्म होता है, मां की अनगिनत रातें जागते हुए बीतती हैं। फिर भी, उसके चेहरे पर कोई क्षोभ या क्रोध नहीं, प्रसन्नता और संतोष की लालिमा ही दिखती है।'

महान लेखक जार्ज इलियट ने मां के बारे में ठीक ही कहा था कि संतान के मुखमंडल की प्रसन्नता ही उसके जीने का आधार होती है। जब तक शिशु कुछ कहना नहीं सीख पाता, तब तक मां की आंखों से नींद गायब रहती है। उसकी बंद आंखें भी बच्चे के लिए चिंतामग्न रहती हैं। बकौल अब्बास ताबिश, *'एक मुद्दत से मिरी मां नहीं सोई 'ताबिश', मैंने इक बार कहा था मुझे डर लगता है।'* इस धैर्य, सहनशीलता और त्याग का कोई सानी नहीं है।

संतान की पहली रोल मॉडल

चाहे किसी स्त्री के व्यक्तिगत जीवन या करियर के सपने मुरझा गए हों, लेकिन एक मां के तौर पर वह अपने बच्चे के सपने और उसके जीवन को निरंतर संवारती चलती है। यही नहीं, घर-परिवार की एकजुटता का आधार मां ही तैयार करती है। ऐसे में हर इंसान के लिए उसकी मां से बड़ा कोई दूसरा रोल मॉडल नहीं हो सकता है। पूर्व अमेरिकी बास्केटबॉल खिलाड़ी लिसा लेस्ली ने कहा था, 'जब तक मैं समझती कि रोल मॉडल होना क्या होता है, उससे पहले ही मेरी मां मेरे लिए रोल मॉडल बन चुकी थीं।'

निभाती है सबसे मूल्यवान दायित्व

मां ही बच्चे को जीने की कला सिखाती है। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज वाशिंगटन का प्रसिद्ध कथन है, 'आज मैं जो कुछ भी हूं, अपनी मां की ही बदौलत हूं।' एक नैतिक, करुणावान, सभ्य और जिम्मेदार मनुष्य तैयार करना इस दुनिया का सबसे बड़ा और मूल्यवान दायित्व है, जिसे मां पूरी शिद्दत से निभाती है। किसी भी इंसान में जो कुछ भी बन सकने की संभावना होती है, उसमें मां की अनन्य भूमिका होती है। खुद अनपढ़ हो, तो भी बच्चों को पढ़ाती है मां। यह भूमिका, साहस और सौंदर्य शब्दों से परे है। इसी अर्थ में बिल वाटरसन ने मातृत्व को आविष्कार की जननी माना है। भारत में महान सांस्कृतिक आंदोलन के प्रणेता श्रीराम शर्मा आचार्य कहते हैं, 'माता का अर्थ है निर्माण करने वाले गुणों का होना।'

हर संकट में देती है संबल

संकट की हर घड़ी में सबसे पहले मां की ही याद आती है, क्योंकि कठिन से कठिन समय में भी संतान के प्रति मां की सहानुभूति और हौसला छीजता नहीं। प्रसिद्ध यहूदी उक्ति है कि मां वह भी समझती है, जो बच्चा कह नहीं पाता। हर मुश्किल वक्त में, आप मांगें न मांगें, मां संबल देती ही है। इफ्तिखार आरिफ का मशहूर शेर है, *'दुआ को हाथ उठाते हुए लरजता हूं, कभी दुआ नहीं मांगी थी मां के होते हुए।'*

मां के प्रति हों कृतज्ञ

मां का प्रेम हमारे भीतर एक नई ऊर्जा उत्पन्न करता है। इस ऊर्जा में हमारे अंतरतम को आलोकित करने की शक्ति होती है। यह ऊर्जा किसी बंधन को नहीं मानती और न ही यह हमें बांधती है। यह ऊर्जा मुक्तिदायी है। लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज के अर्थप्रधान और भौतिक युग में हम मां की गरिमा का मूल्य भूलने लगे हैं। मां के प्रति कृतज्ञता का जो भाव होना चाहिए, प्रायः हम उसकी अनदेखी करते हैं। स्वयं के साथ ही देश और समाज के उत्थान के लिए मातृशक्ति का सम्मान, उनके प्रति कृतज्ञता का भाव परम आवश्यक है। *

ऐसे हुई मातृ दिवस की शुरुआत

दुनिया भर के 40 से अधिक देशों में मई के दूसरे रविवार को मातृदिवस मनाया जाता है। कई और देशों में यह मार्च या दूसरे महीनों में भी मनाया जाता है। लेकिन भारत, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और संयुक्त राज्य अमेरिका में यह मई के दूसरे संडे को ही मनाया जाता है। मदर्स-डे की इस वैश्विक महत्ता को देखते हुए जो शुरुआती अनुमान बनता है, उससे लगता है शायद महिलाओं को उनकी मातृत्व विशिष्टताओं के लिए यह पुरुषों द्वारा दिया गया सम्मान होगा, पर ऐसा नहीं है। यह महिलाओं द्वारा खुद अपने लिए बड़ी जिद और जुनून से अर्जित किया गया सम्मान है, इसके लिए दुनिया की कई महिला नेत्रियों को दशकों तक संघर्ष करना पड़ा था।

जूलिया वार्ड हावे

एना जार्विस

इसमें कोई दो राय नहीं है कि आज पूरी दुनिया में मातृ दिवस मांओं के सम्मान को समर्पित है। लेकिन इस दिन को सम्माननीय बनाने के लिए जुलिया वार्ड होवे और एना जार्विस जैसी अमेरिकी सामाजिक कार्यकर्ताओं और नारीवादी एक्टिविस्टों ने बहुत कुछ किया है। मदर्स-डे की शुरुआत का श्रेय वास्तव में जूलिया वार्ड होवे को ही जाता है, लेकिन आधुनिक स्वरूप के मदर्स-डे की संस्थापक ब्रिटिश सामाजिक कार्यकर्ता एना जार्विस मानी जाती हैं। सन 1870 में जूलिया वार्ड होवे ने महिलाओं से अपने मां के सम्मान में मदर्स-डे मनाए जाने का आह्वान किया था। अगर कहें कि दुनिया में सबसे पहली बार इस दिवस की कल्पना उन्होंने ही की थी, तो गलत नहीं होगा, क्योंकि इस नारीवादी लेखिका ने देखा था कि युद्ध की क्रूरता को सबसे अधिक मांओं को झेलना पड़ता है। इसलिए युद्ध रोकने के लिए जूलिया वार्ड ने दुनियाभर की मांओं के लिए एकजुट होकर आगे आने का आह्वान किया था और दो वर्षों के बाद 1872 में पहली बार उनके नेतृत्व में इकट्ठी हुई महिलाओं ने 'मदर्स पीस-डे' मनाया, जो कि वास्तव में आज के मदर्स-डे की बुनियाद था। अमेरिका के कई शहरों में यह मदर्स पीस-डे अगले 30 सालों तक मनाया जाता रहा। लेकिन आगे चलकर एना जार्विस ने इस मदर्स पीस-डे को सिर्फ मदर्स-डे में बदल दिया। उन्होंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि इससे हर कोई अपनी मां से जुड़ रहा था और मांओं के प्रति सम्मान का यह आदर्श दिवस बन गया था।

-संध्या सिंह

म से मां, मदर, मम्मी...

बच्चे को जन्म देने वाली स्त्री को क्या कहते हैं? हिंदी में मां, संस्कृत में माता, अंग्रेजी में मदर, फारसी में मादर, फ्रेंच में मेर, स्पेनिश में मादरे, इतालवी में मम्मा, जर्मन में मत्तेर, चीनी में मकून, रूसी में ममा, बांग्ला में मा आदि। जिन भाषाओं में जननी के लिए सम्मानसूचक शब्द 'म' या 'एम' से आरंभ नहीं होता, उनमें भी अकसर यही वर्ण प्रधान होता है जैसे- तमिल और मलयालम में अम्मा और उर्दू में अम्मी। ऐसा क्यों है कि अधिकतर भाषाओं में मां के लिए बोले जाने वाले शब्द 'म' से शुरू होते हैं या उनमें 'म' पर बल दिया जाता है? यह सोचने की बात है। मां की गोद में रहते हुए जब मैंने बोलना सीखा था तो मेरे मुंह से पहला शब्द 'मम' निकला था, जो मां के लिए भी था और पानी के लिए भी। अरबी भाषा में पानी को 'मा' कहते हैं। तो मां वो शय है, जिससे ममत्व गंगा की तरह बहता है। शायर कृष्ण स्वरूप के शब्दों में, *'कांपते होंठों से अम्मा जो दुआ देती है/ मेरे अल्लाह तेरे होने का पता देती है।* मैंने मां दुर्गा के नौ अवतारों- मां शैलपुत्री, मां ब्रह्मचारिणी, मां चंद्रघंटा, मां कूष्मांडा, मां स्कंदमाता, मां कात्यायनी, मां कालरात्रि, मां महागौरी और मां सिद्धिदात्री को अपने अंदर आत्मसात करके दुष्प्रवृत्तियों का नाश किया। यह आदमी से इंसान बनने की प्रक्रिया मुकम्मल न हो पाती अगर मां सरस्वती से ज्ञान, मां लक्ष्मी से समृद्धि और मां पार्वती से शक्ति नहीं मिलती। बाइबिल का वचन कितना सत्य है कि मां के बिना जीवन होता ही नहीं है। मां तू आलौकिक है। तेरे स्मरण मात्र से रोम-रोम पुलकित हो उठता है, दिल में जज्बात की अनहद लहर खुद-ब-खुद उमड़ पड़ती है और दिलो-दिमाग यादों के गहरे समुद्र में डूब जाता है। मां तेरी ममता और तेरे आंचल की महिमा को मैं शब्दों में व्यक्त करने में असमर्थ हूं। मां तूने मेरे लिए क्या नहीं किया- नौ माह अपने पेट में रखा, प्रसव पीड़ा को बर्दाश्त किया, स्तनपान कराया, रात-रात भर मेरे लिए जागी, खुद गीले में रह कर मुझे सूखे में सुलाया, मीठी-मीठी मुझे लोरियां सुनाईं, अंगुली पकड़ कर मुझे चलना सिखाया, मैं रूठा तो तूने मुझे मनाया, मैं रोया तो तूने मेरे आंसुओं को पोंछा। आज भी जब मैं अंधेरे में भटकता हूं तो मां मैं अपने हाथ पर तेरा हाथ महसूस करता हूं, मेरा हाथ पकड़ कर तू मुझे राह दिखाती है... यह मेरी अनुभूति है। मुझसे पहले भी शायरों, विद्वानों, साहित्यकारों, दार्शनिकों आदि ने मां के प्रति उत्पन्न होने वाली अनुभूतियों को कलमबंद करने की भरपूर कोशिश की है, लेकिन वो भी मेरी तरह मां की समग्र परिभाषा और उसकी अनंत महिमा को अल्फाज में कहां पिरो पाए हैं। शायद ईश्वर की तरह ही मां को परिभाषित न कर पाना ही मां की मूल पहचान है। ममत्व और वात्सल्य की दृष्टि से दुनिया की सभी मांएं एक जैसी होती हैं और यही कारण है कि संसार की अधिकतर भाषाओं में म से ही मां, मदर, मम्मी जैसे शब्द बने हैं।

-शाहिद ए. चौधरी

{ जज्बात / मुनव्वर राना }

मां की दुआ

छू नहीं सकती मौत भी आसानी से इसको
यह बच्चा अभी मां की दुआ ओढ़े हुए है

चलती फिरती हुई आंखों से अज़ां देखी है
मैंने जन्नत तो नहीं देखी है मां देखी है

मैंने रोते हुए पोंछे थे किसी दिन आंसू
मुद्दतों मां ने नहीं धोया दुपट्टा अपना

लबों पे उसके कभी बददुआ नहीं होती
बस एक मां है जो मुझसे खफा नहीं होती

इस तरह मेरे गुनाहों को वो धो देती है
मां बहुत गुस्से में होती है तो रो देती है

मेरी ख्वाहिश है कि मैं फिर से फरिश्ता हो जाऊं
मां से इस तरह लिपट जाऊं कि बच्चा हो जाऊं

ये ऐसा कर्ज है जो मैं अदा कर ही नहीं सकता
मैं जब तक घर न लौटूं मेरी मां सजदे में रहती है

यूं तो अब उसको सुझाई नहीं देता लेकिन
मां अभी तक मेरे चेहरे को पढ़ा करती है

(साभार)

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

वाचिक आलोचना का परिदृश्य

बहुआयामी वरिष्ठ साहित्यकार उद्भ्रांत विगत कई दशकों से विभिन्न विधाओं में निरंतर सृजनशील हैं। हालांकि उनके विपुल रचना संसार पर आलोचनात्मक विमर्श, तुलनात्मक रूप से कम ही हुआ है। हाल में स्वयं उन्हीं के संपादन में प्रकाशित पुस्तक 'हिंदी की वाचिक परंपरा का समकालीन परिदृश्य' इस लिहाज से महत्वपूर्ण मानी जा सकती है कि इसमें उद्भ्रांत के बहुविध लेखन पर अनेक वरिष्ठ आलोचकों के वक्तव्यों को हू-ब-हू संकलित किया गया है। यहां नामवर सिंह, विश्वनाथ त्रिपाठी, अशोक बाजपेयी और नित्यानंद तिवारी से लेकर राजेंद्र यादव, पंकज बिष्ट, पंकज शर्मा और देवेंद्र चौबे तक वरिष्ठ और नई पीढ़ी के लेखकों-आलोचकों के बेबाक विचार मौजूद हैं। इस पुस्तक की खासियत यह भी है कि संपादक ने अपने बारे में की गई तल्ख टिप्पणियों को भी इसमें संकलित करने से गुरेज नहीं किया है। उद्भ्रांत के रचना संसार को समझने में यह किताब काफी मददगार साबित हो सकती है। *

पुस्तक: हिंदी की वाचिक परंपरा का समकालीन परिदृश्य (आलोचनात्मक वक्तव्य), **संपादक:** उद्भ्रांत, **मूल्य:** 499 रुपए, **प्रकाशक:** नमन प्रकाशन, नई दिल्ली

{ लघुकथाएं }

मां की ममता की गहराई कभी नहीं मापी जा सकती। मां के लिए उसकी संतान सबसे बड़ी नियामत है। उसके लिए वह अपना सब कुछ न्यौछावर कर सकती है। मां की ममता को उकेरती लघुकथाएं।

मां भावनाओं का समंदर

मां हो तो ऐसी!

मां बनने के लिए वर्षों से अनुराधा इंतजार कर रही थी। एक दिन डॉक्टरों ने बताया कि वह दुर्घटना के कारण अब जीवन भर मां नहीं बन सकेगी। अनुराधा ने किसी बच्चे को गोद लेने का निर्णय लिया। दो वर्ष बाद ही उसने एक तीन माह के बच्चे को गोद ले लिया।

बच्चा अनुराधा की गोद में आया तो वह खुशी से झूम उठी। मां बनकर उसे अद्भुत आनंद की अनुभूति हो रही थी। ऐसा लगा मानो सारे संसार की खुशियां उसकी झोली में आ गई हैं। पूरी गली में उसने मिठाई बंटवाई। अनुराधा ने बच्चे का नाम रखा आलोक। सबसे बोली, 'आज से सभी लोग मुझे आलोक की मां कहकर बुलाएंगे।' सभी ने मुस्कुराकर हामी में सिर हिला दिया। बच्चा एक साल का हुआ तो उसने जब पहली बार अनुराधा को 'मां' कहकर पुकारा, वह खुशी से उछल पड़ी। मां पुकारे जाने पर उसे लगा जैसे उसका जीवन सार्थक हो गया। कितने सालों से वह मां शब्द सुनने को तरस रही थी। अनुराधा ने इस खुशी में एक बार फिर अपनी गली में मिठाई बंटवाई। जिस दिन बच्चे का अन्नप्राशन हुआ, उसने फिर गली में सबको मिठाई खिलाई। इतना ही नहीं पहले दिन जब आलोक स्कूल गया, अनुराधा सबको मिठाई खिलाना नहीं भूली। यहां तक कि जब कॉलेज में भी आलोक ने दाखिला लिया तो अनुराधा ने फिर मिठाई बांटी। पढ़ाई पूरी करने के बाद जिस दिन आलोक ने पिता के पुश्तैनी कारोबार में हाथ बंटाना शुरू किया तो अनुराधा ने लड्डू बांटे। गली की कुछ महिलाओं ने तारीफ में कह दिया, 'अनुराधा, तुम बेटे के हर काम के शुभारंभ पर सबको मिठाई खिलाना नहीं भूलतीं। तुम तो बहुत अनोखी मां हो।' इस पर अनुराधा बनावटी गुस्सा दिखाते बोली, 'लगता है तुम औरतों को मेरी खुशी से जलन हो रही है।' अनुराधा का उत्तर सुनकर नाराज होने के बजाय सारी महिलाएं एक साथ हंसकर बोलीं, 'मां हो तो ऐसी...!'

इस पर मां अनुराधा का सिर गर्व से ऊंचा होना ही था।

इस पर अनुराधा को गौरान्वित महसूस होना ही था। *

-अशोक वाधवाणी

हैप्पी मदर्स-डे

वृद्धाश्रम में मां आज काफी खुश थी। खुशी इस बात की नहीं कि उसके बेटे ने नई साड़ी या टूटा हुआ चश्मा बनवा कर दिया था, बल्कि खुशी तो इस बात की थी कि महीनों बाद उसका इकलौता बेटा उससे मिलने आया था। पूरे बीस मिनट उसके पास बैठकर उसकी खैर-खैरियत पूछी। मोबाइल पर उसके साथ दर्जनों सेल्फी लीं। बेटे के जाने के बाद वह उसके आने की खुशी वृद्धाश्रम की अन्य औरतों के साथ साझा कर रही थी। किसी ने पूछा, 'काफी महीनों बाद आज तुम्हारा बेटा तुमसे मिलने आया था। क्या आज तुम्हारा या तुम्हारे बेटे का बर्थ-डे है?' 'अरे नहीं, आज वो क्या कहते हैं... हां... हैप्पी मदर्स-डे है न!' मां हंसते हुए बोली। कुछ देर बाद मां अपने बक्से से बेटे की तस्वीर निकाल कर निहार रही थी, दूसरी ओर बेटा मां के साथ खींची हुई तस्वीरें मोबाइल स्टेटस और फेसबुक पर लगा रहा था। *

-विनोद कुमार विक्की

यह है स्वर्ग

आज चार वर्षीया दीपिका के स्कूल में मदर्स-डे मनाया जा रहा था। दीपिका के माता-पिता को भी आमंत्रित किया गया था। अचानक वह खड़ी हुई और उसने टीचर से पूछा, 'मैडम स्वर्ग क्या होता है?' एक पल सोचकर टीचर ने दीपिका और उसकी मम्मी को स्टेज पर बुलाया। दीपिका को उसकी मम्मी की गोद में बैठाकर बोलीं, 'बेटा, मां की गोद स्वर्ग होती है, मां भगवान जो होती है।'

स्कूल का हॉल तालियों से गूंज उठा। लेकिन दीपिका के मम्मी-पापा एक-दूसरे को ताकते हुए गर्दन झुकाए बैठे थे। कार्यक्रम खत्म होते ही दीपिका के मम्मी-पापा वृद्धाश्रम गए। दोनों ने दीपिका की दादी से क्षमा मांगी और उन्हें घर ले आए। मां की गोद में सिर रखकर दीपिका के पापा बोले, 'आज मुझे स्वर्ग मिल गया।' घर में खुशियां गुनगुनाने लगीं। *

-चंद्रप्रकाश डाले

मां बहुत अजीब है

उसे मां पर बहुत गुस्सा आता है। कभी-कभी नफरत सी होती है। जब देखो तब मां उसे डांटती-फटकारती रहती हैं, कभी एग्जाम में नंबर कम लाने पर, कभी अपना कमरा गंदा रखने पर, तो कभी-कभी प्लेट में खाना जूठा छोड़ने पर भी। और तो और, गीला तौलिया बिस्तर पर छोड़ने पर भी डांटने से नहीं चूकतीं। उसे लगता है कि वह मां को कभी खुश नहीं कर पाएगा।

'कितनी अच्छी होती है मां। अपने बच्चों के लिए कुछ भी कर गुजरने वाली।' इस तरह की बातें पढ़ने-सुनने और देखने के बाद उसे अपनी मां बहुत अजीब लगती है।

'मां मुझे बिल्कुल प्यार नहीं करती। कहीं मेरी मां नकली तो नहीं!' उसके दिमाग में यह विचार घर बनाता जा रहा था। वह हरदम गुस्साया-सा रहने लगा।

आज किसी बात पर वह पड़ोसी लड़के से उलझ गया। लड़का जरा ताकतवर था। लड़के ने उसे मारने के लिए अपना हाथ उठा दिया। डर के मारे उसने अपनी आंखें बंद कर लीं। अचानक मां वहां आ गई।

'अब तो दो चपत इनकी भी खानी पड़ेगी।' उसने मन ही मन अपनी नियति तय कर ली। लेकिन यह क्या? मां ने लड़के का हाथ उसके गाल तक पहुंचने से पहले ही रोक लिया, बोली, 'खबरदार जो मेरे बेटे को हाथ लगाया।'

मां ने पड़ोसी लड़के को चेताया और उसे हाथ पकड़ कर अपने साथ ले गई। रास्ते भर उस लड़के को कोसती जा रही थी सो अलग। 'मां सचमुच बहुत अजीब है।' वह सोचता जा रहा था। *

-आशा शर्मा

मैं अच्छी मां बनूंगी

छह महीने का होने को आया नन्हा मुकुल पर लोगों के व्यंग्यबाण स्नेहा आज भी सुन रही है।

'सरोगेसी से मां बनने वाले... क्या जानें मां की भावना?'

'सच है! जिसने जना ही नहीं, उसे क्या पता बच्चा होने का दर्द? ना कोई स्ट्रेच मार्क, ना कोई स्टिचेस... बस बच्चा गोद में आ गया।'

मेडिकल प्रॉब्लम की वजह से नेचुरली मां ना बन पाना स्नेहा के लिए यूं भी बड़ा दुःखपूर्ण था, ऊपर से ऐसे तानों ने उसके दिल को छलनी कर दिया।

'गिरीश क्या मैं अच्छी मां बनूंगी?' जब तक पति गिरीश कुछ बोलते, नन्हे मुकुल ने तोतली जुबान से 'म... म्मा' बोल दिया।

गिरीश ने स्नेहा का हाथ थामा और जवाब में बोला, 'अच्छी मां बनने के लिए सिर्फ मां की ममता जरूरी है स्नेहा! पूरी दुनिया को यह यशोदा मां ने समझाया है।'

खुशी के मारे उसने मुकुल के नन्हे पैरों पर अपनी अंगुलियों से दिल बनाया, वही गिरीश ने भी किया। तीन खूबसूरत दिल एक-दूसरे के लिए धड़क रहे थे। *

-अवंति श्रीवास्तव

आईपीएल 2024 : अब तक 36 बार बन चुके 200+ स्कोर, इनमें से आठ बार पार हुआ 250+ का आंकड़ा

200+ स्कोर बनने का दर 2023 में 25.17 प्रतिशत, 2024 में बढ़कर 30.17 प्रतिशत हो चुका

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

आईपीएल 2024 में रनों की बारिश हो रही है। इस साल लीग राउंड अभी खत्म नहीं हुआ है कि हजार छक्के पूरे हो चुके हैं। गेंद के हिसाब से सबसे तेज हजार छक्कों का रिकॉर्ड बना है। वहीं, औसतन हर दूसरे मैच में 200+ के स्कोर बन रहे हैं। इम्पैक्ट प्लेयर का नियम आने के बाद से 200+ के स्कोर में काफी बढ़ोतरी हुई है।

एक अतिरिक्त बल्लेबाज का हर टीम फायदा उठा रही है। उच्चतम स्कोर का रिकॉर्ड इस सीजन कई बार टूट चुका है। इतना ही नहीं सबसे बड़े चेज का रिकॉर्ड भी टूट गया। इसे रिकॉर्डतोड़ सीजन भी कहा जा रहा है। इसके बाद टी20 विश्व कप भी खेला जाना है। ऐसे में खिलाड़ी आईपीएल को तैयारी के तौर पर ले रहे हैं।

इम्पैक्ट प्लेयर के नियम से पड़ा असर

इस सीजन अब तक 59 मैचों की 118 पारियों में 36 बार 200 या इससे ज्यादा के स्कोर बन चुके हैं। जो पिछले सभी सीजन को मिलाकर इतने मैचों के बाद सबसे ज्यादा हैं। पिछले साल यानी आईपीएल 2023 में 74 मैचों की 147 पारियों में 37 बार 200 या इससे ज्यादा के स्कोर बने थे, जो आईपीएल के एक सीजन में 200+ के स्कोर का रिकॉर्ड है। हालांकि, इस सीजन यह रिकॉर्ड ध्वस्त होता हुआ दिख रहा है। वहीं, 2022 में 74 मैचों की 148 पारियों में 18 बार 200 या इससे ज्यादा के स्कोर बने थे। 2023 में ही इम्पैक्ट प्लेयर का नियम आईपीएल में लागू हुआ था और उसके बाद से 200+ के स्कोर में गजब की बढ़ोतरी हुई है। जहां 2022 में 200+ का स्कोर बनने का दर 12.16 प्रतिशत था, वहीं 2023 में यह बढ़कर 25.17 प्रतिशत हो गया था। इस सीजन अब तक यह बढ़कर 30.5 प्रतिशत हो चुका है।

इस साल आठ बार 250 का आंकड़ा पार

आईपीएल के पहले संस्करण यानी 2008 में 11 बार 200+ के स्कोर बने थे। इसके बाद 2009 से लेकर 2017 तक यह आंकड़ा 10 बार से ऊपर नहीं गया। 2018 से 2020 तक यह आंकड़ा अधिकतम 14 बार से ऊपर नहीं गया। वहीं, 2021 में नौ ही बार 200 या इससे ज्यादा के स्कोर बने। आईपीएल 2024 में अब तक आठ बार 250+ का स्कोर बन चुका है। वहीं, 2023 में सिर्फ एक बार 250+ रन बना था। तब लखनऊ सुपर जाएंट्स ने पंजाब किंग्स के खिलाफ 20 ओवर में पांच विकेट गंवाकर 257 रन बनाए थे।

2024 में 13 बार दोनों पारी में बने 200+ स्कोर

आईपीएल 2024 में ऐसे 13 मैच हुए हैं जब दोनों पारियों में 200-200 के स्कोर बने। यह एक रिकॉर्ड है। इससे पहले 2023 में 12 बार या 12 मैच ऐसे हुए थे जब दोनों पारियों में 200+ के स्कोर बने थे। 2022 में ऐसा पांच बार, 2008, 2010, 2018 और 2020 में ऐसा चार बार, 2014 और 2021 में ऐसा तीन बार, 2017 और 2019 में ऐसा दो बार, 2011, 2012 और 2016 में ऐसा एक बार हुआ था। 2009, 2013 और 2015 में ऐसा कोई मैच नहीं हुआ, जिसमें दोनों पारियों में 200+ के स्कोर बने हों। इन सीजन में सिर्फ एक पारी में 200+ का स्कोर बना।

सत्र में 200+ का स्कोर

वर्ष	200+	मैच	पारियां
2024	36*	59*	118*
2023	37	74	147
2022	18	74	148
2021	9	60	120
2020	13	60	120
2019	11	59	118
2018	14	60	120
2017	10	59	118
2016	6	60	120
2015	7	59	117
2014	9	60	120
2013	4	76	152
2012	5	74	148
2011	5	72	144
2010	9	59	118
2009	1	59	118
2008	11	58	116

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
कोलकाता	11	8	3	16
राजस्थान	11	8	3	16
हैदराबाद	12	7	5	14
चेन्नई	12	6	6	12
दिल्ली	12	6	6	12
लखनऊ	12	6	6	12
बेंगलोर	12	5	7	10
गुजरात	12	5	7	10
मुंबई	12	4	8	8
पंजाब	12	4	8	8

ऑरेंज कैप

विराट कोहली
634 रन
बेंगलोर

पर्पल कैप

हर्षल पटेल
20 विकेट
पंजाब

बाउंड्री मीटर

1846 चौके
1063 छक्के

सुदर्शन ने जीता स्मिथ और मूडी का दिल

अहमदाबाद। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आक्रामक शतक लगाकर गुजरात टाइटंस की जीत के सूत्रधार रहे बी साई सुदर्शन ने ग्रीम स्मिथ और टॉम मूडी जैसे धुरंधरों को प्रभावित किया है। तीसरे नंबर पर उतरने वाले सुदर्शन का शुक्रवार तक स्ट्राइक रेट 131.67 था लेकिन चेन्नई के खिलाफ पारी की शुरुआत करते हुए उन्होंने 201.96 की स्ट्राइक रेट से 51 गेंद में 103 रन बनाए। स्मिथ ने कहा, 'सुदर्शन इस सत्र में गुजरात के लिए सबसे ज्यादा रन बना चुका है। सबसे तेजी से आईपीएल में 1000 रन पूरे किए हैं। उसके बारे में और बात होनी चाहिए।'

बल्लेबाजों को स्ट्राइक रेट सुधारने की जरूरत

कराची। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान यूनिस खान ने बाबर आजम, फखर जमां और मोहम्मद रिजवान जैसे अन्य अनुभवी खिलाड़ियों को आधुनिक क्रिकेट की आवश्यकताओं के अनुरुप स्ट्राइक रेट बढ़ाने की सलाह दी है। यूनिस ने शुक्रवार को कराची में कहा कि खिलाड़ियों को टी20 प्रारूप में किसी भी क्रम पर बल्लेबाजी करने के लिए तैयार रहना चाहिए। इसी तरह गेंदबाजों को दबाव की स्थिति में गेंदबाजी करने के लिए तैयार रहना चाहिए।

रॉयल्स को अब तक क्वालीफाई कर लेना था

चेन्नई। इंडियन प्रीमियर लीग 2024 के शुरुआती हिस्से में शानदार लय हासिल करने वाली राजस्थान रॉयल्स के आल राउंडर डोनोवन फरेरा ने शनिवार को कहा कि टीम को अब तक प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर लेना चाहिए था। कुछ दिन पहले तक आईपीएल तालिका में शीर्ष पर चल रही राजस्थान रॉयल्स लगातार दो हार के बाद दूसरे स्थान पर खिसक गई। अब टीम रविवार को गत चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ जीत की लय में वापसी के लिए बेताब होगी।

आईपीएल : 12 मैच में 12 अंक लेकर तालिका में चौथे स्थान पर सुपर किंग्स

चेन्नई की जीत से प्लेऑफ की राह होगी आसान, रॉयल्स देगा चुनौती

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

चेन्नई सुपर किंग्स को इंडियन प्रीमियर लीग के प्लेऑफ की अपनी उम्मीदों को मजबूत करने के लिए राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले मैच में हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। सुपर किंग्स की टीम अभी 12 मैच में 12 अंक लेकर अंक तालिका में चौथे स्थान पर है लेकिन गुजरात टाइटंस के खिलाफ शुक्रवार को हार के कारण उस पर अतिरिक्त दबाव बढ़ गया है और उसे अब बाकी बचे दोनों मैच में जीत दर्ज करने की जरूरत है। दूसरी तरफ रॉयल्स के 16 अंक हैं और वह दूसरे स्थान पर है लेकिन पिछले दो मैच में सनराइजर्स हैदराबाद और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ हार के कारण उसका मनोबल गिरा है। रॉयल्स की टीम पर प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने का खतरा नहीं मंडरा रहा है लेकिन संजू सैमसन की अगुवाई वाली टीम नॉकआउट चरण से पहले जीत की राह पर लौट के लिए बेताब होगी।

यशस्वी के प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव

जहां तक रॉयल्स का सवाल है की टीम जीत की राह पर लौट के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी। उसकी चिंता सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव है। यह सलामी बल्लेबाज विश्व कप से पहले अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में लौटने का प्रयास करेगा। कप्तान संजू सैमसन लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं लेकिन उन्हें रियान पराग, शुभम दुबे और रोवमैन पावेल से अच्छे सहयोग की जरूरत है। अनुभाई स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पिछले मैच में तीन विकेट हासिल किए थे और वह अपने इसी प्रदर्शन को जारी रखने की कोशिश करेंगे।

सीएसके का शीर्षक्रम फेल

सुपर किंग्स को गुजरात टाइटंस के खिलाफ सबसे बड़ी निराशा शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों अजिंक्य रहाणे, रचिन रविंद्र और कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ से मिली। यह तीनों बल्लेबाज रॉयल्स के खिलाफ उसकी भरपाई करना चाहेंगे। डेरिल मिचेल और मोईन अली का अच्छा प्रदर्शन सुपर किंग्स के लिए इस मैच में सकारात्मक पहलू रहा। टीम को शिवम दुबे से भी बड़े स्कोर की उम्मीद होगी। भारत की विश्व कप टीम में चुना गया यह ऑलराउंडर गुजरात के खिलाफ 13 गेंद पर 21 रन ही बना पाया था।

आरसीबी के लिए दिल्ली के खिलाफ आज 'करो या मरो' का मुकाबला

बेंगलुरु। *लगातार चार मैच जीतकर प्लेआफ की दौड़ में बनी हुई रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर को अपना दावा बनाए रखने के लिए रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में दिल्ली कैपिटल्स को हर हालत में हराना होगा जबकि दिल्ली के कप्तान ऋषभ पंत निलंबन के कारण इस मैच से बाहर रहेंगे। पंत की गैर मौजूदगी से आरसीबी को फायदा मिलेगा जबकि दिल्ली के लिए यह बड़ा झटका है। आरसीबी ने गुजरात टाइटंस को दो बार हराने के अलावा पंजाब किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद को हराया है। गुजरात और पंजाब से आरसीबी को कोई चुनौती नहीं मिली और सनराइजर्स को उसने करीबी मुकाबले में हराया। दूसरी ओर दिल्ली के प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव रहा है। आरसीबी 12 मैचों में 10 अंक लेकर सातवें स्थान पर है और अब हारने से उसके लिये रास्ते बंद हो जाएंगे ।*

खास खबर

नीरज डायमंड लीग का अगला चरण जीतने के लिए प्रतिबद्ध

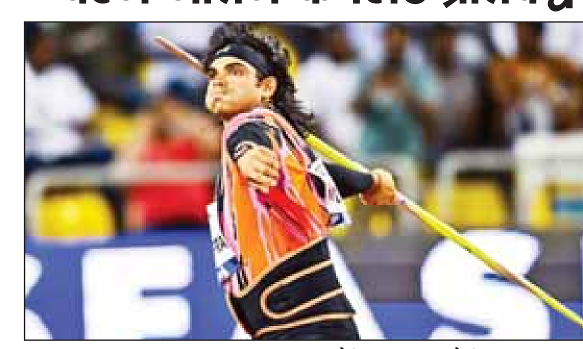

एजेंसी ▶▶| दोहा

ओलंपिक और विश्व चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा दोहा चरण में दूसरे स्थान पर रहने के बाद डायमंड लीग की अगली प्रतियोगिता जीतने के लिए प्रतिबद्ध हैं। चोपड़ा ने दोहा डायमंड लीग में अपने अंतिम प्रयास में 88.36 मीटर भाला फेंक कर दूसरा स्थान हासिल किया था।

वह इस चरण में स्वर्ण पदक जीतने वाले जैकब वाडलेज्च से केवल 2 सेंटीमीटर पीछे रह गए थे। सत्र की अपनी पहली प्रतियोगिता में भाग ले रहे चोपड़ा ने अपने अंतिम प्रयास में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया लेकिन वह अपने खिताब का बचाव नहीं कर पाए। दो बार के विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स ने 86.62 मीटर के थ्रो के साथ तीसरे स्थान पर रहे। चोपड़ा ने कहा, 'मेरे लिए इस साल की सबसे महत्वपूर्ण प्रतियोगिता पेरिस ओलंपिक है लेकिन डायमंड लीग भी काफी महत्वपूर्ण है। यह मेरी इस सत्र की पहली प्रतियोगिता है तथा मैं केवल 2 सेंटीमीटर के अंतर के कारण दूसरे स्थान पर रहा लेकिन अगली बार में इससे बेहतर प्रदर्शन करके जीत दर्ज करने की कोशिश करूंगा।'' डायमंड लीग का अगला चरण, जिसमें भाला फेंक स्पर्धा शामिल है, सात जुलाई को पेरिस में होगा।

टंडन की विश्व स्क्वाश में शानदार जीत

नई दिल्ली। भारत के रमित टंडन ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए अमेरिका के फराज खान को हराकर काहिरा में चल रही विश्व स्क्वाश चैंपियनशिप के दूसरे दौर में प्रवेश किया। विश्व रैंकिंग में 36वें नंबर के खिलाड़ी और इस टूर्नामेंट में सीधा प्रवेश पाने वाले टंडन ने विश्व में 57वें नंबर के अमेरिकी खिलाड़ी को केवल 13 मिनट में 11-1, 11-3, 11-3 से करारी शिकस्त दी। इस टूर्नामेंट में भाग ले रहे एकमात्र भारतीय खिलाड़ी टंडन का अगला मुकाबला रविवार को इंग्लैंड के सातवीं वरीयता प्राप्त मोहम्मद अल शोरबागी से होगा।

जेम्स एंडरसन लॉड्‌र्स में खेलेंगे अंतिम टेस्ट मैच

एजेंसी ▶▶| लंदन

महान तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने शनिवार को घोषणा की कि इस सत्र में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू श्रृंखला का पहला टेस्ट उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का आखिरी मैच होगा। एंडरसन ने अपने 20 साल के कॅरियर में 700 टेस्ट विकेट लिए है।

■ महान तेज गेंदबाज ने की आधिकारिक घोषणा

2003 में पदार्पण करने वाले एंडरसन सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज के साथ इस प्रारूप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली सूची में मुथैया मुरलीधरन (800) और शेन वार्न (708) के बाद तीसरे स्थान पर है। एंडरसन ने अपने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'सभी को नमस्कार। मैं सिर्फ यह कहना चाहता हूं कि आगामी घरेलू सत्र में लॉर्डस मैदान पर खेला जाने वाला पहला टेस्ट मेरा आखिरी टेस्ट होगा। जिस खेल को मैं बचपन से पसंद करता था उसमें अपने देश का 20 साल तक प्रतिनिधित्व करना अविश्वसनीय रहा है।

इंग्लैंड के लिए खेलने की कमी मुझे बहुत खलेगी। मैं हालांकि जानता हूं कि अब दूसरों को भी उनके सपने साकार करने देने का समय आ गया है, जैसा कि मैंने किया, क्योंकि इससे बड़ी कोई भावना नहीं है।'

समर्थन के लिए धन्यवाद

एंडरसन ने लिखा, 'मैं डेनिएला, लोला, रूबी और अपने माता-पिता के प्यार और समर्थन के बिना यह नहीं कर पाता। उन्हें बहुत-बहुत धन्यवाद। इसके साथ ही उन खिलाड़ियों और कोचों को भी धन्यवाद जिन्होंने इसे दुनिया का सर्वश्रेष्ठ काम बनाया। उन सभी को धन्यवाद जिन्होंने वर्षों से मेरा समर्थन किया है। भले ही मेरे चेहरे पर ऐसा भाव ना दिखाई दे लेकिन यह हमेशा बहुत मायने रखता है, टेस्ट में मिलते हैं।' इंग्लैंड वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलेगा जिसकी शुरुआत 10 जुलाई को लॉड्‌र्स में होगी।

भारत को ओलंपिक में अच्छे नतीजे मिलेंगे

नई दिल्ली। *मशहूर तीरंदाजी कोच और मेंटोर किम ह्युंग ताक का मानना है कि हाल ही में विश्व कप में ऐतिहासिक स्वर्ण जीतने वाले भारतीय तीरंदाजों को मजबूत तकनीकी अभ्यास का फायदा ओलंपिक में मिलेगा जहां वे स्वर्ण पदक जीत सकते हैं। अभी तक तीरंदाजी में भारत के लिये एकमात्र ओलंपिक कोटा धीरज बोम्मादेवरा ने जीता है। किम ने सोनीपत में भारतीय खेल प्राधिकरण के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में कोचों के सेमिनार के संचालन के बाद कहा, 'भारतीय रिकर्व टीम ने काफी दमदार तकनीकी अभ्यास किया है। इससे उन्हें ओलंपिक में अच्छे नतीजे मिलने में मदद मिलेगी।'*

फाइनल आज
क्वालीफाई करने वाले निशानेबाजों को जुटाने होंगे पोडियम अंक

मनु और भानवाला ओलंपिक चयन ट्रायल में शीर्ष स्थान पर

एजेंसी ▶▶| भोपाल

ओलंपियन निशानेबाज मनु भाकर और अनीश भानवाला शनिवार को यहां राइफल और पिस्टल के लिए ओलंपिक चयन ट्रायल में अपनी स्पर्धाओं के क्वालीफिकेशन राउंड में मजबूत स्कोर से शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं।

अनीश ने पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में 587 अंक के स्कोर से शीर्ष स्थान हासिल किया जबकि मनु महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में 585 अंक से तीसरे स्थान पर रहीं। फाइनल रविवार को होगा जिसमें क्वालीफाई करने वाले पांच निशानेबाजों महत्वपूर्ण पोडियम अंक जुटाने होंगे। महिलाओं की पिस्टल स्पर्धा में रिदम सांगवान 586 अंक से शीर्ष पर रहीं जबकि सिमरनप्रीत कौर बराड़ 585 अंक के साथ मनु को पछाड़कर दूसरे स्थान पर रहीं। ईशा सिंह (579) चौथे और अभिदन्या अशोक पाटिल (575) पांचवें स्थान पर रहीं। इसका मतलब फाइनल कैसा भी रहे मनु अपनी निकटतम प्रतिद्वंद्वी पर कम से कम चार अंक की बढ़त से चौथे ट्रायल में उतरेगी। दूसरे स्थान के लिए ईशा, रिदम और सिमरनप्रीत के बीच कड़ी टक्कर होगी। भानवाला ने भी अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी पर दो अंक की बढ़त बनायी हुई है। विजयवीर सिद्धू और भावेश शेखावत के बीच दूसरे स्थान के लिए मुकाबला कड़ा होगा।

मौजूदा सत्र में तीन बार धीमी ओवर गति के कारण मिली सजा

पंत पर एक मैच का बैन, 30 लाख का लगा जुर्माना

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ रविवार को होने वाले अहम मैच में नहीं खेलेंगे क्योंकि उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग के मौजूदा सत्र में तीन बार धीमी ओवर गति के कारण एक मैच का निलंबन झेलना पड़ा है।

राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ सात मई को दिल्ली कैपिटल्स की 20 रन की जीत के दौरान आचार संहिता के उल्लंघन के लिए पंत पर 30 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया गया था। दिल्ली कैपिटल्स की टीम इस मैच के आखिरी ओवर में तय समय से 10 मिनट पीछे थी। दिल्ली की टीम को इससे पहले सत्र की शुरुआत में चेन्नई सुपर किंग्स (31 मार्च) और कोलकाता नाइट राइडर्स (तीन अप्रैल) के खिलाफ धीमी ओवर का दोषी पाया गया था। आईपीएल के बयान के मुताबिक, 'न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित आईपीएल की आचार संहिता के तहत यह उनकी टीम का मौजूदा सत्र का तीसरा अपराध है, इसलिए ऋषभ पंत पर 30 लाख रुपए के जुर्माना लगाया गया है और एक मैच के लिए निलंबित कर दिया गया। इम्पैक्ट प्लेयर सहित शुरुआती एकादश के बाकी सदस्यों पर व्यक्तिगत रूप से 12 लाख रुपए या उनकी संबंधित मैच फीस का 50 प्रतिशत, जो भी कम हो, जुर्माना लगाया गया।'

खिलाड़ियों पर भी 12 लाख रुपए या मैच फीस का 50 फीसदी जुर्माना

शुमन गिल पर लगा 24 लाख का जुर्माना

अहमदाबाद। *गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल पर चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आईपीएल मैच के दौरान धीमी ओवरगति के लिए 24 लाख रुपए जुर्माना लगाया गया है। यह टीम का इस सत्र में धीमी ओवरगति का दूसरा अपराध था। इसके लिए हर खिलाड़ी पर छह लाख रुपए या मैच फीस के 25 प्रतिशत में से जो कम हो, जुर्माना लगाया गया है। गुजरात ने शुक्रवार को चेन्नई सुपर किंग्स को 35 रन से हराकर प्लेआफ की उम्मीदें कायम रखी है।*

मझगवां के भंडरा में सुबह-सुबह दुर्घटना

बारातियों से भरी बस पलटी 25 लोग घायल, 13 गंभीर

जबलपुर। जिले के मझगवां थाना अंतर्गत ग्राम भंडरा में बारातियों से भरी एक तेज रफ्तार बस पलट जाने से उसमें सवार 25 बाराती घायल हो गए, जिनमें से 13 लोगो की हालत गंभीर बताई गई है। घायलों को इलाज के लिए नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडीकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना शनिवार की सुबह की बताई गई। है। बारात ग्राम भंडरा से बघराजी गई थी। वहां से लौटते वक्त यह हादसा हो गया। हादसे के समय बस में 40 लोग सवार थे।

मझगवां पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार बस क्रमांक एमपी 20 पीए 0968 बारात लेकर ग्राम भंडरा से बघराजी गई थी। सुबह 5 बजे बारात विदा होने के बाद बस ग्राम भंडरा लौट रही थी। तभी तेज रफ्तार से बस अनियंत्रित हो गई। घटना की सूचना मिलने पर मझगवां पुलिस घटना स्थल पर पहुंची और घायलों को एंबुलेंस की मदद से नजदीकी स्वास्थ्य व्रेंद पहुंचाया गया। 13 लोगों को गंभीर चोट होने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद मेडीकल अस्पताल भिजवा दिया गया। पुलिस ने आरोपी बस चालक के खिलाफ धारा 279, 337, 338, के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है। घटना के बाद बस चालक मौके से फरार हो गया।

दुर्घटना में ये हुए घायल

बस पलटने से रामसेवक पिता पलटूराम पाल उम्र 50 वर्ष, मनोज पिता पलटूराम 44 वर्ष निवासी ग्राम भंडरा मझगवां, हल्लीपाल पिता बबलू लाल पाल 46 वर्ष निवासी खंचारी पट्टी नोहटा जिला दमोह, संदीप पिता विशाल नामदेव 35 वर्ष निवासी मझगवां, अनुराग पिता ओमप्रकाश पाल 16वर्ष निवासी भंडरा मझगवां, ब्रजलाल पिता लालजी पाल 50 वर्ष भंडरा मझगवां, पवन पिता जयप्रकाश पाल 8 वर्ष निवासी कडवारा मैहर, जुगराज पिता दुलीचंद गडारी 59 वर्ष निवासी हरगढ़ खितौला, नरेश पिता रामभरोस पाल 49 वर्ष दरौली खुर्द खितौला, पलटूराम पिता हुब्बीलाल गडारी 70वर्ष ग्राम भंडरा मझगवां, भकौलीराम पिता रतनलाल पाल 85 वर्ष तलाड़ सिहोरा, बालाराम पिता गबडूराम गडारी 70 वर्ष दरौलीखुर्द खितौला, गेंदलाल पिता महेश पाल 57 वर्ष भंडरा मझगवां, अर्जुन धनकर पिता उदयभान धनकर उम्र 23 वर्ष निवासी गल्लामंडी सहित अन्य लोगों को चोटें आई है।

दोहरे हत्याकांड के आरोपी ने बदला भेष

अन्य राज्यों की पुलिस को भेजे जा रहे आरोपी के पोस्टर

जबलपुर। सिविल लाइंस थाना क्षेत्र स्थित रेलवे मिलेनियम कालोनी में करीब 56 दिन पहले 15 मार्च को हुए दोहरे हत्याकांड के मुख्य आरोपी मुकुल सिंह का पोस्टर पुलिस ने तैयार किया है जिसे अन्य राज्यों की पुलिस को भेजा जाएगा। इस पोस्टर को इंटरनेट वायरल करने की तैयारियां भी की जा रही है। कहा जा रहा है कि आरोपी पुलिस को चकमा देकर फरार है और अब हुलिया भी बदल रहा है। पुलिस को उसकी आखिरी लोकेशन आगरा में मिली। सीसीटीव्ही फुटेज में उसका हुलिया भी बदला नजर आया। जबकि पुलिस जो पोस्टर जारी कर रही है वह पुराना है।

मिलेनियम कालोनी में रहने वाले जबलपुर रेल मंडल के कार्यालय अधीक्षक राजकुमार विश्वकर्मा (52) और उनके बेटे तनिष्क (9) की 15 मार्च की सुबह उनके घर पर ही हत्या कर दी गई थी। वारदात में मुख्य आरोपित कालोनी में ही रहने वाले रेल संरक्षा विभाग के एक कार्यालय अधीक्षक का बेटा मुकुल सिंह है। वारदात के बाद आरोपी मुकुल अपने साथ मृतक राजकुमार की नाबालिग बेटी को भगा ले गया है। घटना के बाद से मृतक की बेटी हर जगह पर आरोपी के साथ ही देखी गई है। पुलिस को उनके पुणे, कर्नाटक, गोवा, उत्तर प्रदेश में होने की जानकारी मिली। लेकिन आरोपी इतना शातिर है कि वह जल्दी-जल्दी लोकेशन बदल रहा है। जब तक पुलिस उन्हें पकड़ने के लिए पहुंचती है, आरोपी अपना ठिकाना बदल लेता है। पुलिस की टीमें उसकी तलाश में लगी हुई है। जबलपुर पुलिस अब अन्य राज्यों की पुलिस से भी मदद लेकर आरोपी तक पहुंचने की जुगत लगा रही हैं।

पहले चरण में 63 हजार छात्रों में किए आवेदन

बीएड में पिछले साल के मुकाबले आधे हुए पंजीयन

जबलपुर। प्रदेश के 625 बीएड सहित राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए पहले चरण के लिए प्रक्रिया जारी है।अब तक इस बार तीन चरणों में काउंसलिंग प्रक्रिया पूरी की जाएगी। कालेजों में हर साल की तरह इस बार भी मेरिट के आधार पर प्रवेश होंगे। पहले चरण के पंजीयन के लिए गुरुवार को आवेदन करने की अंतिम तारीख थी। पहले चरण में एनसीटीई के सभी नौ पाठ्यक्रमों 68 हजार पंजीयन हुए हैं। वहीं दस्तावेजों का सत्यापन करीब 35 हजार आवेदकों का हो चुका है। इसमें बीएड में 63 हजार पंजीयन हुए हैं। मेरिट सूची का प्रकाशन 15 मई को होगा। प्रथम चरण में मेरिट एवं वरीयता के अनुसार सीट का आवंटन 21 मई को होगा। साथ ही 25 मई तक आवंटित सीटों पर विद्यार्थी शुल्क जमा कर प्रवेश ले सकते हैं। हालांकि, अब तक उच्च शिक्षा विभाग ने कालेजों में उपलब्ध सीटों की संख्या को पोर्टल पर अपडेट नहीं किया है। पिछले साल के मुकाबले इस बार बीएड में कम पंजीयन हुए हैं। पिछले साल पहले चरण में सवा लाख पंजीयन हुए थे। इस बार आधे आवेदन कम हुए हैं। अधिकारियों का मानना है कि दूसरे चरण में पंजीयन की संख्या बढने की संभावना है।

बीएड के लिए सबसे अधिक पंजीयन

एनसीटीई के नौ पाठ्यक्रमों में सबसे अधिक बीएड की 58 हजार सीटों पर प्रवेश के लिए पंजीयन 63,292 हुए हैं। वहीं 59,022 ने आवेदकों ने पसंद के कालेजों का विकल्प दिया है। साथ ही 33,490 आवेदकों ने सत्यापन कराया है। वहीं एमएड में 631 पंजीयन हुए हैं तो 529 आवेदकों ने अपनी पसंद के कालेजों का विकल्प दिया है और 252 आवेदकों का सत्यापन हुआ है। बीपीएड में 574 पंजीयन,एमपीएड में 541, बीएबीएड में 1712, बीएससी बीएड 1492, बीएड एमएड में 211,बीएलएड में 60 और बीएड अंशकालिक में 64 पंजीयन हुए हैं।

बादलों की बसाहट से उमस ने किया बेचैन

धूल भरी आंधी और बूंदाबांदी के आसार बरकरार

जबलपुर। मई के महीने में गर्मी अपना जलवा दिखा रही है। तापमान भले ही ज्यादा न हो लेकिन सूर्य देव आग उगल रहे हैं। शरीर को झुलसा देने वाली गर्मी से जनजीवन हलाकांन और बैचेन है। शनिवार की शाम चली तेज अंधड़ के बाद पड़ी पानी की बौछारों से तपी धरती गर्म तवे की तरह छनछना उठी और शनिवार को उमस भरी गर्मी ने जनजीवन को बेचैन कर दिया। तापमान जबकि औसत पर रहा, लेकिन गर्मी चरम पर रही। सुबह से ही आसमान से आग बरस रही है। दिन चढ़ता गया और गर्मी बढ़ती गई। भीषण गर्मी की वजह से पंखे गर्म हवा फेंक रहे थे। तो कूलर ने भी शीतलता का साथ छोड़ दिया। शाम ढलने के बाद भी लोगों को राहत नहीं मिली। रात में उमस ने बैचेन किया। मौसम विभाग की माने तो उत्तर प्रदेश से बिहार तक ऊपरी हवाओं का चक्रवात बन गया है, जिससे संभाग के कुछ स्थानों पर धूल भरी आंधी के साथ बूंदाबांदी हो सकती है।

स्थानीय मौसम विज्ञान के प्रवक्ता ने बताया कि यूपी और बिहार के ऊपर लो प्रेशर बनने से मौसम के मिजाज बदलते नजर आ रहे हैं, लेकिन गर्मी की सेहत पर कोई फर्प नहीं पड़ा। पश्चिमी हवाओं ने जमकर गर्माहट घोली। पिछले 24 घण्टों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 39.04 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 1 डिग्री अधिक रिकार्ड किया गया। वहीं न्यूनतम तापमान 25.6 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 1 डिग्री कम रिकार्ड किया गया। हवा में नमी प्रातकाल 39 प्रतिशत और सांय काल 27 प्रतिशत आंकी गई। मौसम कार्यालय के प्रवक्ता ने बताया कि उत्तर पूर्वी हवाएं दिशा से 7 से 8 किलोमीटर प्रति रफ्तार से हवाएं चल रही हैं। प्रदेश में सर्वाधिक 44.4 डिग्री तापमान पूना में दर्ज किया गया। गत वर्ष आज का अधिकतम तापमान 40.4 और न्यूनतम तापमान 18.7 डिग्री पर रहा। अगले 24 घण्टों के दौरान संभाग में धूल भरी आंधी के साथ कहीं-कही गरज चमक के साथ वर्षा हो सकती है।

मप्र में अंग्रेजी, गणित, विज्ञान में सबसे कमजोर विद्यार्थी

जबलपुर। मप्र में हर साल जब भी 10वीं, 12वीं बोर्ड का परीक्षा परिणाम आता है सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कर्मी, सुविधाओं के अभाव की चर्चा शुरू हो जाती है। कुछ दिन चर्चा के बाद मामला अधर में लटक जाता है। एक बार फिर परीक्षा परिणाम को लेकर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। लेकिन जिम्मदार भी भलीभांति जानते हैं कि प्रदेश के सरकारी स्कूलों में विषय विशेषज्ञों की कमी है। खासकर अंग्रेजी, गणित, विज्ञान और अर्थशास्त्र के शिक्षकों की कमी के कारण इन विषयों में प्रदेश के विद्यार्थी सबसे अधिक कमजोर हैं। वित्त विभाग के आंकड़े कहते हैं कि 2022-23 सत्र में 23127, 2023-24 सत्र में 6144, 2024-25 सत्र में 942 पदों को स्वीकृति दी गई है। यानी 2022 से 2025 तक के लिए वित्त विभाग ने कुल 30213 पदों को भरने की स्वीकृति दी है। सरकारी दस्तावेज में ये भी कहा गया है कि वर्तमान में कई विषयों में पात्रताधारी अभ्यर्थी उपलब्ध न होने की वजह से सीमित संख्या में ही भर्ती की जाएगी। इसलिए 2022-23 में 15 हजार 252, 2023-24 में 13 हजार 963 और 2024-25 में 942 पदों पर भर्तियां की जाएंगी। देश में नई शिक्षा नीति के बारे में भले ही बढ़-चढक़र बातें हो रही हैं। लेकिन सरकारी स्कूलों में कोई खास बदलाव नजर नहीं दिख रहा है। कम से कम मध्यप्रदेश में तो कोई असर नहीं दिख रहा है। हाल ही में एमपी बोर्ड हायर सेकंडरी एग्जाम के नतीजों ने भी प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पढ़ाई की पोल खोलकर रख दी है। हालही में मप्र बोर्ड 10वीं व 12वीं के बोर्ड परीक्षा के परिणाम आए तो उसमें यह तथ्य सामने आया है कि अंग्रेजी, गणित, विज्ञान व अर्थशास्त्र में सबसे अधिक कमजोर विद्यार्थी हैं। दोनों कक्षाओं में विद्यार्थियों का सबसे खराब प्रदर्शन अंग्रेजी में है। जहां 10वीं में करीब तीन लाख तो 12वीं में करीब डेढ़ लाख विद्यार्थी फेल हुए हैं। वहीं 10वीं में गणित में 2.91 लाख, विज्ञान में 2.41 लाख, सामाजिक विज्ञान में 2.27 लाख फेल हुए हैं। इसी तरह 12वीं में अर्थशास्त्र में 53 हजार, भौतिकी में 60 हजार फेल हुए हैं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240